राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 रुपए
कमांडर नताशा
एक
आकर्षक
स्टीकर
मुफ्त
सुपर कमांडो ध्रुव
राज कॉमिक्स विशेषांक
कमांडर नताशा

कमांडर नताशा

सुपर कमांडो ध्रुव

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा, इंकिंग: विनोद कुमार, सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय, संपादक: मनीष गुप्ता

नताशा... रिपोर्टर नताशा अपने एक आर्टिकल 'राजनीति और माफिया' लिखते-लिखते बार्को से जा टकराई। और बार्को की मुट्ठी में बंद उसके एडीटर, बार्को के गुंडों और भ्रष्ट पुलिस वालों ने नताशा को समाज का वह घिनौना रूप दिखाया, जिससे वह अंजान थी। वह इतनी परेशान हो गई कि ध्रुव और रिचा के रिश्ते पर भी शक करने लगी। और जब 'इंस्पेक्टर शमशेर सिंह ने उसे हेरोइन रखने के झूठे केस में फंसाना चाहा, तो नताशा ने तय कर लिया कि अब वह रिपोर्टर नताशा से बन जाएगी, कमांडर नताशा-

और इस परिवर्तन की शुरुआत यहां से होती है-

यू आर अंडर अरेस्ट, मिस नताशा! वीडियो-कैसेट में छिपाकर हेरोइन की तस्करी करने के आरोप में।

यह कैसेट मेरी नहीं है! यह मुझे एक लड़का अभी-अभी यह कहकर दे गया था कि इसमें एक केस से संबंधित महत्त्वपूर्ण सुराग हैं।

कौन था वह लड़का?

यह मुझे नहीं पता! उसको मैं नहीं जानती?

सभी पकड़े गए अपराधी यही कहते हैं। अब चुपचाप यह हथकड़ी पहन लो, वर्ना कल के अखबारों में खबर छपेगी कि ग्रैंडमास्टर रोबो की बेटी पुलिस मुठभेड़ में मारी गई।

रोबो! तुम मेरे बारे में कैसे जानते हो इंस्पेक्टर?

ग्रैंडमास्टर रोबो की ताकत अगर कम न हुई होती तो ये बात कहने से पहले तुम्हारी जुबान कांप कर गिर गई होती, शमशेर सिंह।
बहुत सुन ली तेरे बाप की तारीफ। अब हाथ आगे कर और पहन ले लोहे की चूड़ियां।
अब मैं कुछ नहीं कर सकती। अगर मैंने हथकड़ी पहन ली तो इन बंधनों से मैं कभी बाहर नहीं निकल पाऊंगी... और अगर मैंने कुछ और करने की कोशिश की तो ये शनिया मुझे गोली मार देगा!
अब मैं क्या...
अरे!
कड़ाक
तड़ाक
धाड़

धम्म
धांय
टन्न
ठक
ठन्न

गुलाम का आदाब, मादाम नताशा!
हल्क! ग्रैंडमास्टर रोबो का सबसे वफादार आदमी! और वो भी यहां पर! लेकिन... तुम तो मेरे पिता का साथ कभी नहीं छोड़ते। इसका मतलब है कि...
मास्टर इसी शहर में हैं, मादाम!
और उन्होंने आपको याद फरमाया है।
पापा! यहां पर हैं? कहां पर हैं वे?
डॉक्टर शिल्डर के नर्सिंग होम में मादाम!
आप तुरन्त चलिए।
लेकिन वह पुलिस वाला! जो नीचे गिरकर मर गया?
उसका क्या होगा?
कौन सा पुलिस वाला, मादाम? आपके यहां न तो कोई आया, और न ही आपकी खिड़की से नीचे गिरा!
आप समझ गईं न मेरी बात?
समझ गई! चलो! लेकिन पापा को हुआ क्या है? वे डॉक्टर शिल्डर के नर्सिंग होम में क्यों हैं?
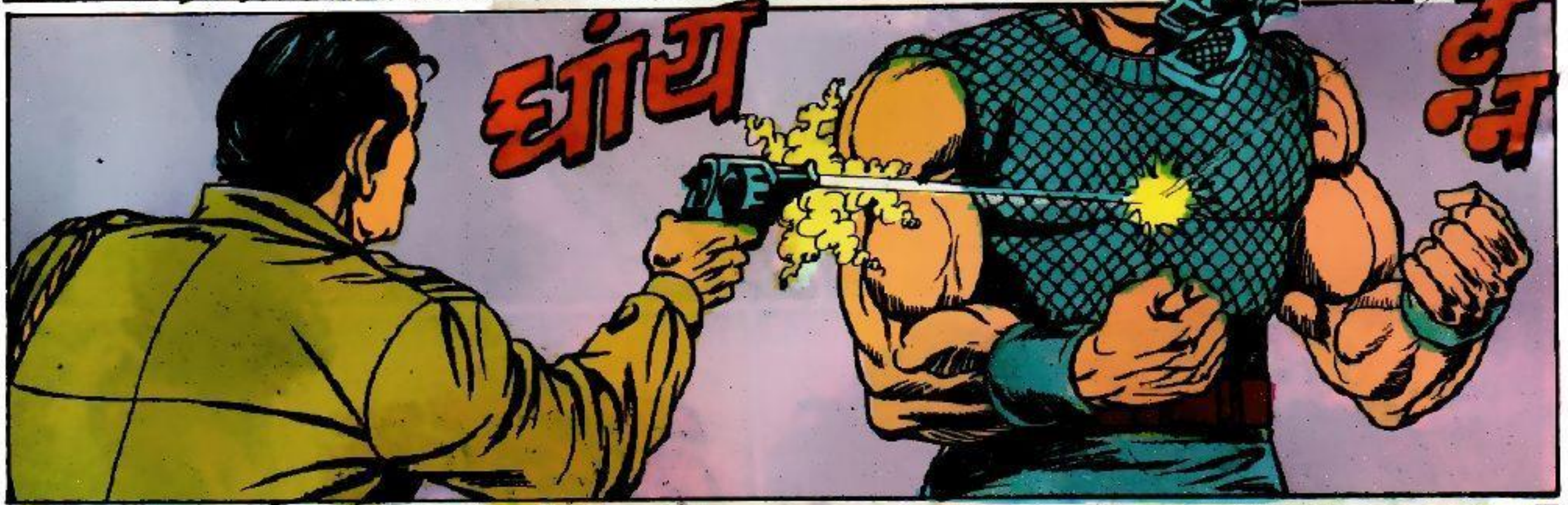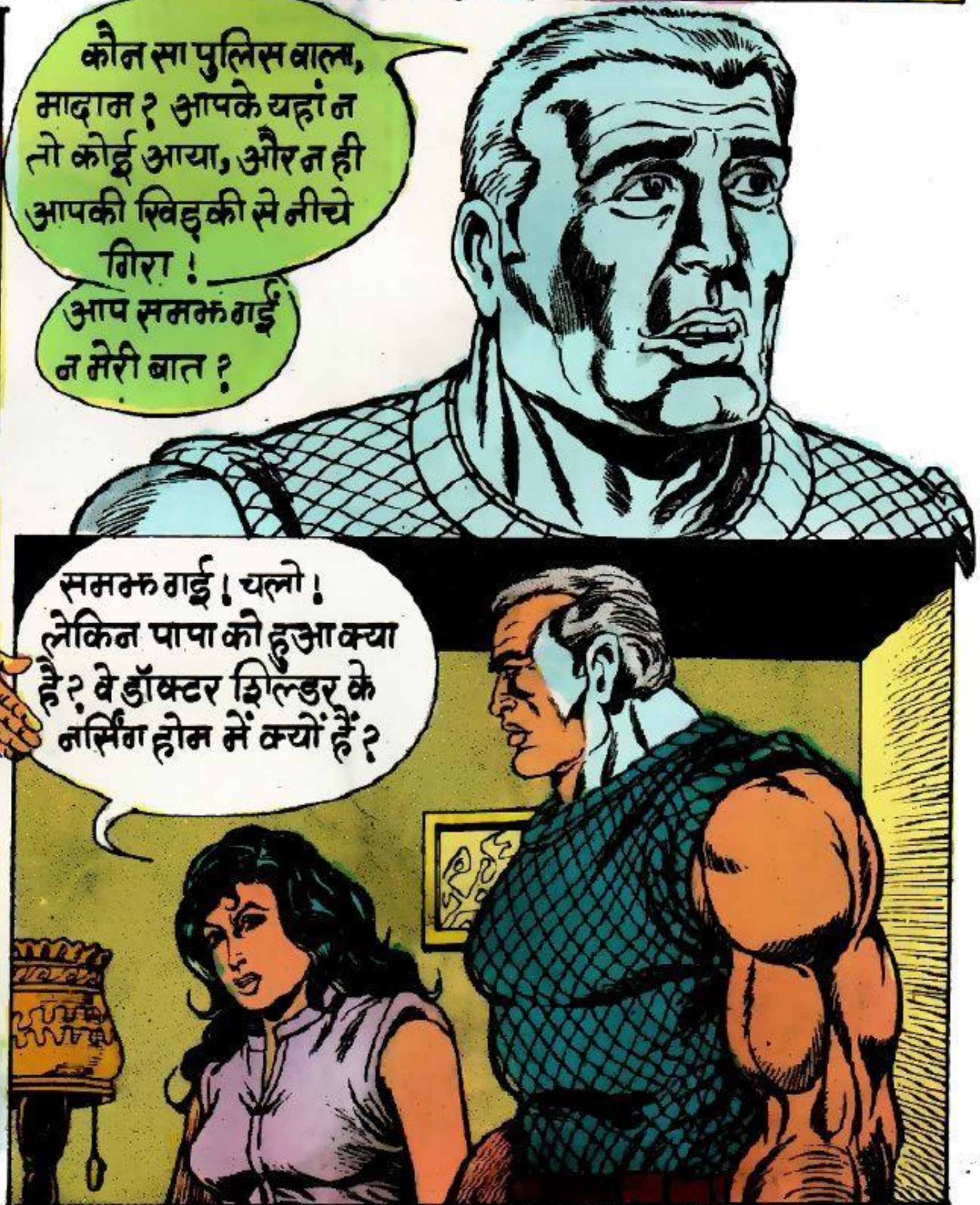
और दूसरी तरफ –
मैंने आपका काम कर दिया है। मेरे पैसे कहां हैं?
तूने नताशा को वीडियो कैसेट में हेरोइन पहुंचाकर अपना काम तो कर दिया है, पट्ठे...
...लेकिन तू चिन्ता मत कर। उस काम के बदले वाले पैसों के फूल हम तेरी कब्र पर चढ़ा देंगे।
धाड़.
आह! पकड़ो उसे! वर्ना बॉस हमारी चमड़ी उधेड़ कर रख देगा।
सांसें फूल रही थीं। छाती धौंकनी की तरह चल रही थी और पैर जवाब दे रहे थे –

आखिरकार-
हफ्। हफ्!
आऽऽह !
अब तेरी कहानी खत्म! और तेरे साथ-साथ यह सारी कहानी भी खत्म।
हांऽऽऽ
कहानी खत्म होने से पहले...
तड़ाक
...मैं इस कहानी का क्लाईमेक्स ही बदल देता हूं।
सुपर कमांडो ध्रुव!

तू मुझे रोक नहीं पाएगा।

आऽऽह!

इसको मामूली गुंडा समझकर मैंने इसको गंभीरता से नहीं लिया था!

लेकिन इसकी फुर्ती देखकर लगता है कि इसको तगड़ी ट्रेनिंग मिली हुई है!

तड़ाक

यह मामूली गुंडा नहीं हो सकता। और इसका एक ही मतलब है...

...कि यहां पर जो कुछ भी हो रहा था, वह मामूली नहीं है!

ठक

मुझे इस मामले की तह तक पहुंचना पड़ेगा।

धाड़

आईईई!

मैं इससे जीत नहीं सकता। इससे बचकर भागने का और काम भी पूरा करने का एक ही रास्ता है।

और वह ये है।
जैकेट के अंदर से निकाला गया, दूसरा चाकू अपने शिकार के शरीर में जा धंसा—
खटच
आ ऽऽह्ह
ध्रुव का ध्यान पलभर को बंटा —
और इसी एक पल में—
तड़ाक
गुंडे को भागने का मौका मिल गया—
ओह! वह भाग रहा है। लेकिन मैं उसके पीछे नहीं जा सकता। क्योंकि अभी इस लड़के को मदद पहुंचानी बहुत जरूरी है।
और अस्पताल में—
आओ, बेटी!
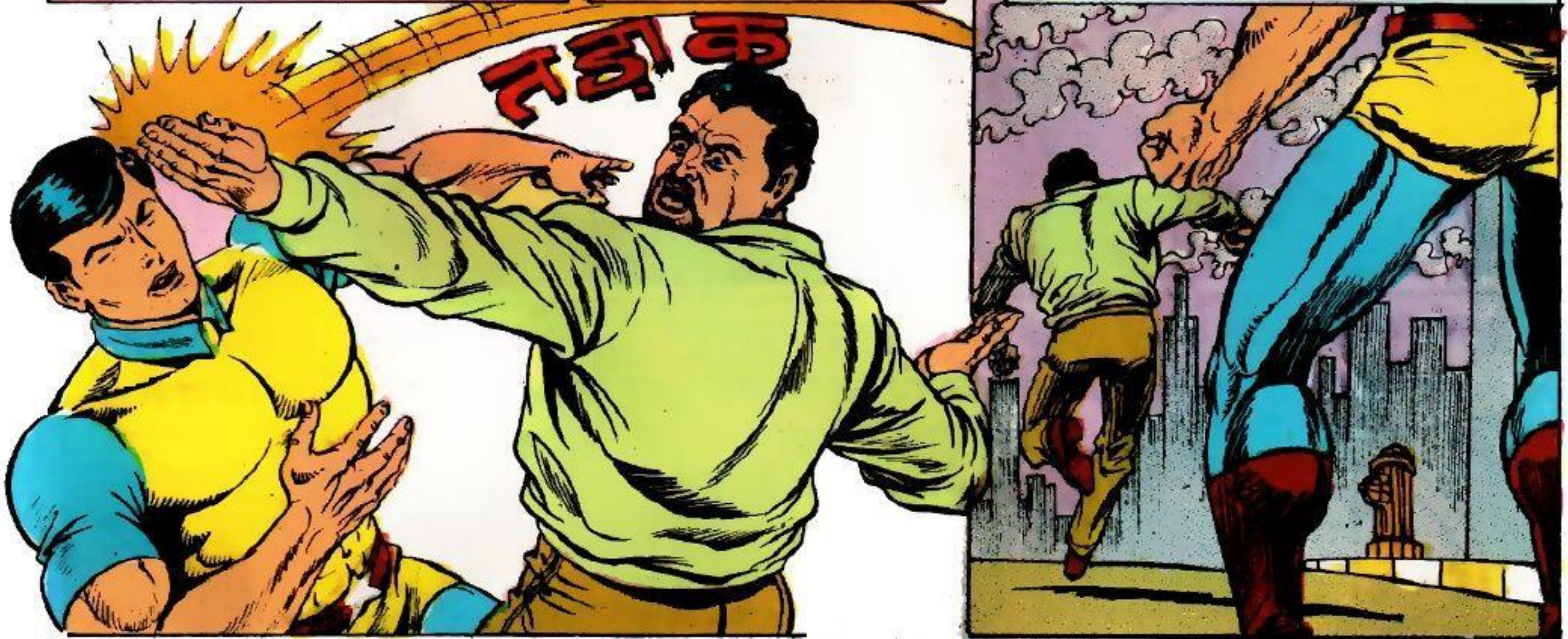
पापा! क्या हुआ आपको? आप इस नर्सिंग होम में क्यों हैं?
बताता हूं, नताशा! सब बताता हूं। सबसे पहले तो... यह कि मुझे कुछ नहीं हुआ।
तो फिर आप यहां पर क्यों हैं? और आपने मुझे क्यों बुलाया?
मैं तुमको किसी से मिलवाना चाहता हूं नताशा।
और वह इसी हॉस्पिटल में भर्ती है।
कौन है वह? इतना महत्त्वपूर्ण व्यक्ति, जिसने आपको यहां आने को मजबूर कर दिया?
और उसको देखने के लिए आपने मुझ तक को बुलवा भेजा। क्या मैं उसे जानती हूं?
जानती हो बेटे, मगर पहचानती नहीं हो।
वह तुम्हारी मां है।
मां!
मेरी मां?
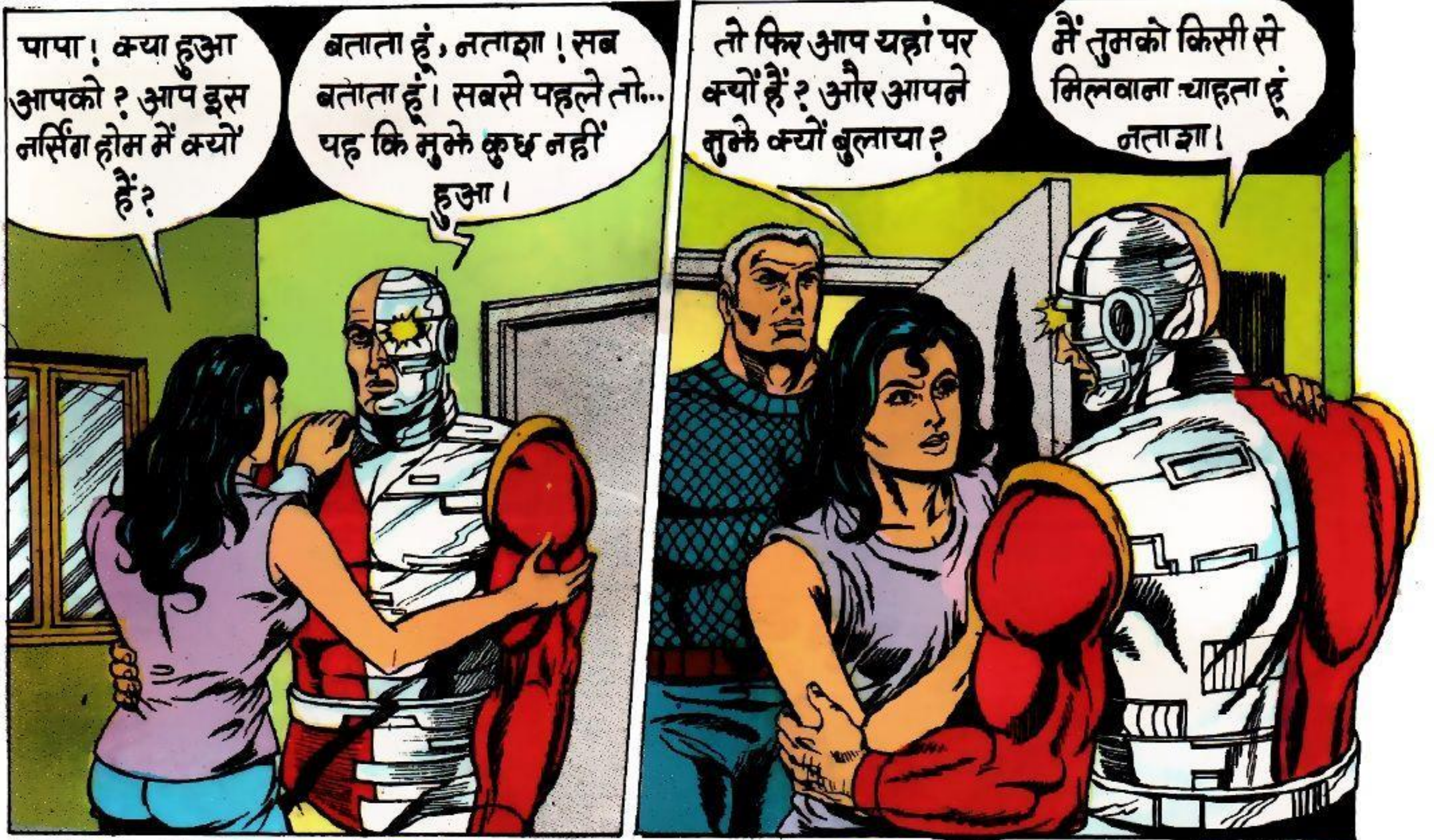
सुबह-
अब उसकी तबीयत कैसी है कैप्टेन ?
किसकी, रेणु ? ओह, उस लड़के की जिसे कल रात चाकू लग गया था ?
CF
COMMANDO FORCE HEADQUARTER
अभी सीरियस है। पुलिस हॉस्पिटल की 'इंटेंसिव केयर' यूनिट में है। और जब तक उसे होश नहीं आ जाता, तब तक यह पता चलना मुश्किल है कि ये चक्कर आखिर था क्या ?
मुश्किल नहीं, असंभव कहो ध्रुव !
इस दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है रेणु। और मैं उसी असंभव को संभव बनाने के लिए कंप्यूटर पर बैठा हूं।
यानी तुम उस लड़के को खत्म करने में नाकामयाब रहे। और वह ध्रुव के हाथ लग गया।
सबसे बुरी बात तो ये है कि ध्रुव ने तुम्हारी शक्ल देख ली है।
मैं उस चाकू मारने वाले की फाइल निकालने के लिए इंटरपोल तक से संपर्क करूंगा।
मुझे पूरा यकीन है कि वह गुंडा एक पेशेवर अपराधी था।
2001
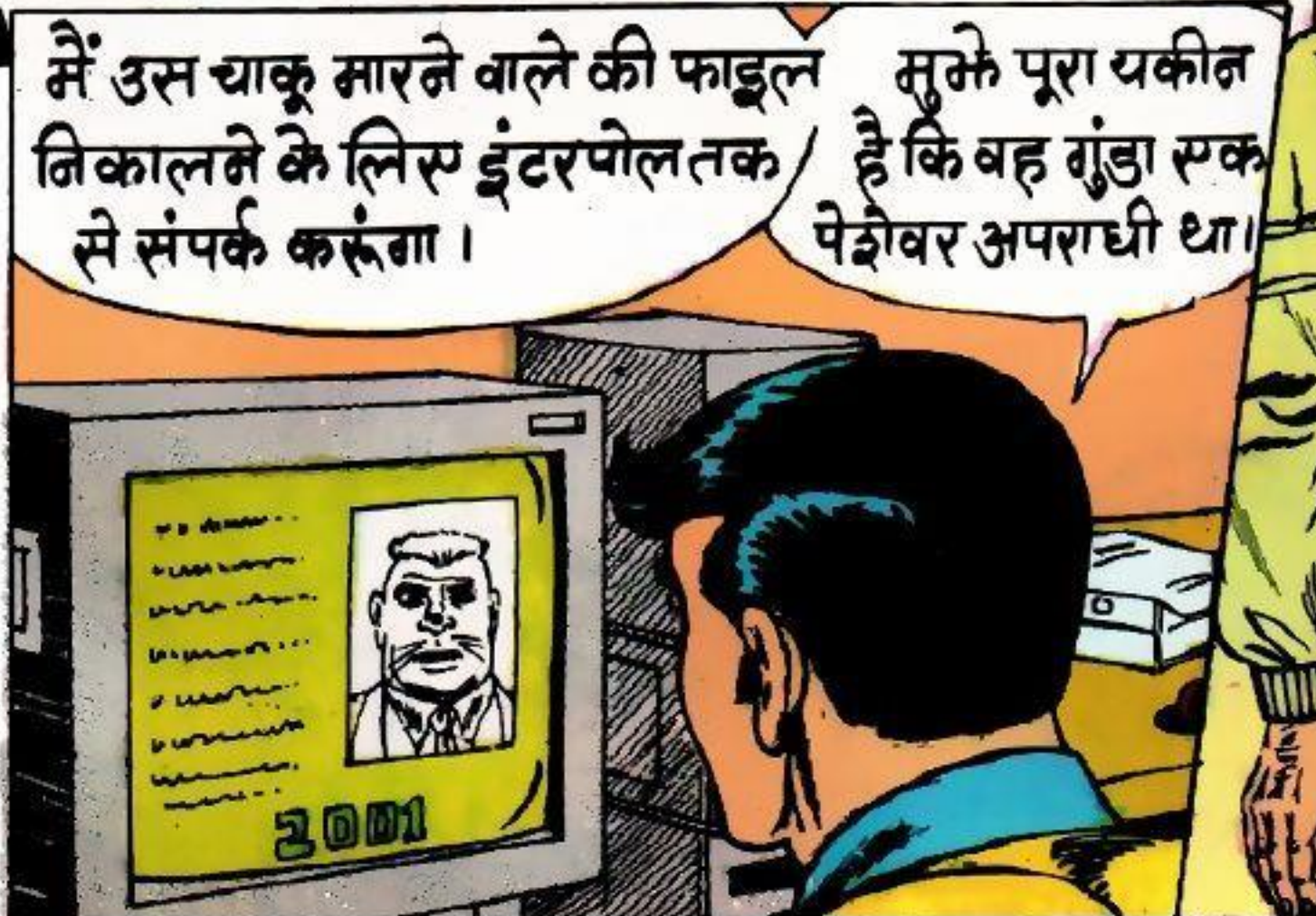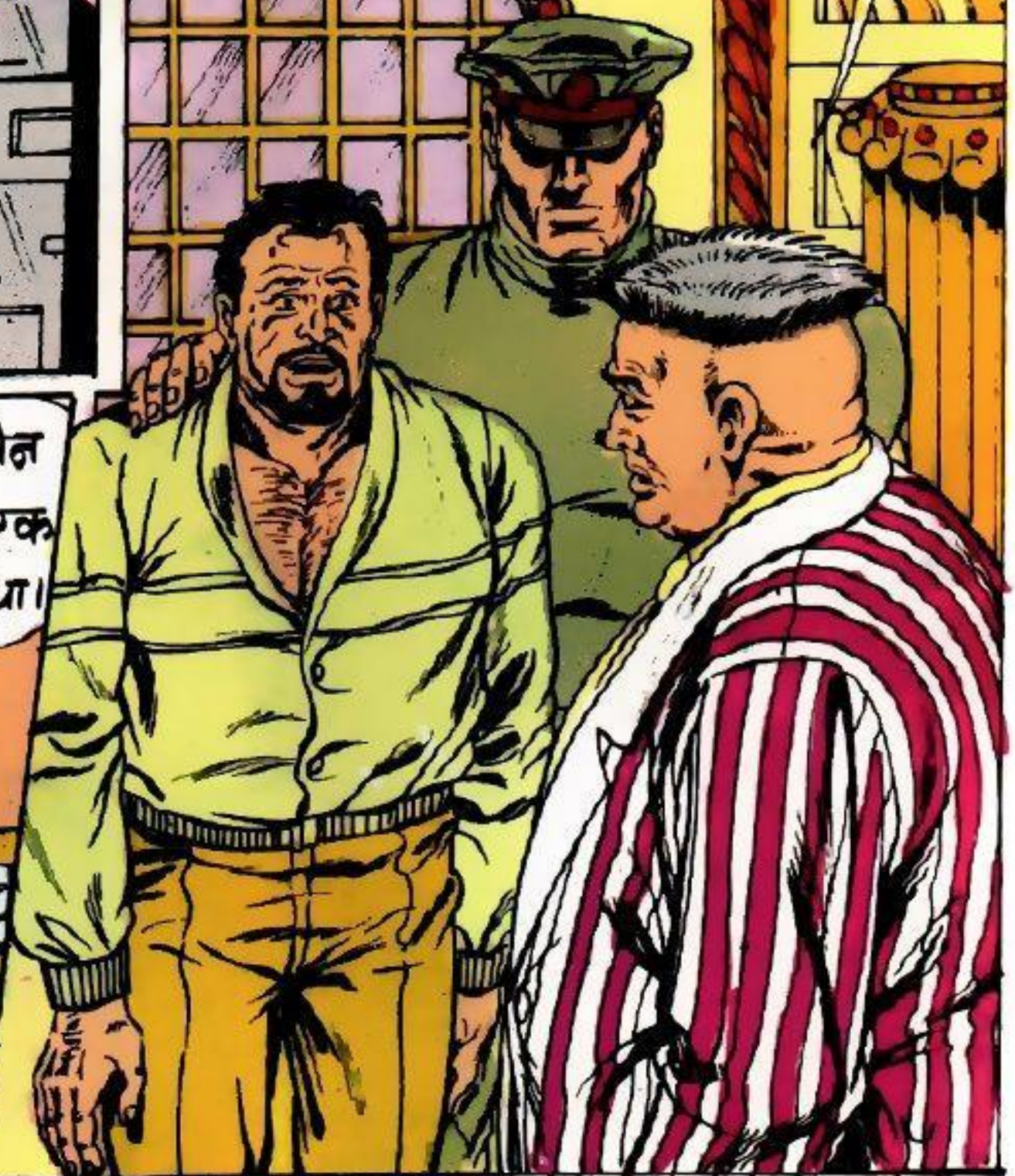
इसलिए तुम्हारा जिन्दा रहना हमारे लिए मौत का कारण बन सकता है।
और हम अभी मरना नहीं चाहते!
लेकिन बार्को, मैं तो...
आहहहहह!
कट
इसका क्या करना है, बॉस? गोली मार दूं इसको?
नहीं! अगर इसकी गोली लगी लाश पुलिस के हाथों लग गई, तो एक नया झमेला खड़ा हो जाएगा...
...इसको इसी बेहोशी की हालत में रस्सी से बांधकर समुद्र में फेंक दो। पानी में दम घुटकर अपने-आप मर जाएगा। और यह एक दुर्घटना लगेगी...
...और हां! बांधने के लिए उन रस्सों का इस्तेमाल करना, जो पानी में एक घंटे रहने के बाद अपने-आप गल जाते हैं।
ओ० के० बॉस!
गुडबाय, मांटो! तुम्हारी मौत का मुझे बेहद अफसोस है। पर क्या करें...
अपनी गर्दन बचाने के लिए दूसरे की गर्दन का नाप देना ही पड़ता है!

आज का दिन हर कोई डॉक्टर के साथ ही शुरू कर रहा था –
मैंने आपकी बीमारी को डायगनोज कर लिया है मिस रिचा ...
...और इस बीमारी का मेडिकल साइंस के पास कोई फुलप्रूफ इलाज नहीं है।
मतलब ?
यह एक जान लेवा बीमारी है, मिस रिचा !
क्या बीमारी है मुझको, डॉक्टर ? जो हो साफ-साफ कहिए। मैं बुरी से बुरी खबर सुनने की भी ताकत रखती हूं।
आपको 'नर्वस सिस्टम' की बीमारी है। 'स्नायु-तंत्र' खराब हो रहा है आपका।
दरअसल यह एक बहुत कम सुनी जाने वाली बीमारी है। एक खास किस्म की बीमारी, जो सिर्फ मानव के स्नायु-तंत्र पर ही हमला करती है...
US SYSTEM
... और स्नायु-तंत्र को धीरे-धीरे कमजोर करती जाती है। पहली अवस्था में थकान महसूस होती रहती है। दूसरी अवस्था में चक्कर आते हैं। सांस फूलती है और फिर आदमी के हाथ-पैर कांपने लगते हैं। नजर कमजोर होने लगती है और उसके बाद बिस्तर और फिर ...
NERVOUS SYS
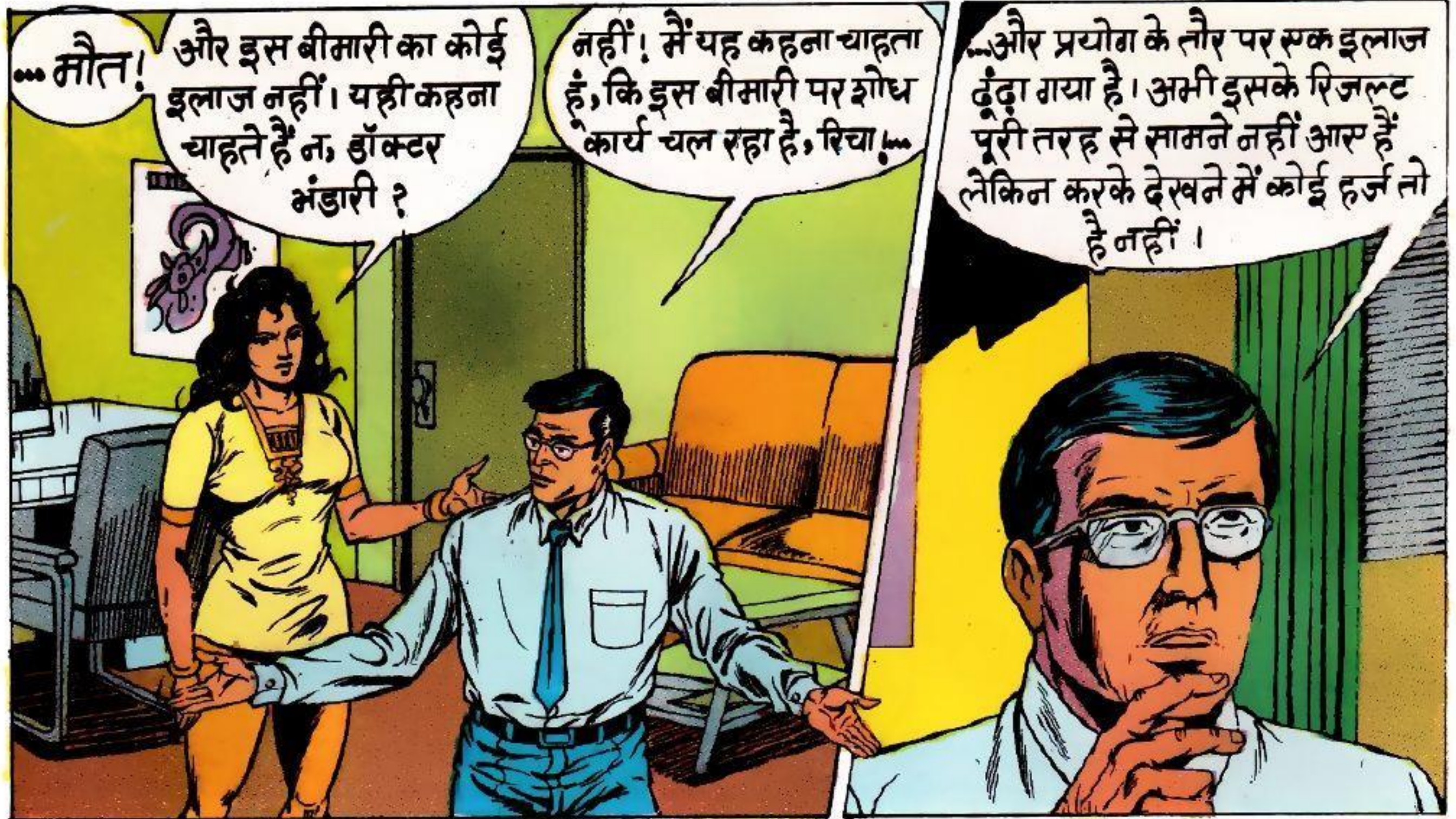
...मौत!
और इस बीमारी का कोई इलाज नहीं। यही कहना चाहते हैं न, डॉक्टर भंडारी ?
नहीं! मैं यह कहना चाहता हूं, कि इस बीमारी पर शोध कार्य चल रहा है, रिचा!...
...और प्रयोग के तौर पर एक इलाज ढूंढा गया है। अभी इसके रिजल्ट पूरी तरह से सामने नहीं आए हैं लेकिन करके देखने में कोई हर्ज तो है नहीं।
क्या है वह इलाज ?
मैग्नेटिक थेरेपी। यानी चुंबकीय चिकित्सा। इसमें शरीर के चारों तरफ एक बहुत शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र की रचना की जाती है।
इससे शरीर में खून के दौरे पर असर पड़ता है। और यह खून का दौरा, 'स्नायु तंत्र' पर असर डालता है!
इससे धीरे-धीरे 'स्नायु-तंत्र' मजबूत होता है!
गुड! हम ये थेरेपी कब से शुरू कर सकते हैं?
अभी से। तुरन्त।
क्योंकि इस पर शोध कार्य मैं ही कर रहा हूं।
और मैंने यहीं पर एक लैब बना कर रखी है।

☆ पीटर का अभिभावक होने के कारण फादर परेरा को नताशा पहले से जानती है-

कहानी 18वें पृष्ठ से जारी
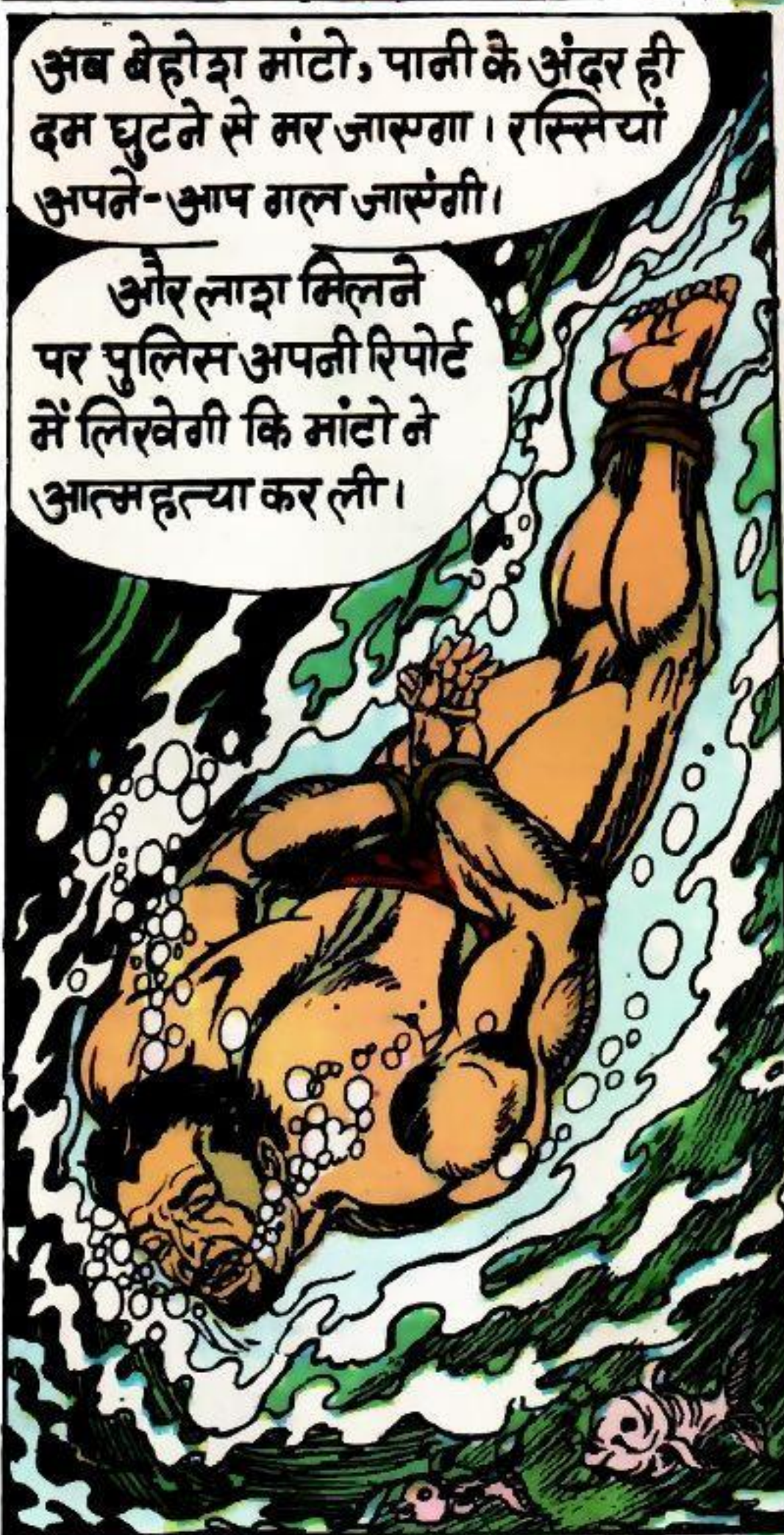
मुझे पीटर को यह खबर देनी होगी।
कहीं नताशा किसी खतरे में तो नहीं है।
और वहां से दूर-
ये गया मांटो पानी के अंदर।
छपाक
अब बेहोश मांटो, पानी के अंदर ही दम घुटने से मर जाएगा। रस्सियां अपने-आप गल जाएंगी।
और लाश मिलने पर पुलिस अपनी रिपोर्ट में लिखेगी कि मांटो ने आत्महत्या कर ली।
बार्को के दिमाग का जवाब नहीं।
दूसरी तरफ-

ओह! ऐसा लग रहा है, जैसे बदन का हर अंग कांप रहा हो डॉक्टर•••
यह मैग्नेटिक थेरेपी सीधे नर्वस सिस्टम पर असर करती है रिचा। यह कंपन उसी कारण से है•••
••• पर यह तो अच्छी खबर है। इसका मतलब है कि इलाज असर कर रहा है।
अब तुमको रोज यहां पर आकर एक बार 'मैग्नेटिक फील्ड' में यह झटका सहन करना होगा।
और अगर तुम ठीक हो गई तो तुमसे ज्यादा फायदा तो मुझे होगा।
आपको? वो कैसे?
मैं प्रसिद्ध हो जाऊंगा, रिचा! इस लाइलाज बीमारी का इलाज ढूंढने वाला डॉक्टर।
और डॉक्टर शिल्डर के नर्सिंग होम में—
आप चुप क्यों हैं, पापा? मैंने तो आपसे एक सीधा-सादा सा सवाल पूछा है।
मां के जिन्दा रहते आपने मुझसे झूठ क्यों बोला कि वह मर गई? क्यों दूर रखा मुझे उससे?
और इतने सालों बाद आप मुझे उसके पास क्यों लेकर आए हैं?
एक सवाल और है, नताशा! और वह ये कि रोबो ने तुम्हारी मां को यहां पर क्यों रखा हुआ है, डॉक्टर शिल्डर के हॉस्पिटल में?
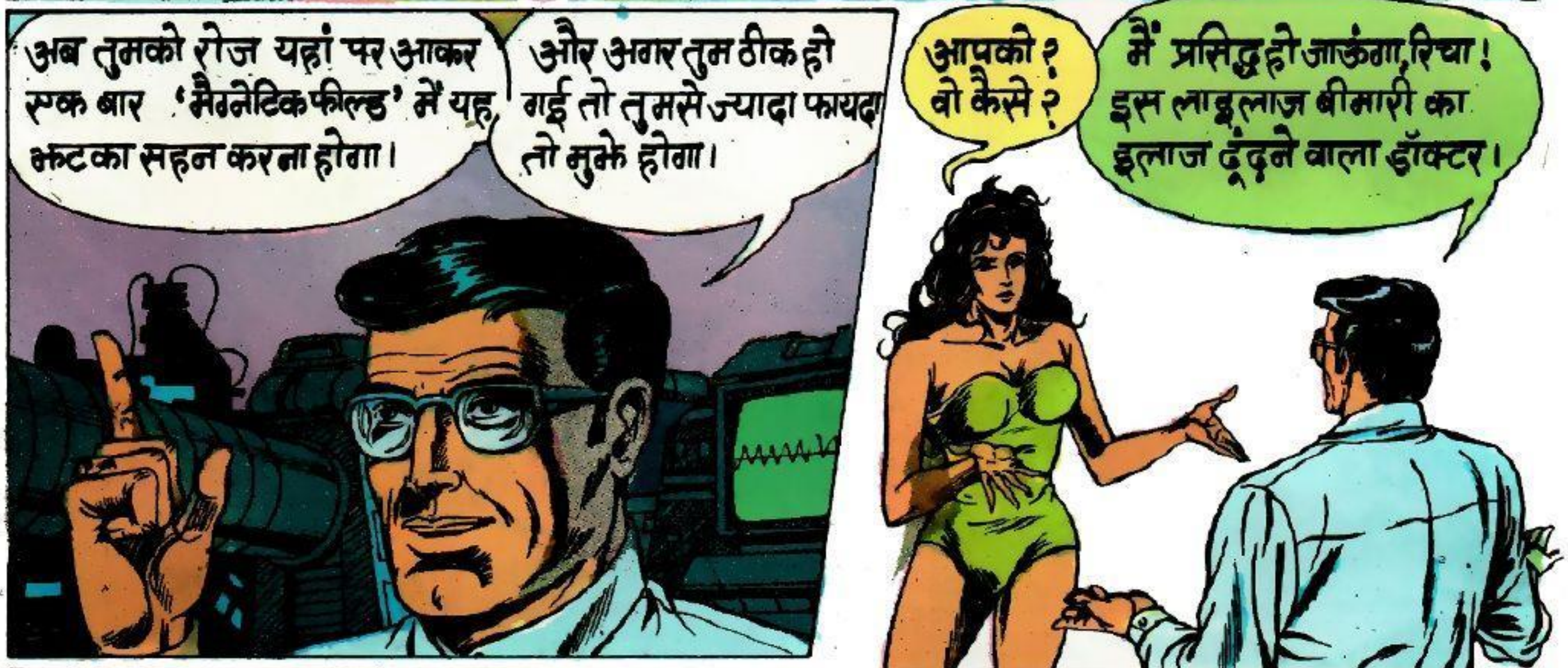
डॉक्टर शिल्डर!

हां, नताशा! मैं ही हूं, डॉक्टर शिल्डर।

और मैं बताता हूं कि रोबो, मेरियन को यहां पर लेकर क्यों आया है?

मेरियन?

हां! यही है तुम्हारी मां का नाम।

और मैं तुमको बताता हूं कि रोबो कौन था, मेरियन कौन थी••• और मैं कौन था!
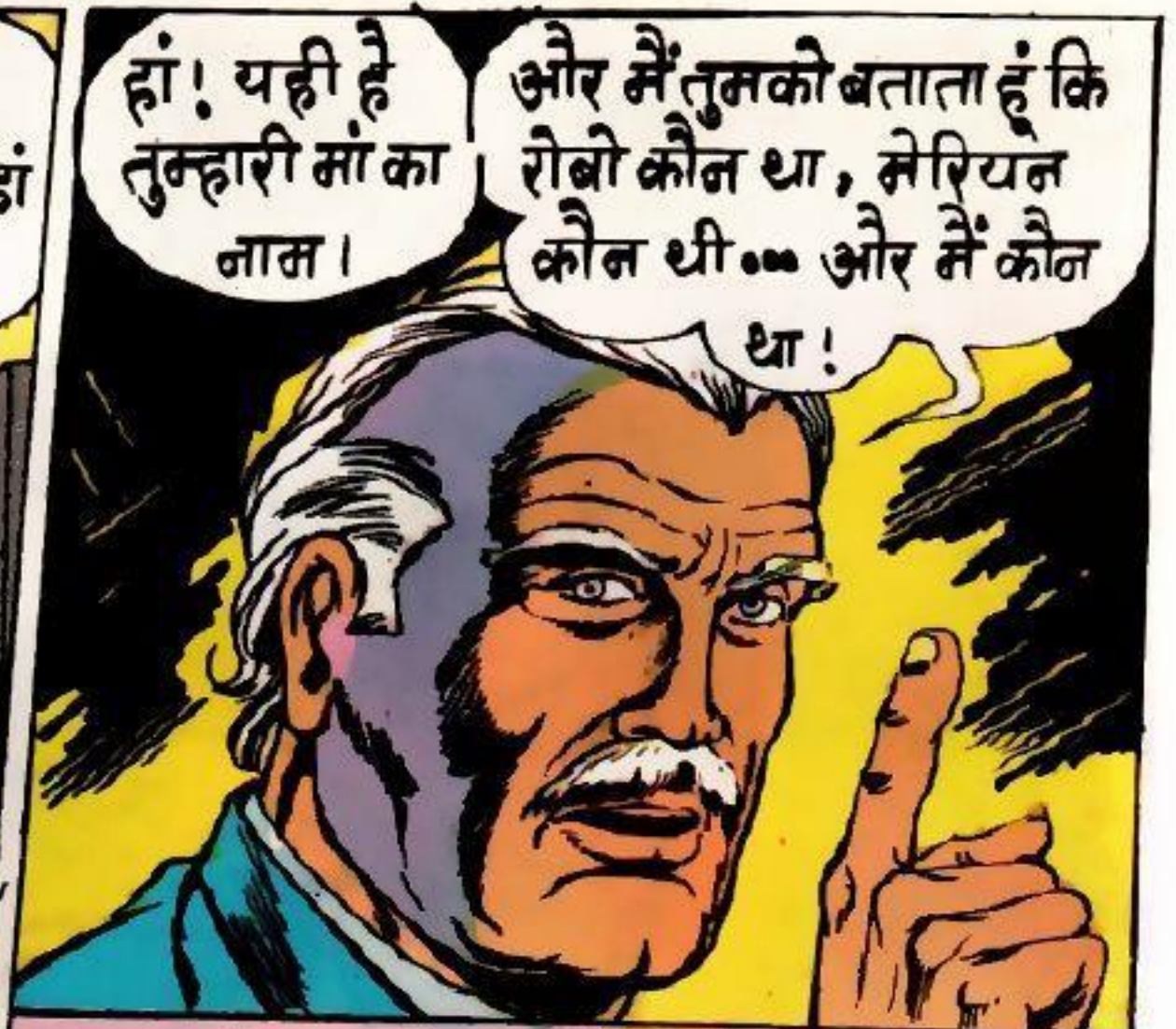
एक पुरानी कहानी शुरू होने को बेताब थी—

और दूसरी तरफ- एक नई कहानी जन्म ले रही थी—

ठंडे पानी की गहराइयों में मांटो को होश आ रहा था—

य••• यह मैं कहां पर हूं? मेरा दम क्यों घुट रहा है! ठंड क्यों लग रही है— ••• मैं पानी के अंदर हूं। समुद्र में।

मेरे हाथ-पैर बंधे हुए हैं। जबतक मैं इन फंदों से बाहर नहीं निकल आता तब तक मैं तैर कर बच नहीं सकता।

मांटो ने इतनी ताकत शायद कभी नहीं लगाई थी—
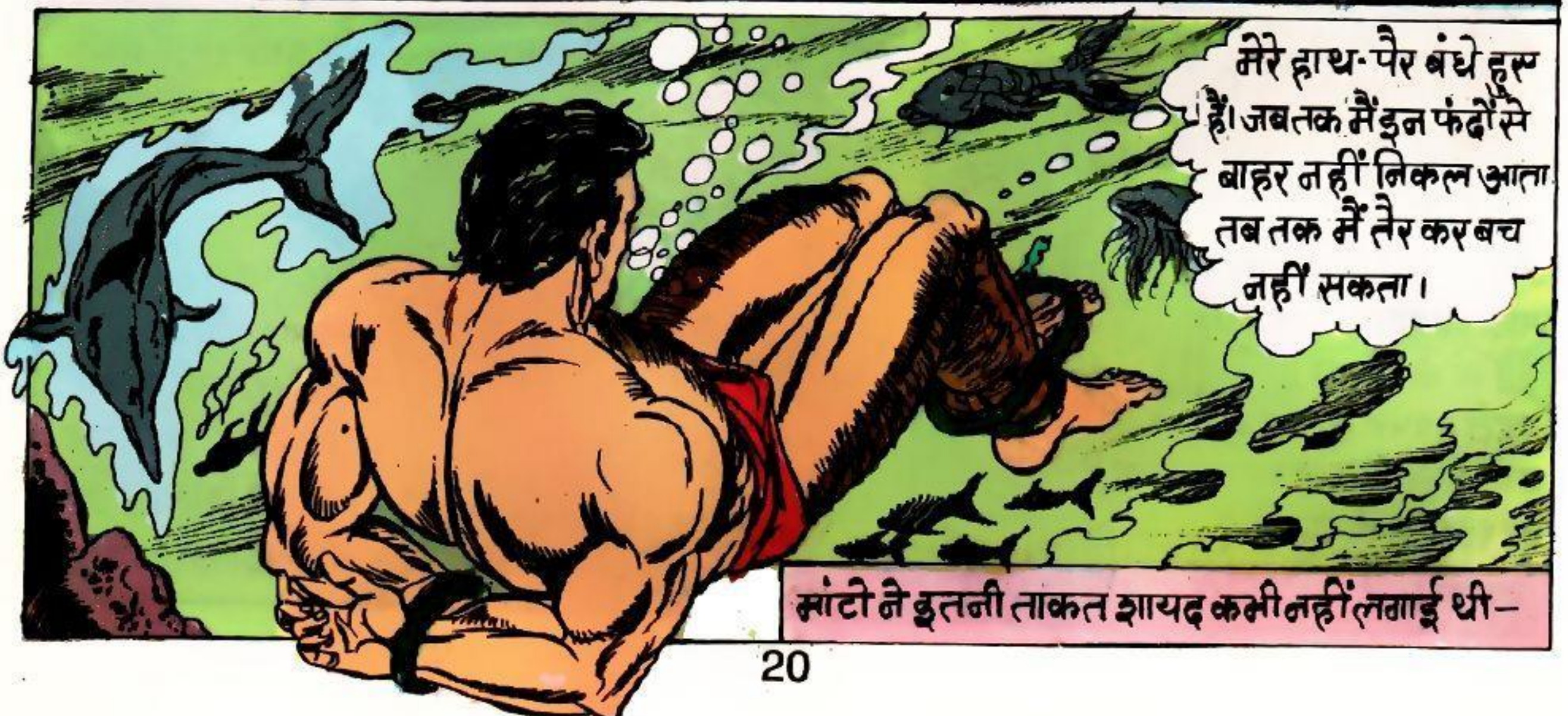
और पानी में अपने- आप गल जाने वाली रस्सियां भी कमजोर हो गई थीं-
बंधन खुल गए-
बंधन खुलने से भी कोई खास फायदा नहीं होगा। मैं पानी में काफी गहराई पर हूं...
...सतह तक पहुंचते-पहुंचते दम घुट जाएगा। फेफड़ों में हवा बहुत कम बची है...
...अब तो मौत होकर ही...
...अरे, मेरा हाथ किस चीज से लड़ रहा है। सपाट दीवार लग रही है। कुछ उभरा हुआ भी है। दब रहा है...
यह समुद्र में डूबा, क्यूसरी का स्पेश शिप था*...
...जिसके अंदर मांटो आ गिरा था-
मांटो के अंदर आते ही, शिप के ऑटोमैटिक पंपों ने पानी को बाहर निकालना शुरू कर दिया-
और पीछे रह गया आश्चर्यचकित मांटो-
कम्माल है। यह तो 'स्टार- वार्स' का सेट लगता है। जरूर किसी फिल्म के प्रोड्यूसर का सेट डूब गया होगा। खैर, मेरी तो इसने जान बचा ली। अब यहां से बाहर निकलना कितना आसान हो गया है!...

*पढ़ें- 'मौत के चेहरे'

कहानी 24वें पृष्ठ से जारी

- भारतीय संस्कृति की ज्ञान गंगा में नहाएं
- पौराणिक सम्पदा को अपने घर में सजाएं
- नई पीढ़ी के स्वर्णिम निर्माण के लिए पढ़ें और पढ़ाएं

राज चित्रकथा

की गौरवशाली बारह नई चित्रकथाएं
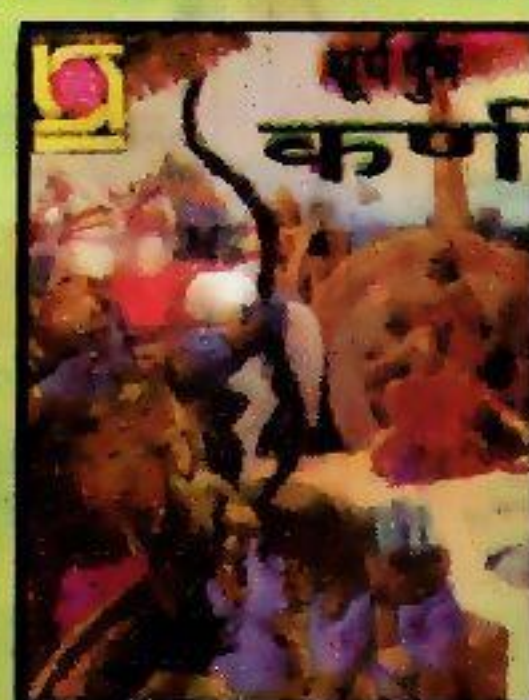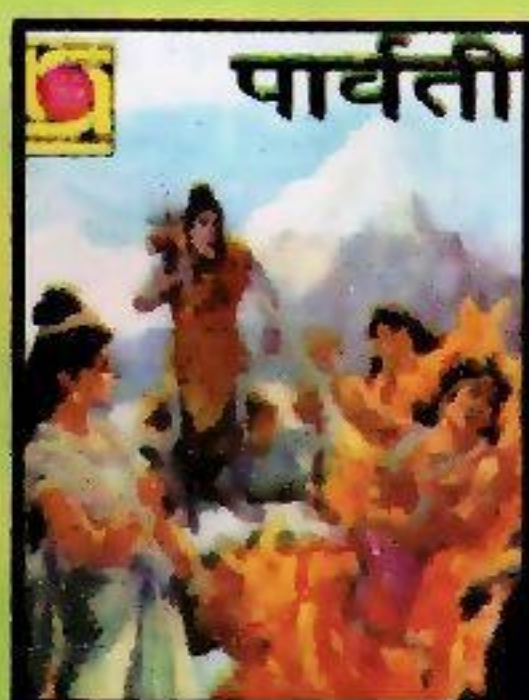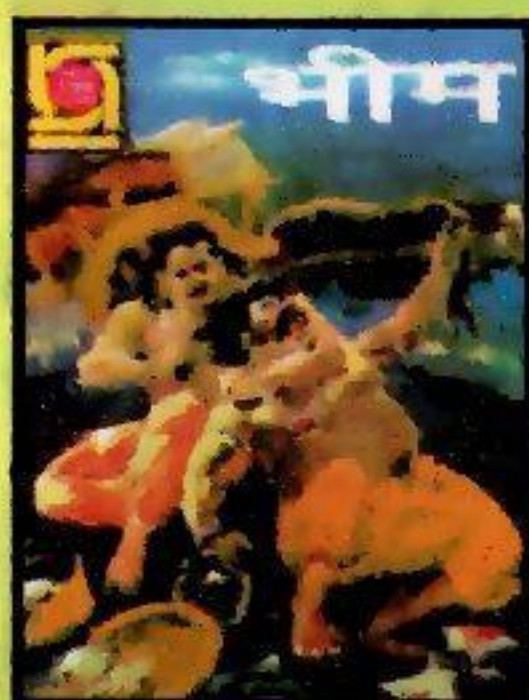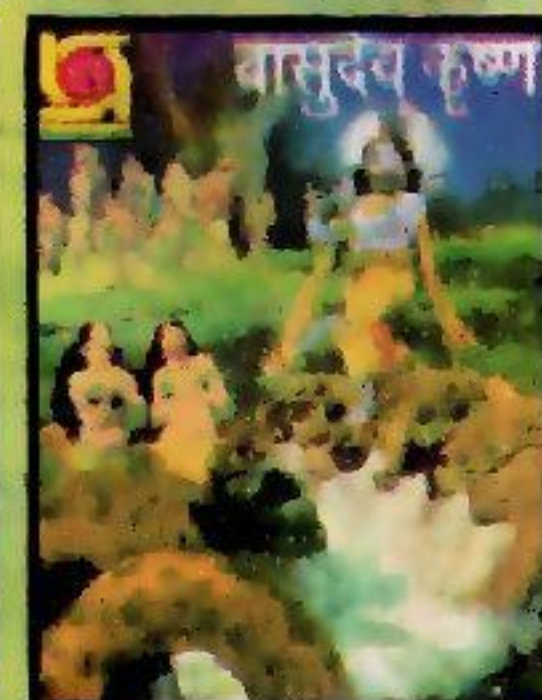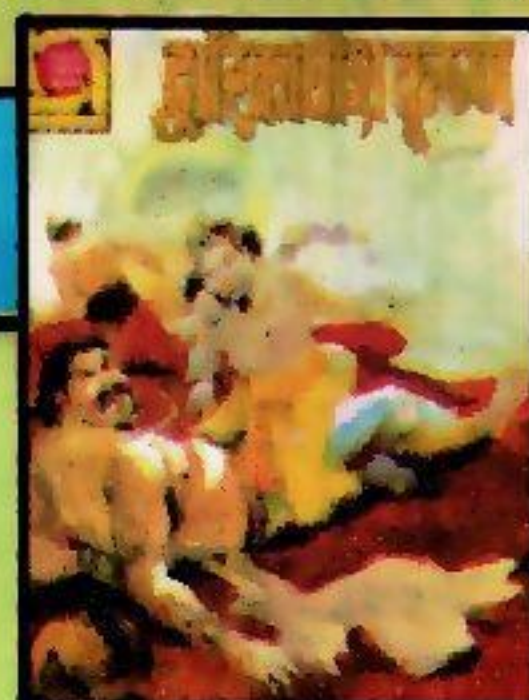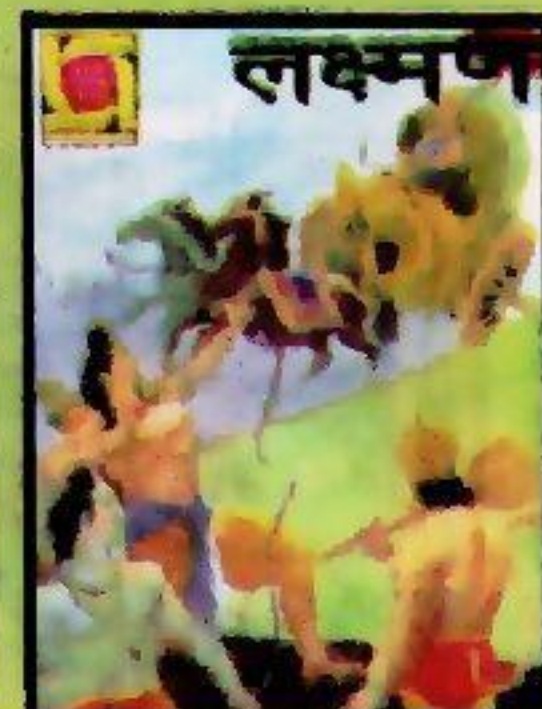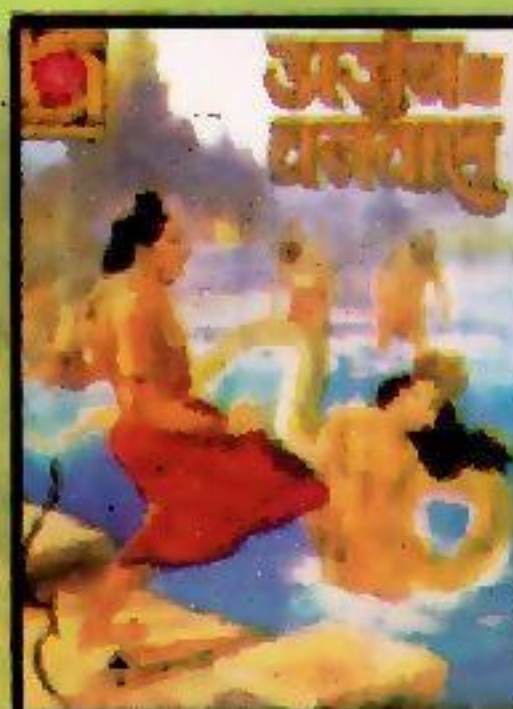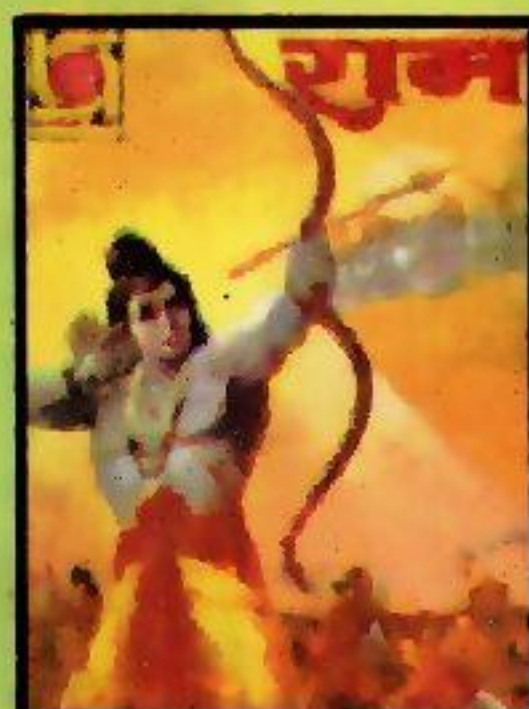
राम	द्वारिकाधीश कृष्ण
अर्जुन का बनवास	नीलकंठ शिव
लक्ष्मण	वासुदेव कृष्ण
भीम	सती
पार्वती	बलराम
सूर्यपुत्र कर्ण	पवनपुत्र हनुमान
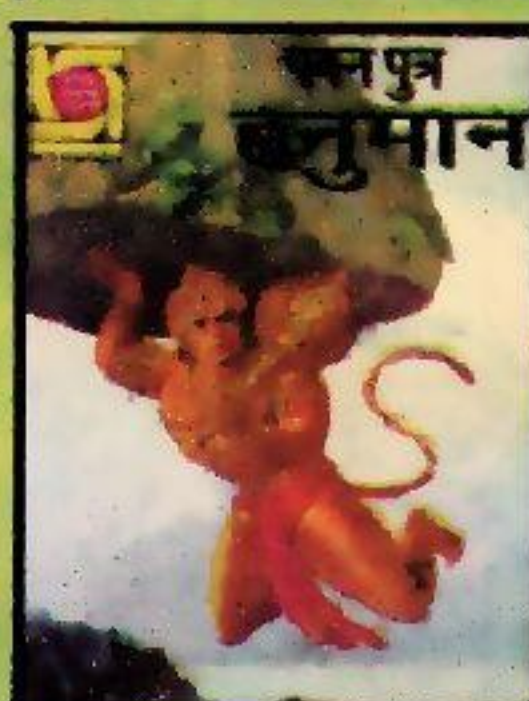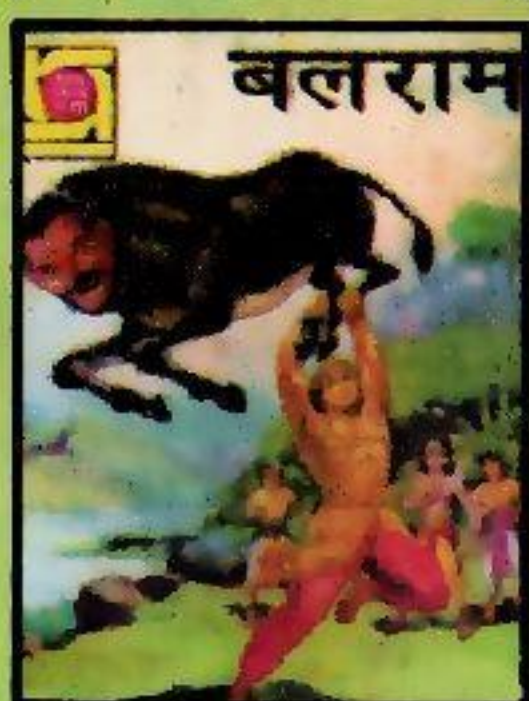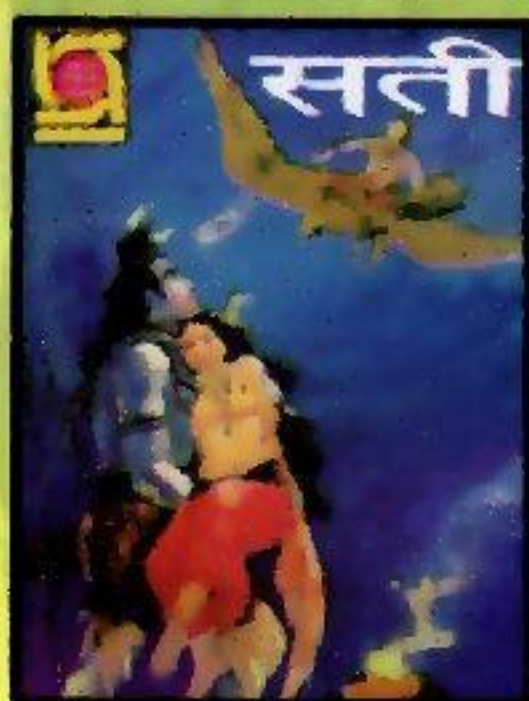
प्रत्येक का मूल्य 15/-

सभी चित्रकथाएं आपके शहर के समस्त बुक स्टालों पर उपलब्ध हैं । न मिलने पर कोई भी चार चित्रकथाएं मंगाने के लिए 60/- का मनीआर्डर निम्न पते पर भेजें। चारों चित्रकथाएं आपको रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा भेज दी जाएंगी । मनीआर्डर के निचले हिस्से पर कॉमिकों के नाम लिखकर भेजें ।

यह जरूर नताशा को फंसाने की चाल है। इससे पहले भी एक ऐसी कोशिश हो चुकी है। ☆
हो सकता है, ध्रुव। लेकिन फिलहाल तो नताशा से पूछ-ताछ करनी भी जरूरी है।
यह सब आप मुझे क्यों बता रहे हैं ?
क्योंकि आप कानून के रखवाले भी हैं, और नताशा के गहरे दोस्त भी। आप जरूर जानते होंगे कि इस वक्त नताशा कहां पर है ?...
...हम चाहते हैं कि नताशा को पकड़वाने में आप हमारी मदद करें।
ओफ़! यह तो न निगलते बने और न उगलते बने वाली बात हो गई है।
नताशा, अपनी जिन्दगी का रहस्य ढूंढ़ने में व्यस्त थी—
यह कहानी तब से शुरू होती है नताशा, जब तुम्हारा कहीं नामो-निशान तक न था...
... और न ही रोबो का।
इस वक्त अगर पापा यहां होते तो काम आसान हो जाता...
... लेकिन उनको भी इसी वक्त जरूरी काम से दिल्ली जाना था।
खैर! इतना तो पक्का है कि नताशा को ढूंढ़ना ही पड़ेगा।

☆ पढ़िए - ब्लैक कैट।

थे तो बस मैं और मेरियन। हम दोनों मेडिकल कॉलेज में एक साथ ही पढ़ते थे। आपस में गहरे दोस्त भी थे, एक दूसरे से बेइन्तहा प्यार भी करते थे, और शादी करने का इरादा भी रखते थे–

EDICAL COLLEGE

मेरियन को प्लास्टिक सर्जरी में दिलचस्पी थी–

और मुझे रोबोटिक्स में। यानी कृत्रिम मशीनी अंगों का प्रत्यारोपण करने में–
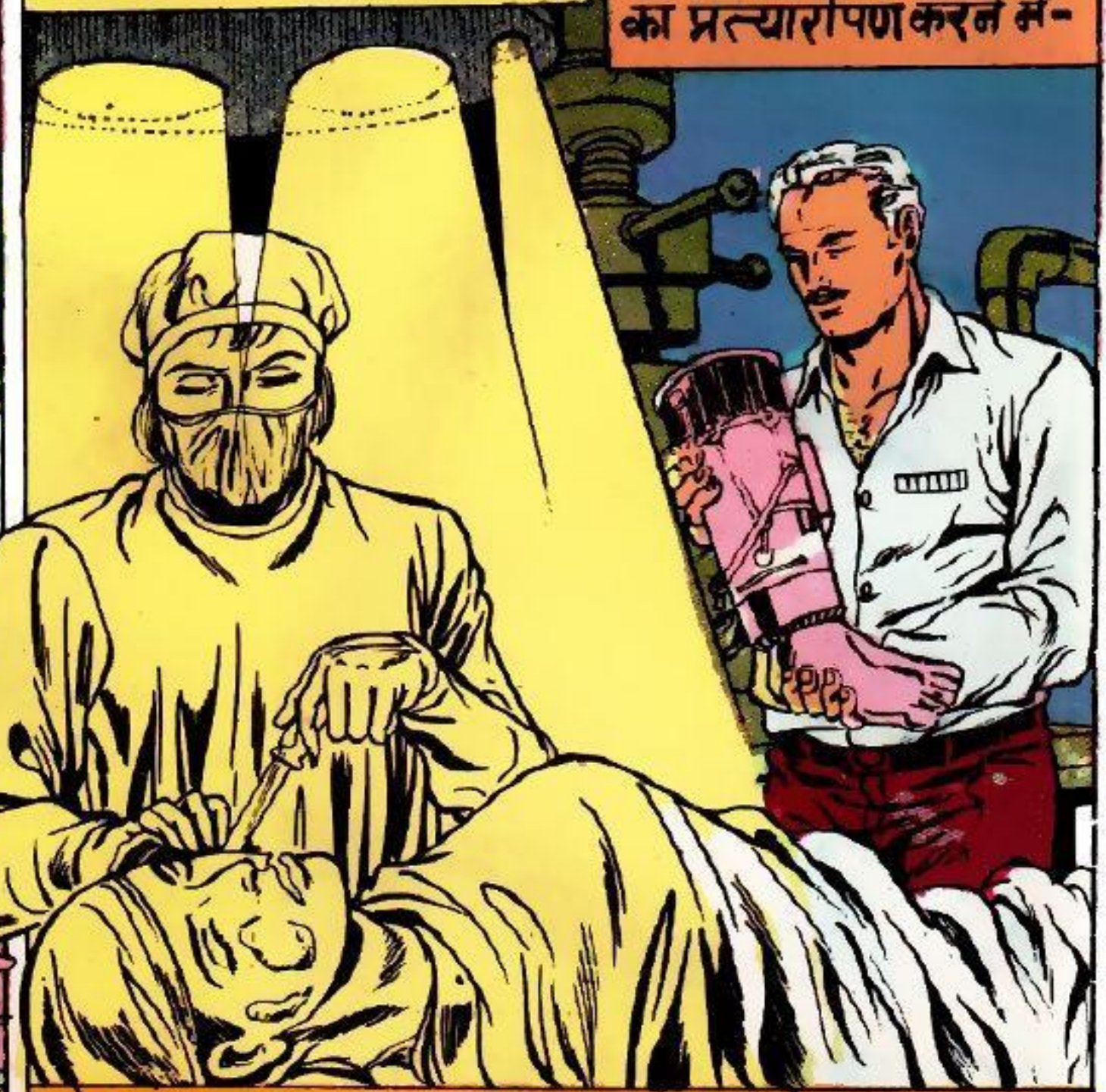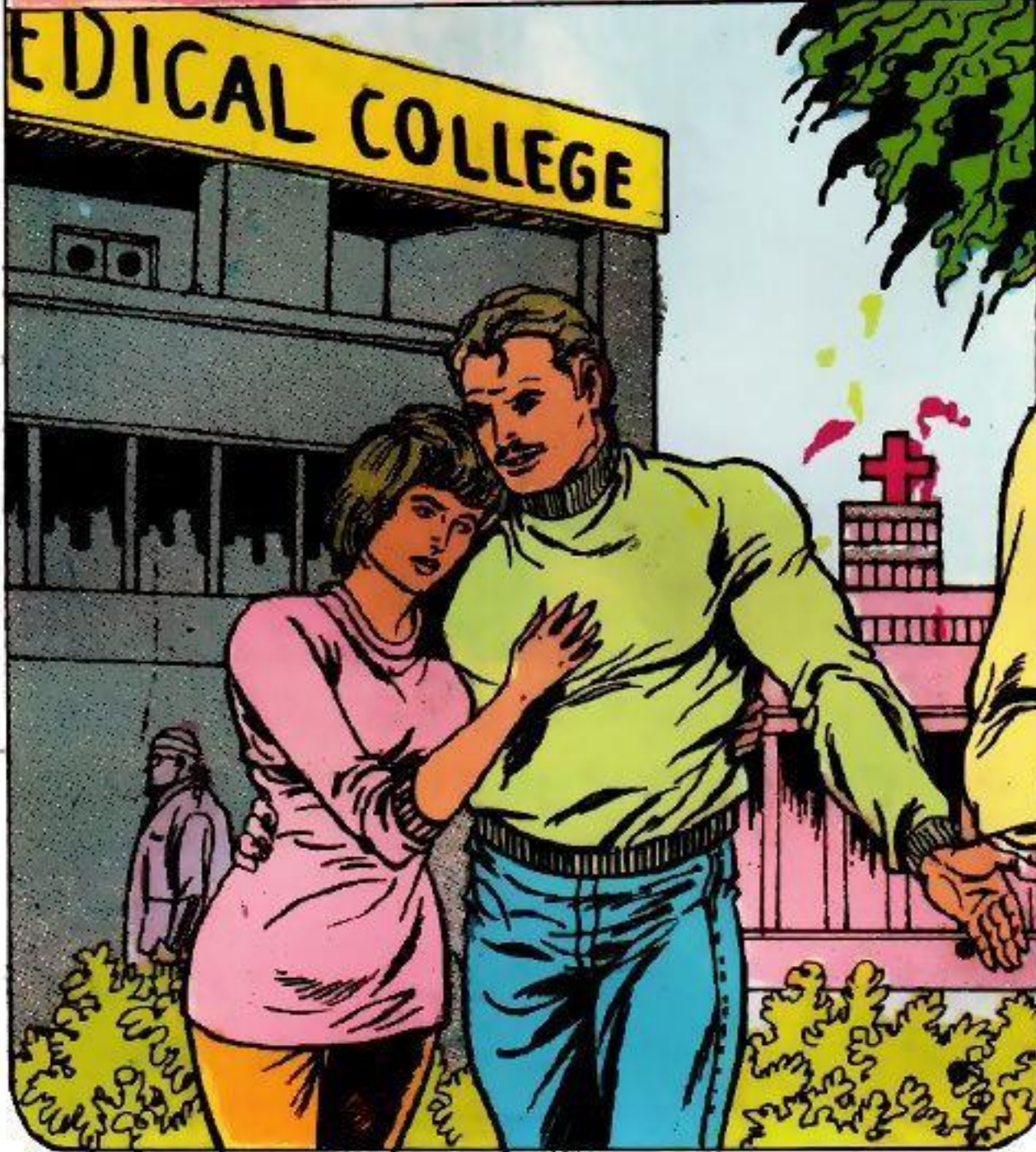
हम दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र के माहिर डॉक्टर थे–

और इस कारण हमको अपनी प्रेक्टिस जमाने में ज्यादा वक्त नहीं लगा–

पहला शिल्डर नर्सिंग होम आज से बीस साल पहले इंग्लेंड में खोला गया–

SCHILDERS
Nursing Home
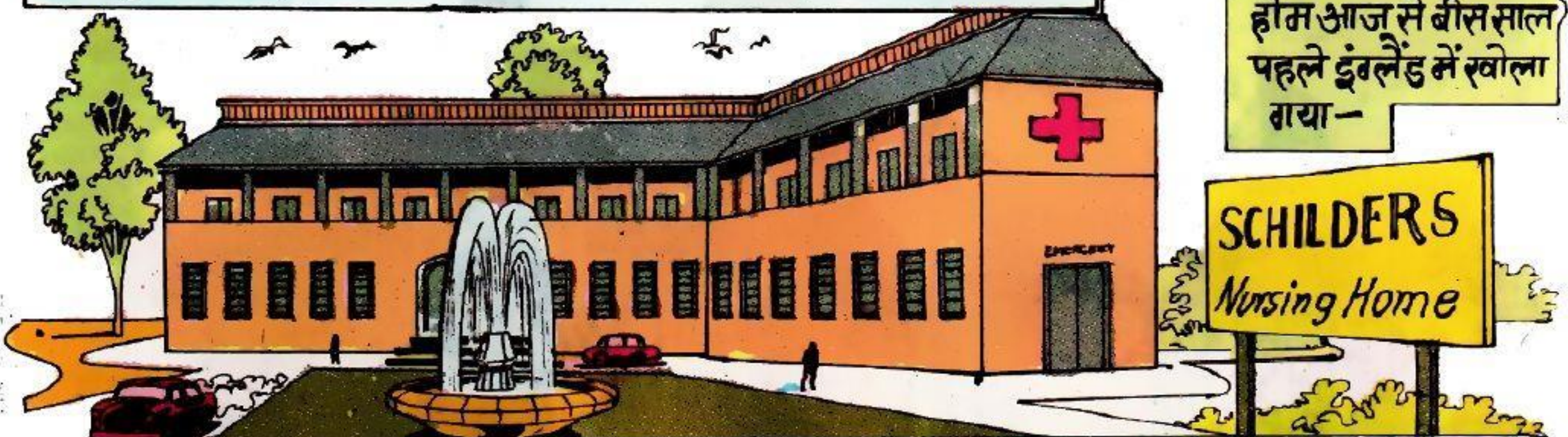
और उसके पहले मरीजों में से एक था, रॉबर्ट शीन–

जिसको आज की दुनिया ग्रैंडमास्टर रोबो के नाम से जानती है–

उस वक्त की पुलिस फाइलों के अनुसार रार्बट शीन एक जिन्दादिल लड़का था। एनर्जी बहुत थी उसमें—
DATA 13
ROBERT SHEEN
लेकिन जब उसे उस एनर्जी को निकालने का कोई रास्ता न मिला तो वह अपराध की तरफ मुड़ गया—
अपराध तो वह छोटे-मोटे ही करता था, लेकिन उसकी निडरता और जांबाजी के कारण कई लोकल अपराधी उसको अपना गुरू मानने लगे थे—
और यही निडरता, उसके लिए मौत का कारण बन गई—
ये इस एरिया के माफिया चीफ गॉड-फादर एल साल्वानो हैं राबर्ट!
ये चाहते हैं कि तुम इनके लिए काम करो! और अपने गैंग को इनके गैंग से मिला दो। तुमको...
रॉबर्ट किसी के लिए काम नहीं करता।
शेरों के ऊपर भला कौन हुकूमत कर पाया है।
आदमी खतरनाक लगता है, साल्वानो!
अभी तो नहीं, लेकिन भविष्य में यह हमारे लिए खतरनाक बन सकता है
...इसलिए मिटा दो इसको और इसके टुटपुंजिया गैंग को। ऐसी मौत मारो इन्हें जो औरों के लिए भी सबक साबित हो सके। जाओ!
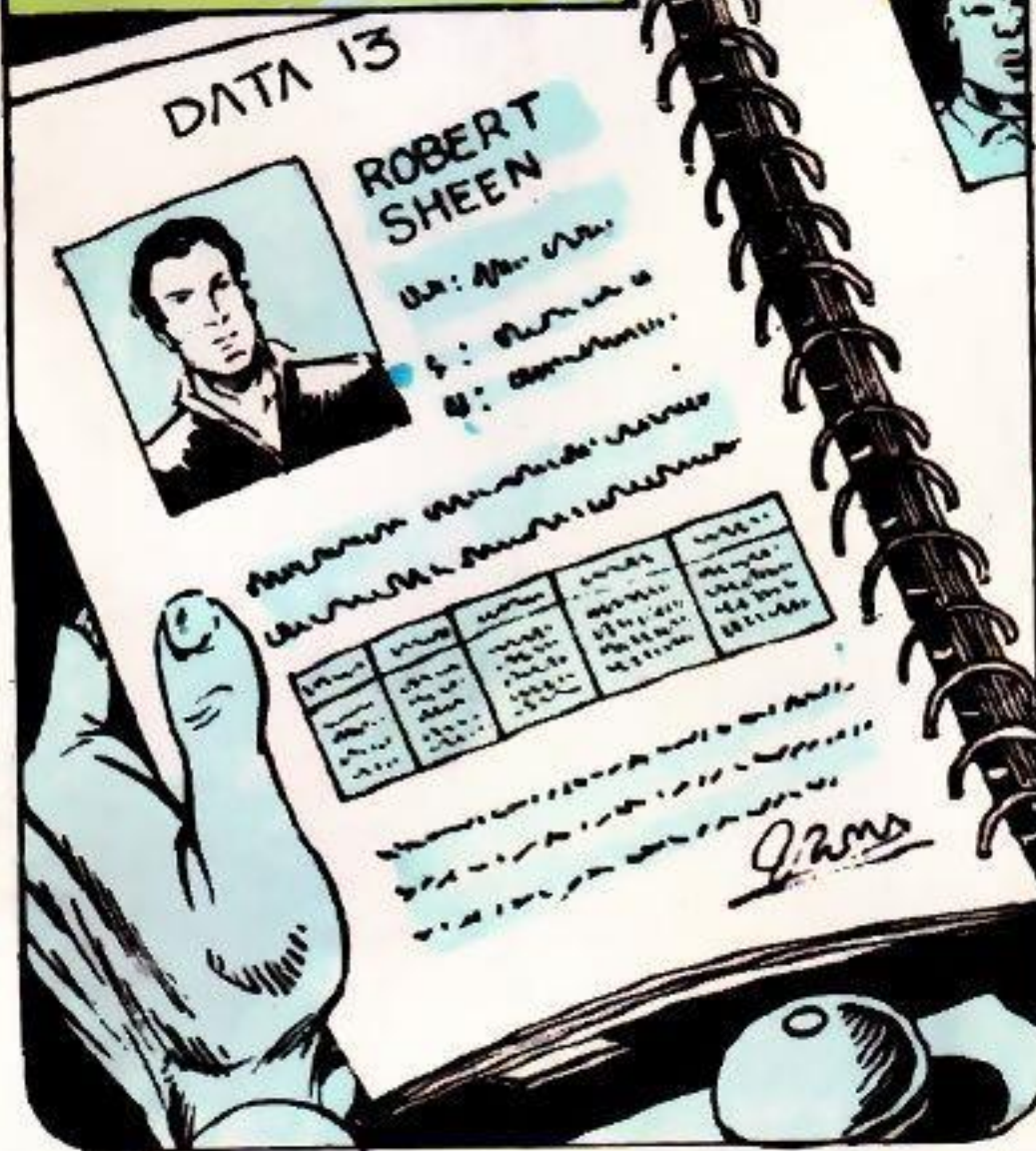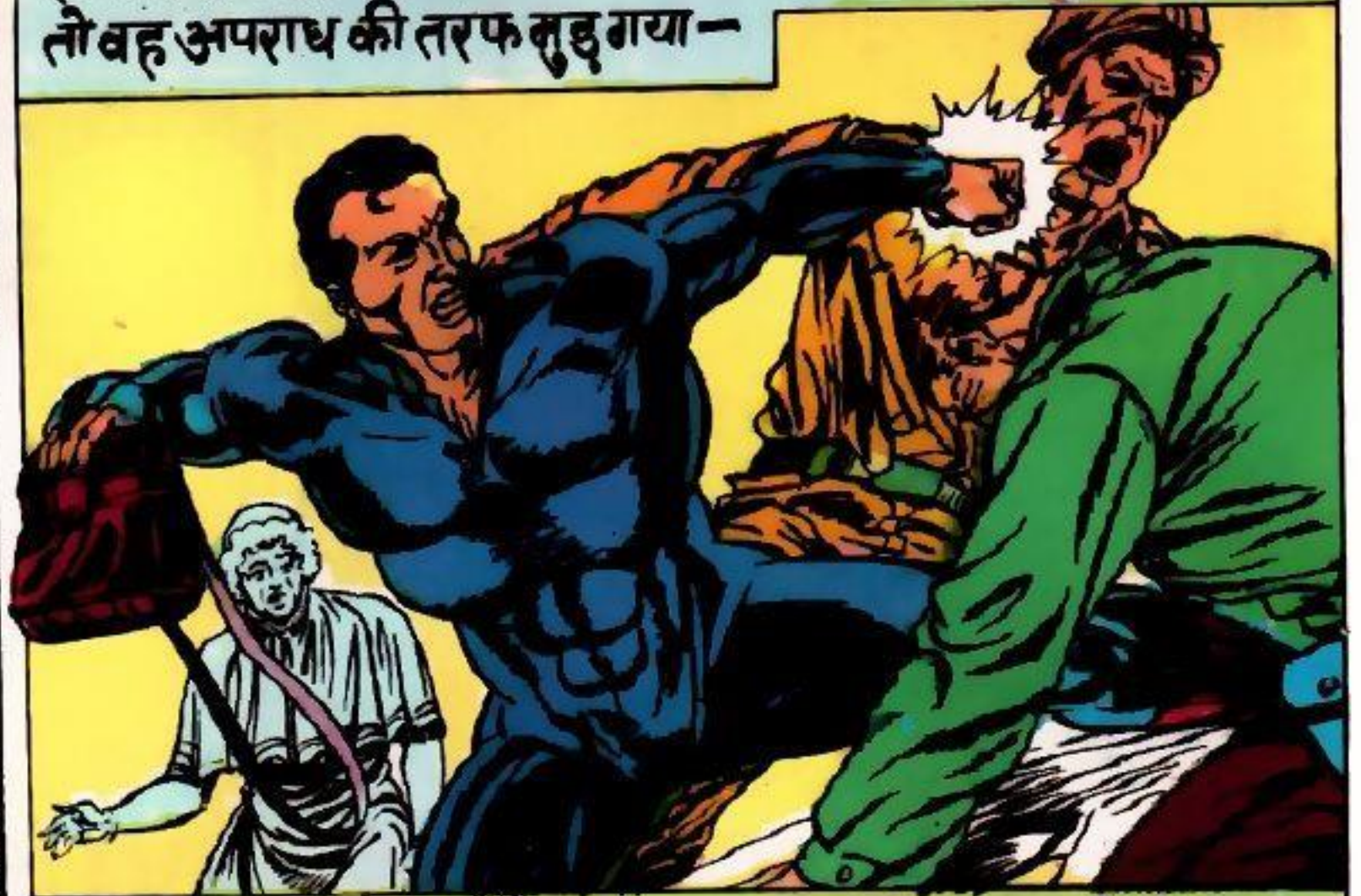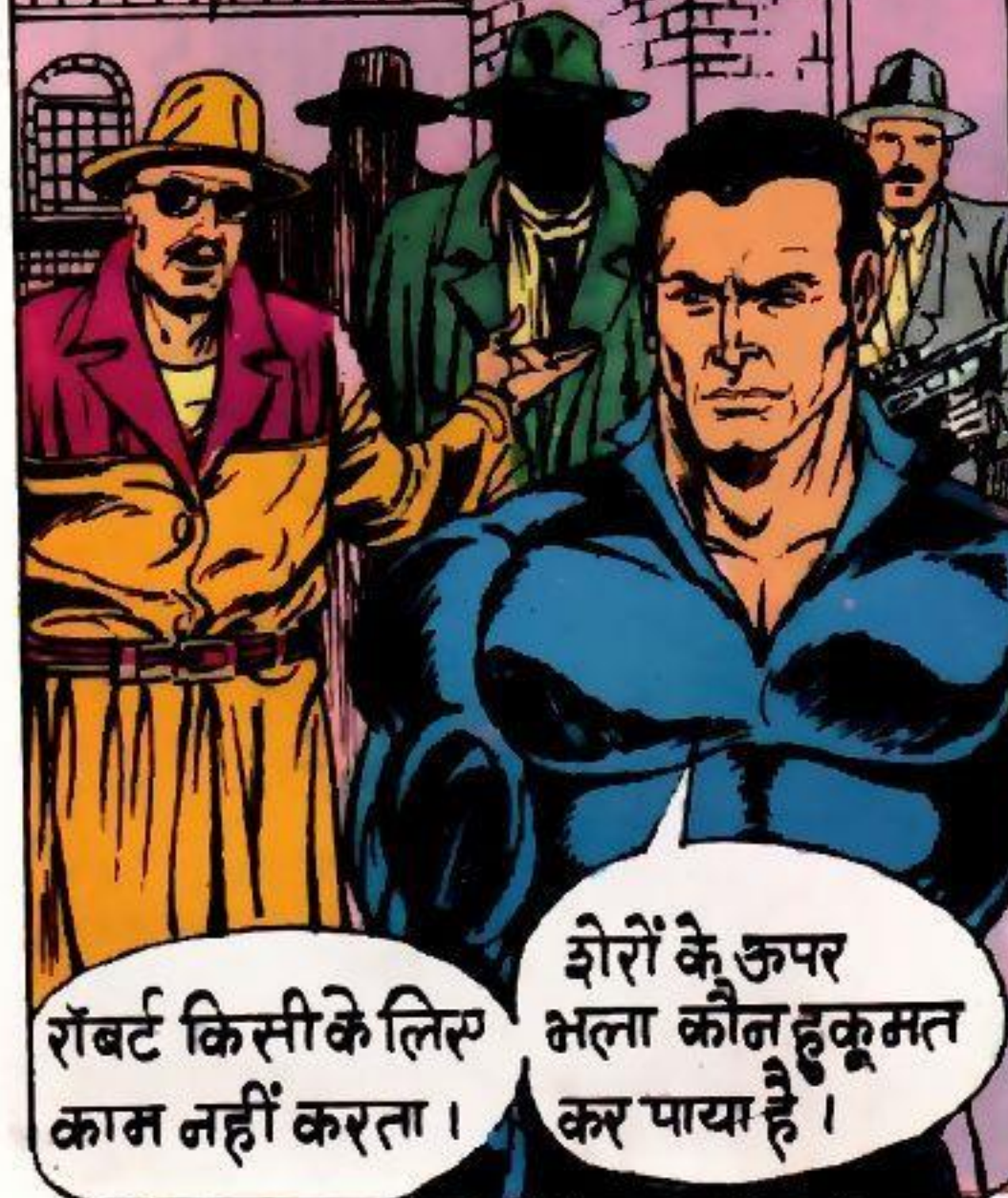
और फिर खून की होली खेली गई-
साल्वानो के अत्याधुनिक हथियारों से लैस आदमियों ने रॉबर्ट गैंग के अड्डे पर बिना चेतावनी के धावा बोल दिया-
रॉबर्ट गैंग के सदस्य इसके लिए तैयार नहीं थे-
वे बकरों की तरह काट डाले गए-
हाऽऽऽह!
सिर्फ एक ही आदमी, सिर्फ एक पिस्तौल के जरिए उस फौज का मुकाबला कर रहा था-
धांय धांय
यह आदमी था रॉबर्ट शील-
अचूक निशानेबाज-
जिसकी हर गोली अपना शिकार तलाश करती जा रही थी-
फच्च
च्च

साल्वानो के आदमियों की तादाद तेजी से कम होती जा रही थी-
और पिस्तौल की गोलियां खत्म होने के बाद भी, साल्वानो के आदमियों की तादाद कम होने में कोई रुकावट नहीं आई थी-
तड़ाक
एक अकेला आदमी साल्वानो के लिए खतरा बनता जा रहा था-
लेकिन साल्वानो के पास बंदूकों के अलावा और भी शस्त्र थे-
ऐसे हथियार-
जिनको निशाने पर फेंकने की जरूरत नहीं पड़ती-
वे अपना निशाना अपने-आप ढूंढ लेते हैं।
धड़ाम म म म म

रॉबर्ट शीन को जब मैंने पहली बार देखा, तब वह उसी हालत में था। हथगोले से बुरी तरह घायल।
उसका शरीर बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो चुका था। बचने की उम्मीद नहीं थी-
और इसी कारण मुझको इलाज का वह तरीका अपनाने पर मजबूर होना पड़ा, जिसे अब तक टेस्ट भी नहीं किया जा सका था-
कृत्रिम मशीनी अंगों के प्रत्यारोपण का तरीका-
और इस तरह रॉबर्ट शीन बन गया... रोबो।
ऑपरेशन सफल रहा-
अब हमको इंतजार था, ऑपरेशन के नतीजे का-
क्योंकि हमको पता नहीं था कि कृत्रिम मशीनी अंगों का प्रत्यारोपण रॉबर्ट पर क्या असर डालेगा-

शुरुआत अच्छी भी थी, और खराब भी-
रॉबर्ट का शरीर मशीनी अंगों को ग्रहण कर रहा था-
लेकिन साथ ही साथ रॉबर्ट चिड़चिड़ा भी होता जा रहा था। एक... क्रूरता सी झलकने लगी थी उसकी आंखों में-
हॉस्पिटल का स्टॉफ भी उसके पास जाने में घबराने लगा था-
रॉबर्ट की किसी पर भी भरोसा नहीं रह गया था-
और इसका एक ही कारण हो सकता था। शरीर में मशीनी अंगों का लगाना-
मशीनी अंगों ने उसके शरीर में कुछ खास हारमोन्स की कमी पैदा कर दी थी-
जिसके कारण वह क्रूर से क्रूरतम होता जा रहा था-
यह गलती मेरी थी, जिसने रॉबर्ट की जिन्दगी बिगाड़कर रख दी थी-
और उस गलती को सुधारने का मेरे सामने सिर्फ एक ही रास्ता था-
मेरियन-

सिर्फ मेरियन ही एक ऐसी शख्स थी, जिसको देखकर रॉबर्ट के चेहरे पर मुस्कान आ जाती थी-
इसलिए हमने आपस में यही तय किया कि, मेरियन ही रोबो की देखभाल करे-
मेरियन भी मान गई। क्योंकि यह सिर्फ थोड़े दिनों की ही तो बात थी-
लेकिन दिन बीतने के साथ-साथ रॉबर्ट का, मेरियन के प्रति प्यार का पागलपन बढ़ता गया-
और उस दिन तो हद ही गई, जिस दिन रॉबर्ट उर्फ रोबो ने एक जूनियर डॉक्टर को सिर्फ इसलिए ऊपर से नीचे फेंक दिया, क्योंकि उसने मेरियन से ऊंची आवाज में बात की थी-
अगले ही दिन, वह एक नर्स पर सर्जिकल छुरी लेकर दौड़ पड़ा-
अगर मेरियन ने उसे न रोका होता तो नर्स जान से हाथ धो बैठती-
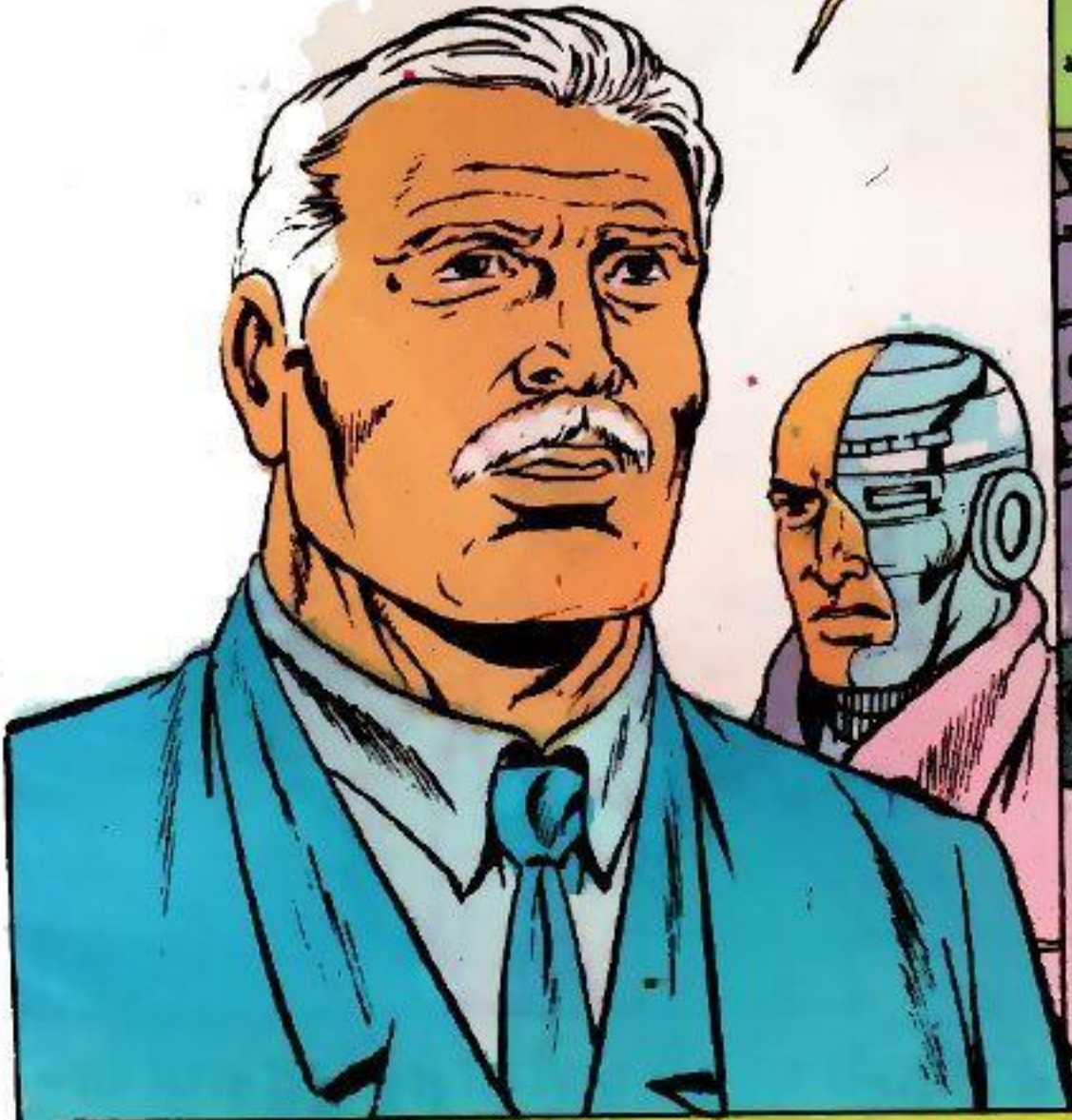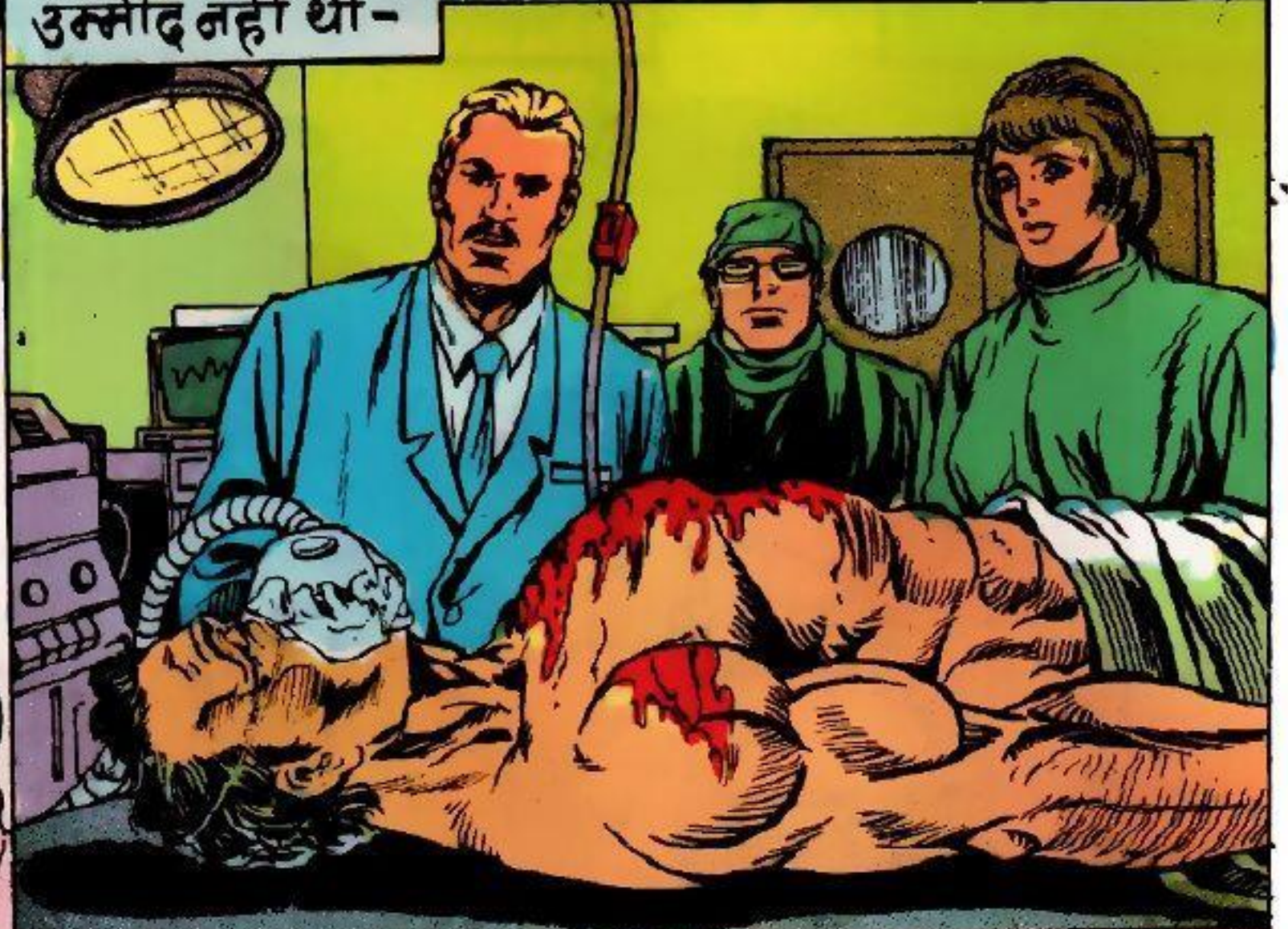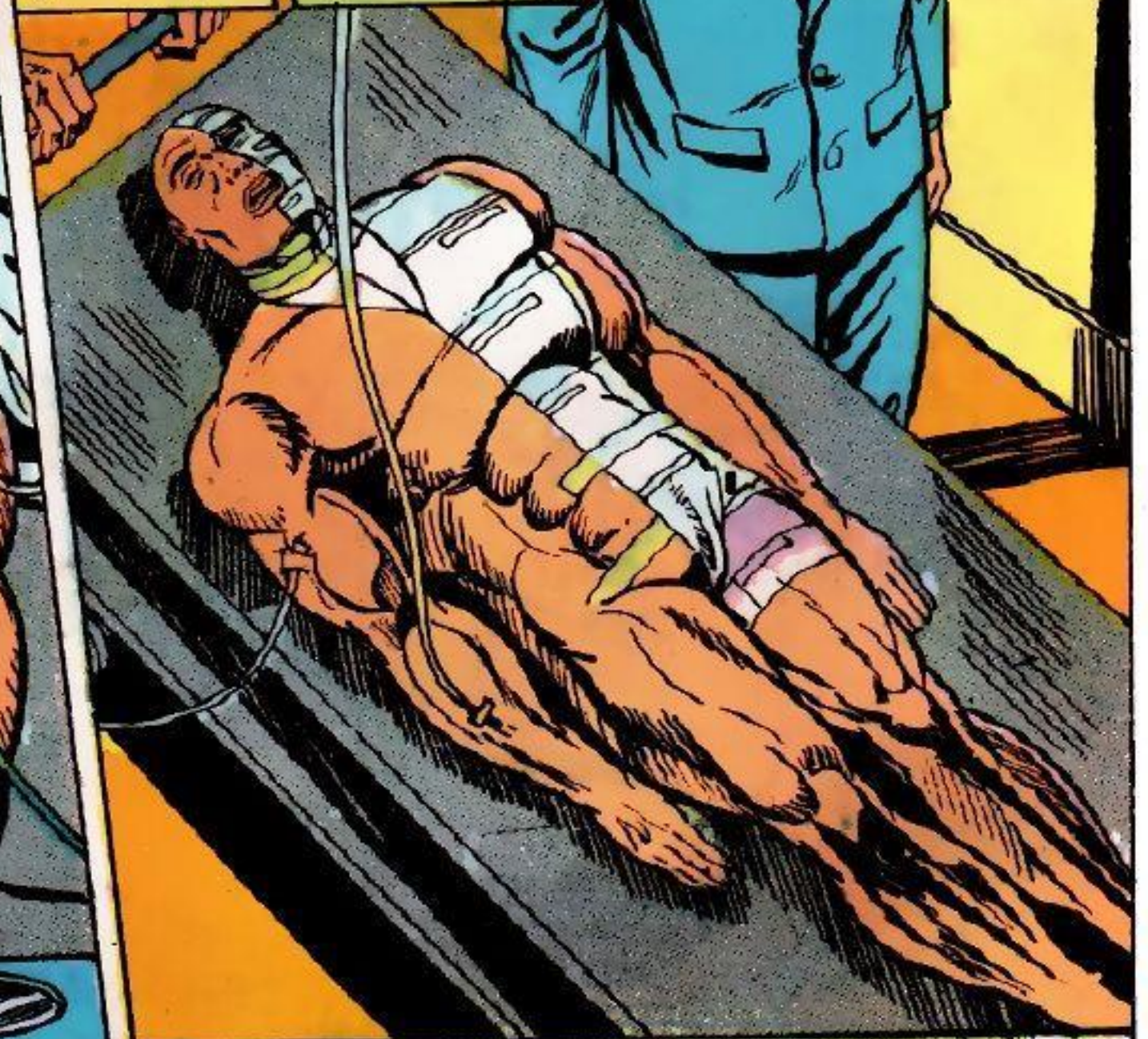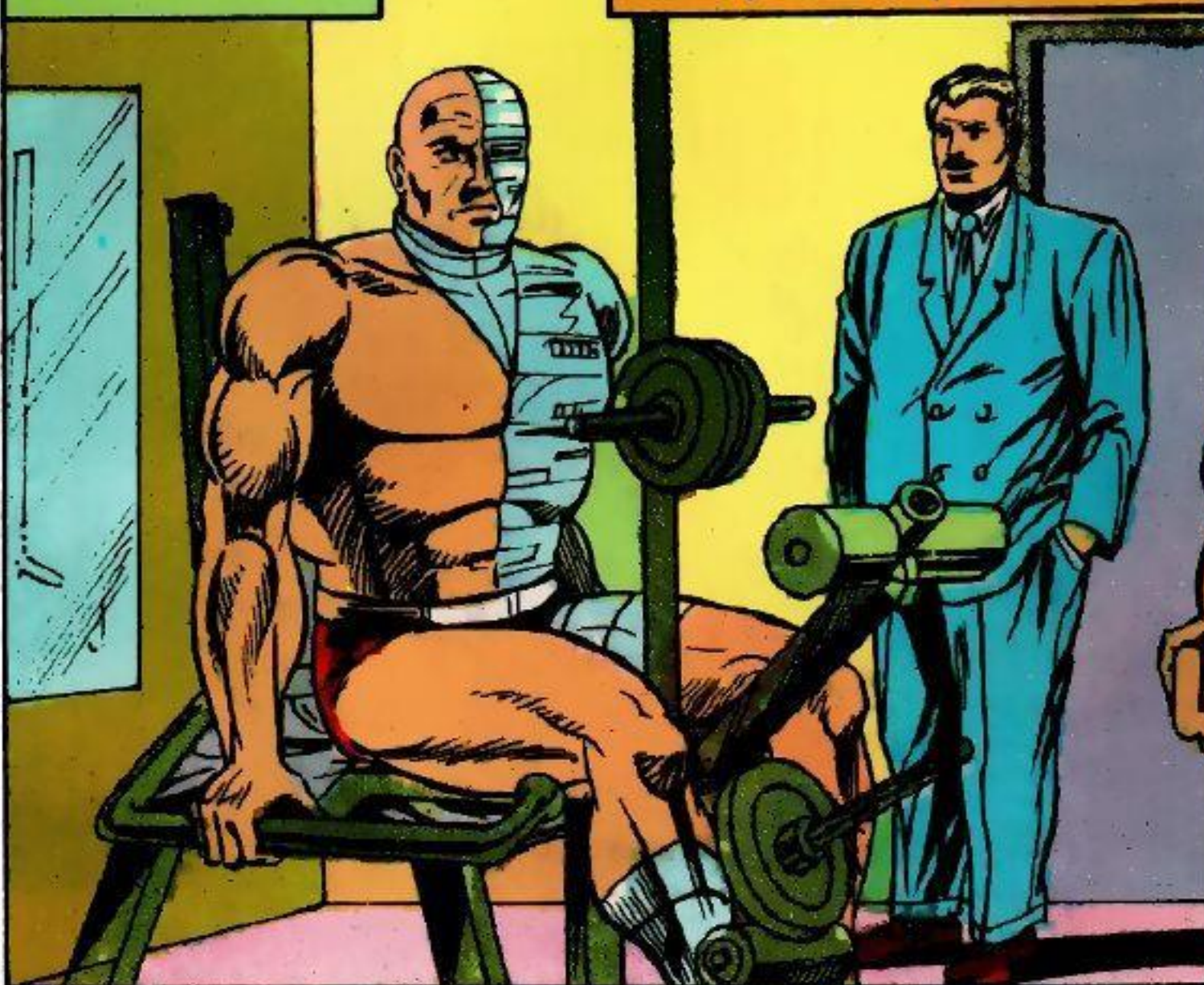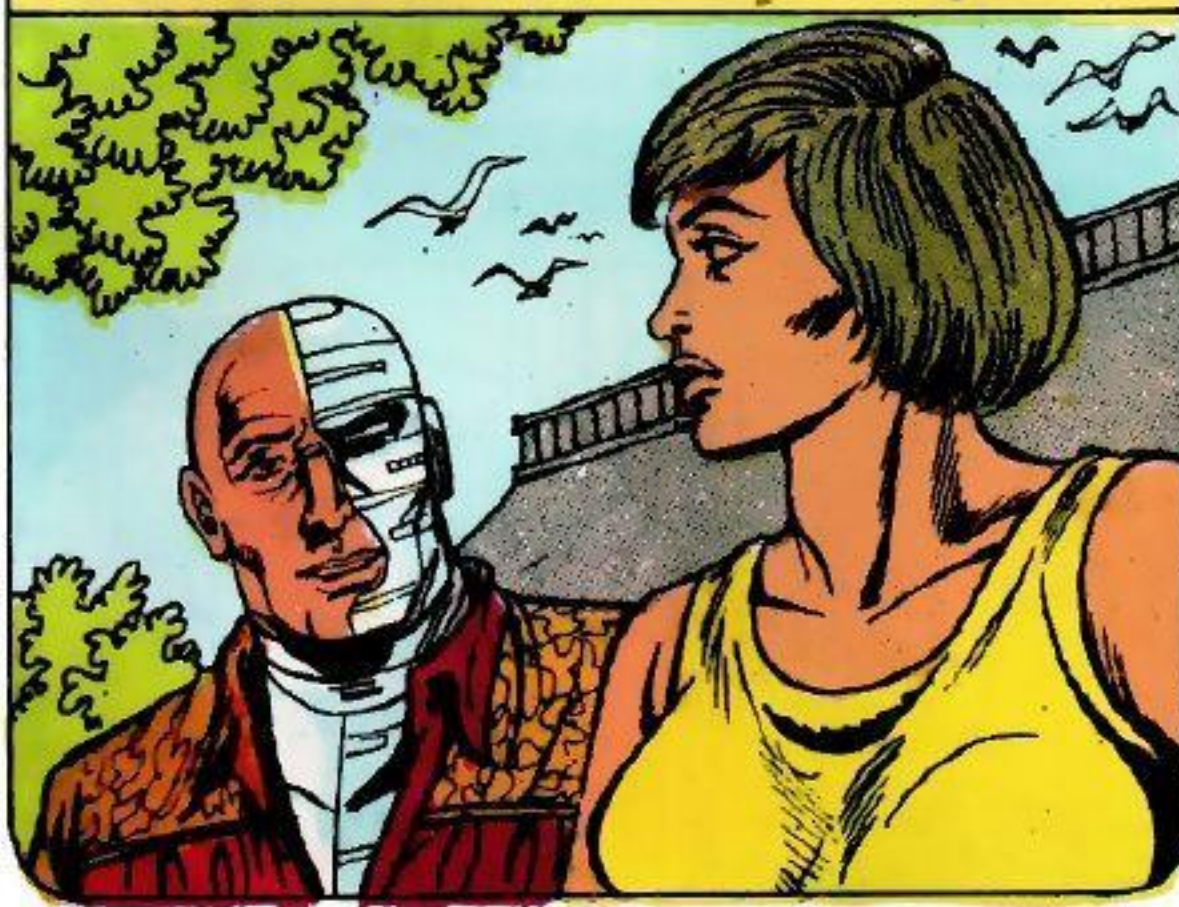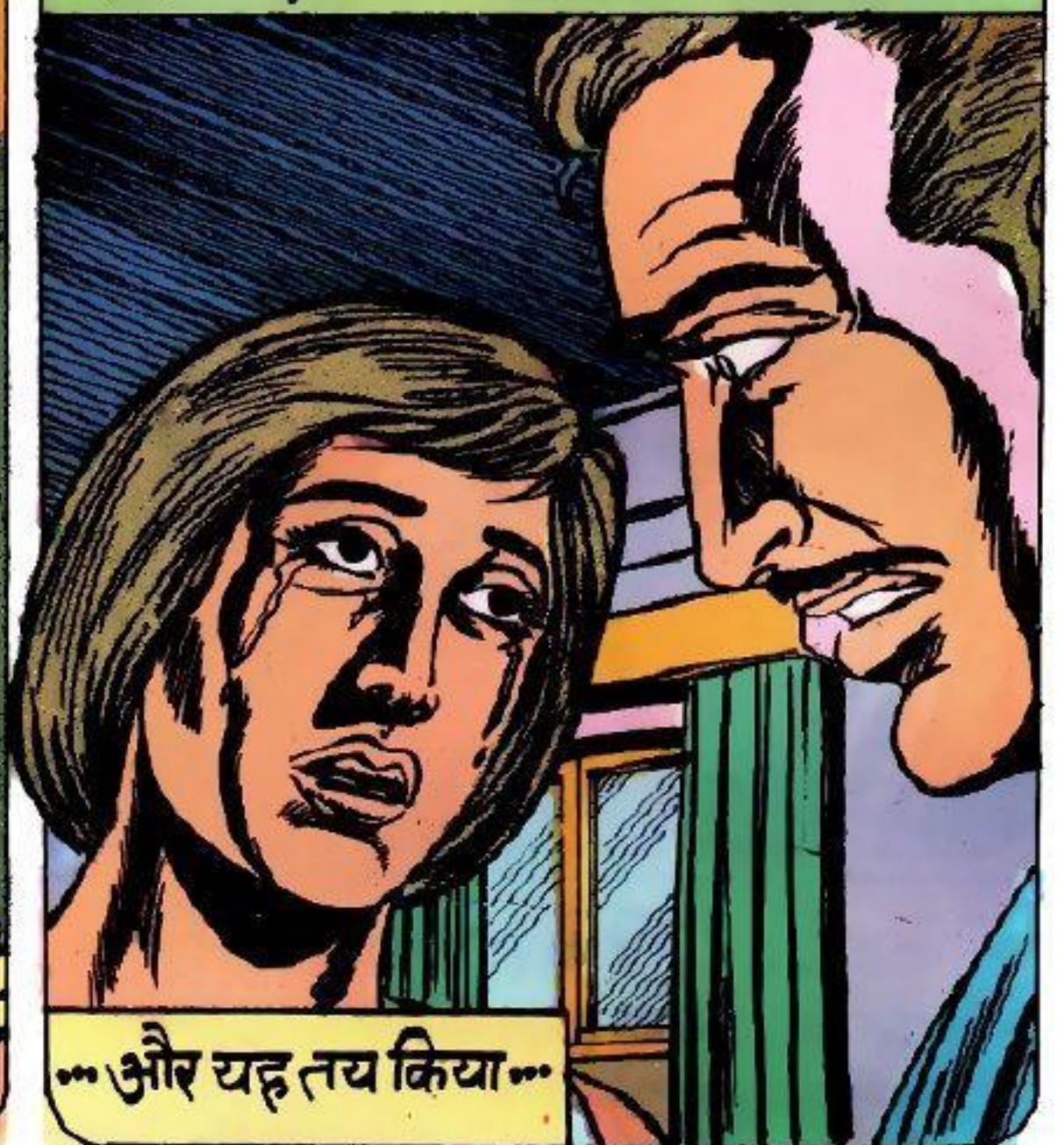
...कि रोबो और मेरियन की शादी करा दी जाए-

ताकि रॉबर्ट की आदतों पर जिन्दगी भर के लिए अंकुश लगाया जा सके-

अब मैं तुमको पति-पत्नी घोषित करता हूं रॉबर्ट ग्रीन और मेरियन कोल।

लेकिन यह उम्मीद भी जल्द ही टूट गई-

शादी होने के बाद रोबो ने पहला काम किया... साल्वानो की नृशंस हत्या का-

और वह उसी हालत में घर भी वापस आ गया –

यह खून किसका है, रॉबर्ट?

य... यह खून! यह तो... एक आदमी का एक्सीडेंट हो गया था...

...उसी को अस्पताल पहुंचाकर आ रहा हूं। बहुत खून निकल रहा था उसके। शायद वही हाथों में लग गया।

अगले दिन का पेपर पढ़ते ही मेरियन समझ गई कि क्या हुआ होगा –

MAFIA BOSS KILLED

लेकिन उसने यही समझा कि यह हत्या रॉबर्ट ने प्रतिशोध के लिए की है। अब आगे से वह ऐसा कभी नहीं करेगा –

लेकिन यह उम्मीद भी गलत साबित हुई। मेरियन से छुपाते हुए रोबो के कदम, अपराध की दुनिया में और गहरे होते चले गए।

और वह रॉबर्ट से बन गया... ग्रैंडमास्टर रोबो...

मेरियन से अब और बर्दाश्त नहीं हो सका...

...वह गर्भवती अवस्था में रोबो का घर छोड़कर अपने मायके चली गई –

और वहीं पर उसने एक पुत्री को जन्म दिया –

उस बच्ची का नाम रखा गया... नताशा –

तुम ही वह बच्ची थी, नताशा!
फिर मैं मां से अलग कैसे हो गई ?
आगे की कहानी तुम रोबो से खुद ही सुन लो, नताशा।
मुझे मेरियन पर कुछ और टेस्ट करने हैं।

रोबो की कहानी शुरू होने वाली थी –
और किसी की जिन्दगी की कहानी खत्म –
बराबर-बराबर पैसे बांट न!
ये तेरी कमाई के पैसे थोड़ी न हैं। ये तो मांटो के पर्स के पैसे हैं। जरा दिल खोल कर बांट।

दिल तो मैं तुम लोगों के खोल ही दूंगा।
हैं! कौन है बे?
किसकी मौत...
धनाक

...आई है?
ट्रिंग ट्रिंग
तुम लोगों की! फोन उठा!

ठीक इसी वक्त – ध्रुव, नताशा की तलाश कर रहा था –
कमाल है! नताशा तो एकदम गायब ही गई।
लेकिन इस एरिया के थाने से एक बात पता चली है कि कुछ रात पहले नताशा वहां पर रिपोर्ट लिखवाने गई थी...
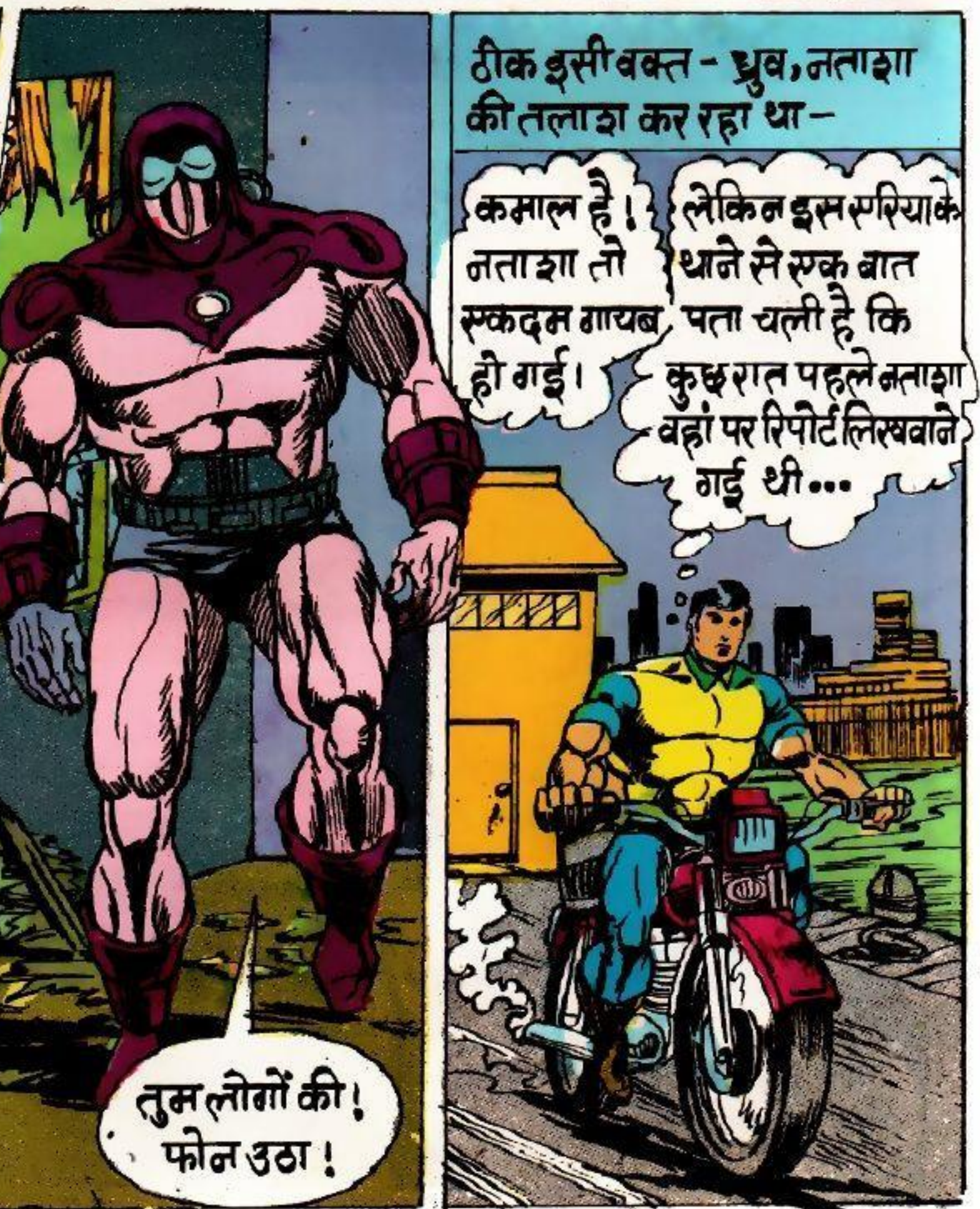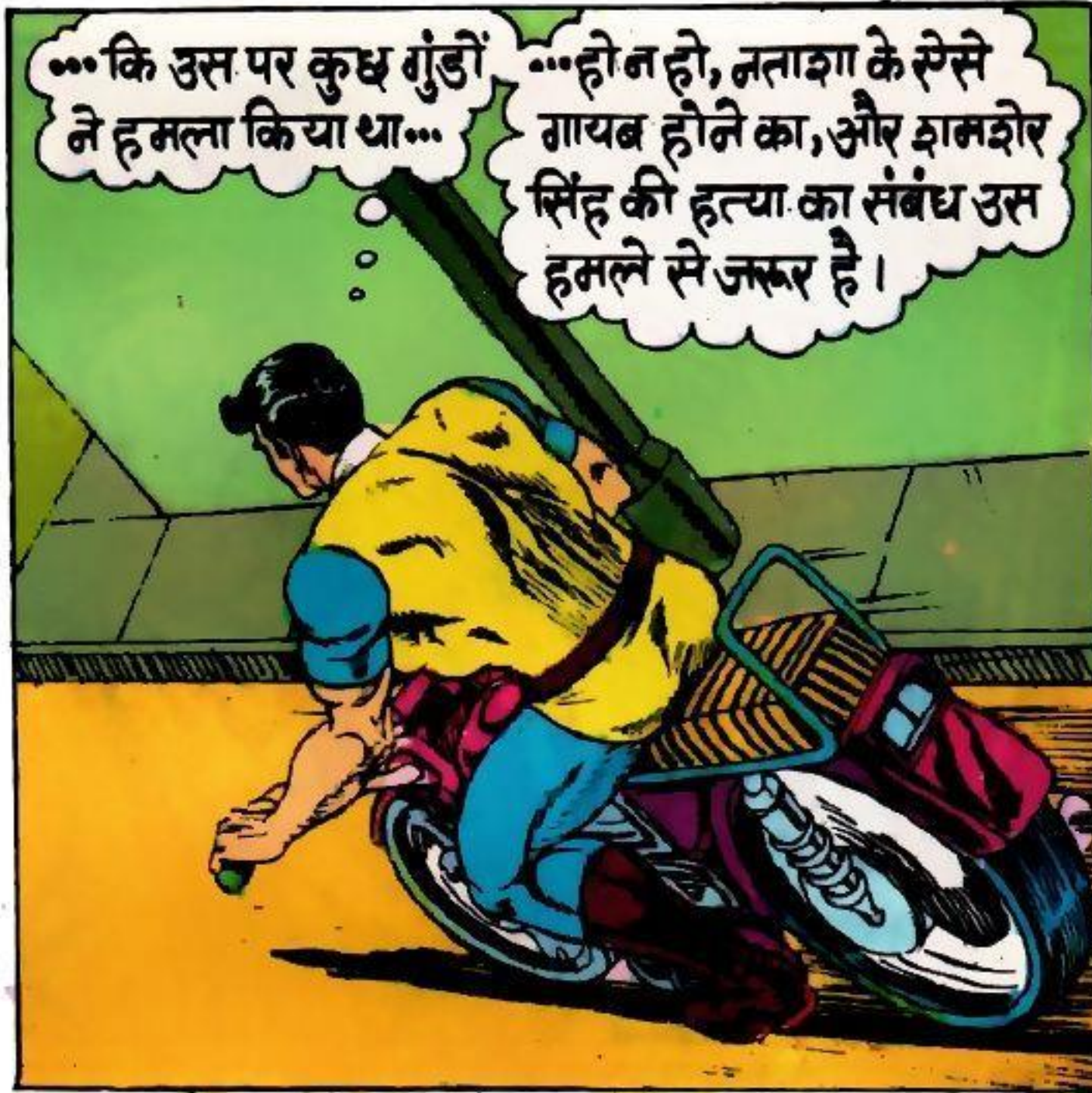
...कि उस पर कुछ गुंडों ने हमला किया था...
...हो न हो, नताशा के ऐसे गायब होने का, और शमशेर सिंह की हत्या का संबंध उस हमले से जरूर है।
और पास में ही–
डॉक्टर भंडारी का क्लिनिक भी अजीब जगह पर है।
टैक्सी मिलती ही नहीं। पता नहीं, कहां तक पैदल चलना पड़ेगा।
और समुद्र तट पर ही बने, उस केबिन के अन्दर–
बा... बार्को बॉस! ह... हां, काम हो गया... पर...
क्या बात है? हकला क्यों रहा है? दारू पी रहा...
बार्को बोल रहा है।
ला; फोन मुझे दे।
बार्को! मैं... मांटो बोल रहा हूं।
मांटो!
हां, बार्को! मैं मरा नहीं हूं। लेकिन मुझे मौत देने की कोशिश तेरे लिए मौत का कारण जरूर बन गई है।
अब तेरे सामने दो ही रास्ते हैं। या तो चुपचाप अपना साम्राज्य मेरे हवाले करके शहर छोड़ दो, या आत्महत्या कर लो।
!?

वर्ना चौबीस घंटों के अंदर मैं तेरा वही हाल करूंगा, जो अभी मैं तेरे आदमियों का करने जा रहा हूं...
...नमूना तुझे अभी दिखा देता हूं।
मांटो के हाथ से, एनर्जी की एक तरंग निकलकर...
...टेलीफोन के सर्किट से होती हुई...
...बार्को के कान से जा टकराई—
फिररररररस
आह!
यह क्या?
न... नहीं! तुम मांटो नहीं हो सकते। मांटो को तो हमने हाथ-पैर बांधकर समुद्र में फेंक दिया है।
वह मर गया है। और... और उसके पास ऐसी कोई शक्ति नहीं थी, जैसी तुम्हारे पास है।
अगर तुम मांटो हो तो अपना चेहरा दिखाओ हमें।
चाहता तो मैं भी था कि मरने से पहले तुम लोग अपनी मौत को पहचान लो...
...पर मैं क्या करूं?
लाख कोशिशों के बावजूद भी यह हेलमेट उतरने का नाम नहीं ले रहा है।
मुझे तो बस इतना पता है कि इस सूट को पहनते ही मेरे शरीर में जैसे असीमित ऊर्जा भर गई है।
और अब मेरा उस ऊर्जा को खर्चने का मन कर रहा है।

बार्को को संदेश तो मिल गया है!
अब उस पर दस्तखत भी कर दिए जाएं।
सट सट सटाक
एनर्जी के तीन भीषण धमाकों ने...
...तीनों को पिघले मांस के ढेर में बदल दिया-
और साथ ही साथ, केबिन भी सुलग उठा-
वहां से गुजर रहे, ध्रुव का ध्यान खींचने को इतना ही काफी था-
ओह! वह केबिन एकाएक भीषण आग में कैसे सुलग उठा...
...कोई धमाके की आवाज तक नहीं आई। शायद पेट्रोल...
...कोई बाहर आ रहा है! आग की लपटों में घिरा हुआ!
लेकिन... यह लड़खड़ा नहीं रहा है। इसको मदद की जरूरत नहीं है।

कुछ गड़बड़ है। और मुझे आभास हो रहा है कि इस गड़बड़ की जड़ यही आदमी है।
बढ़ते कदम थम गए-
और भांटो का ध्यान बार्को से हटकर...
ध्रुव पर चला गया-
ओह! सुपर कमांडो ध्रुव!
कौन हो तुम?
यह तो मैं भूल ही गया था कि बार्को के अपराध-साम्राज्य पर कब्जा करने के पहले...
...मुझे तुमको रास्ते से हटाना पड़ेगा।
वर्ना तुम हमेशा के लिए सिरदर्द पैदा करने वाली मशीन बन जाओगे।
बड़ाम
बार्को! इसने बार्को का नाम लिया?
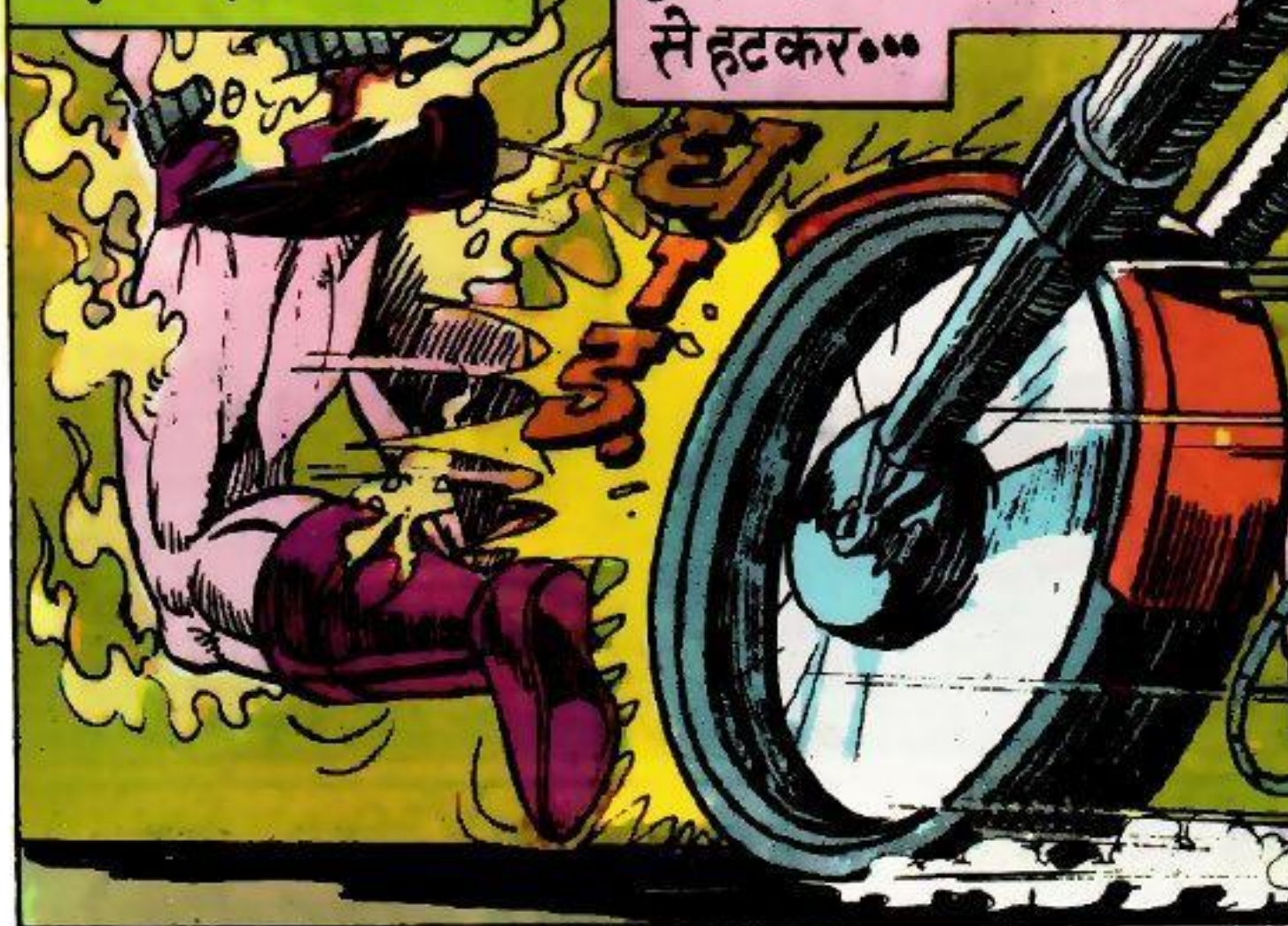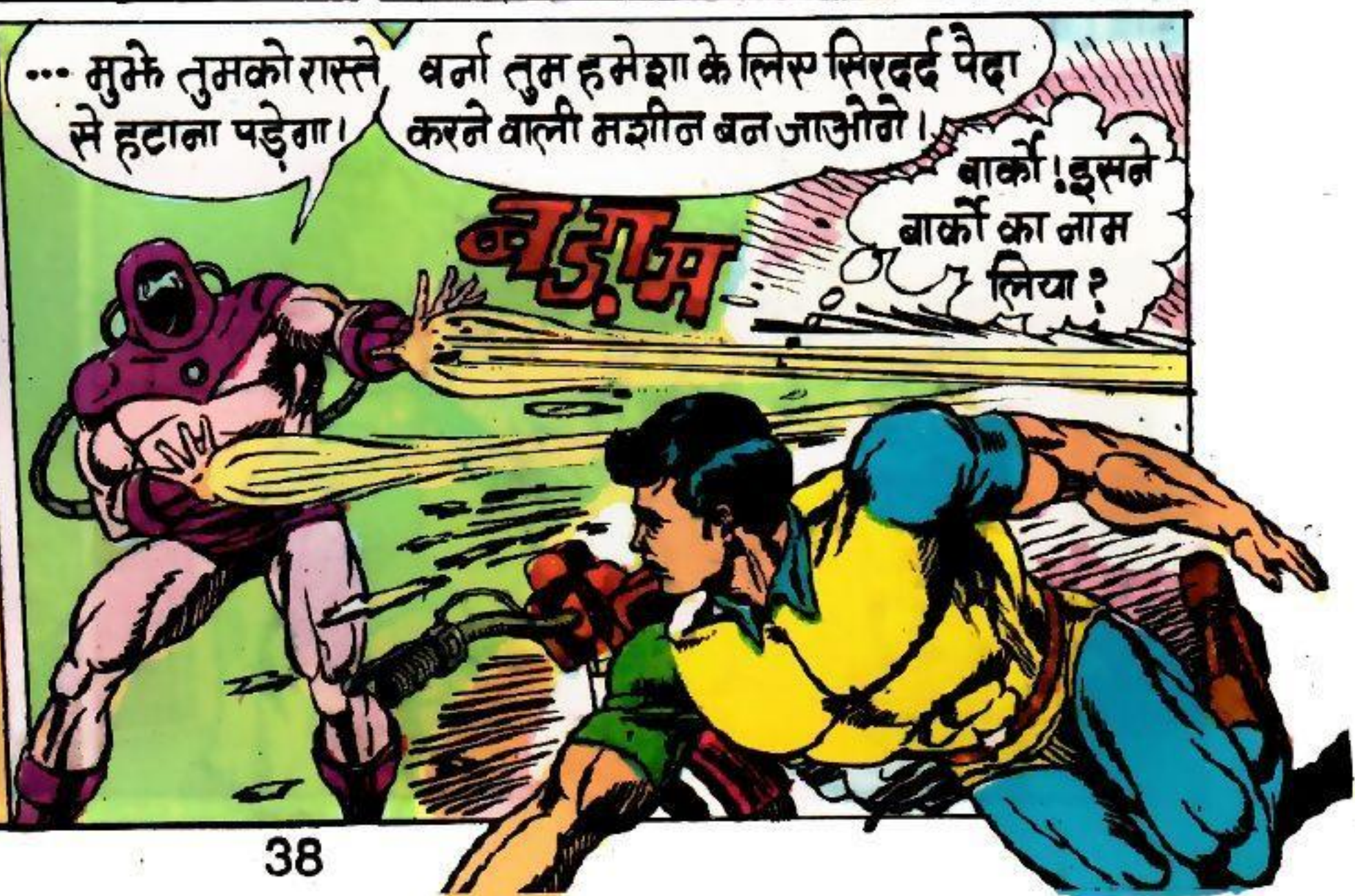
यानी इस सारे चक्कर का बार्को से संबंध है ! मशहूर माफिया चीफ बार्को ।
अब तक पुलिस के पास बार्को के खिलाफ कोई सुबूत नहीं है...
...अगर मैं इसको काबू में कर सकूं, तो यह शायद बार्को के खिलाफ एक अच्छा सुबूत साबित हो ।
लेकिन सवाल यह है कि इसके एनर्जी-ब्लास्टों को पार करके इस तक कैसे पहुंचा जाए ?
एक मिनट ! इसके हाथों से ब्लास्ट लगातार नहीं निकल रहे हैं । एक ब्लास्ट और दूसरे ब्लास्ट के बीच में लगभग दो सेकेंडों का अन्तर है...
...अगर मुझे कुछ करना है तो वह...
...इन्हीं दो सेकेंडों में करना है ।
खाच
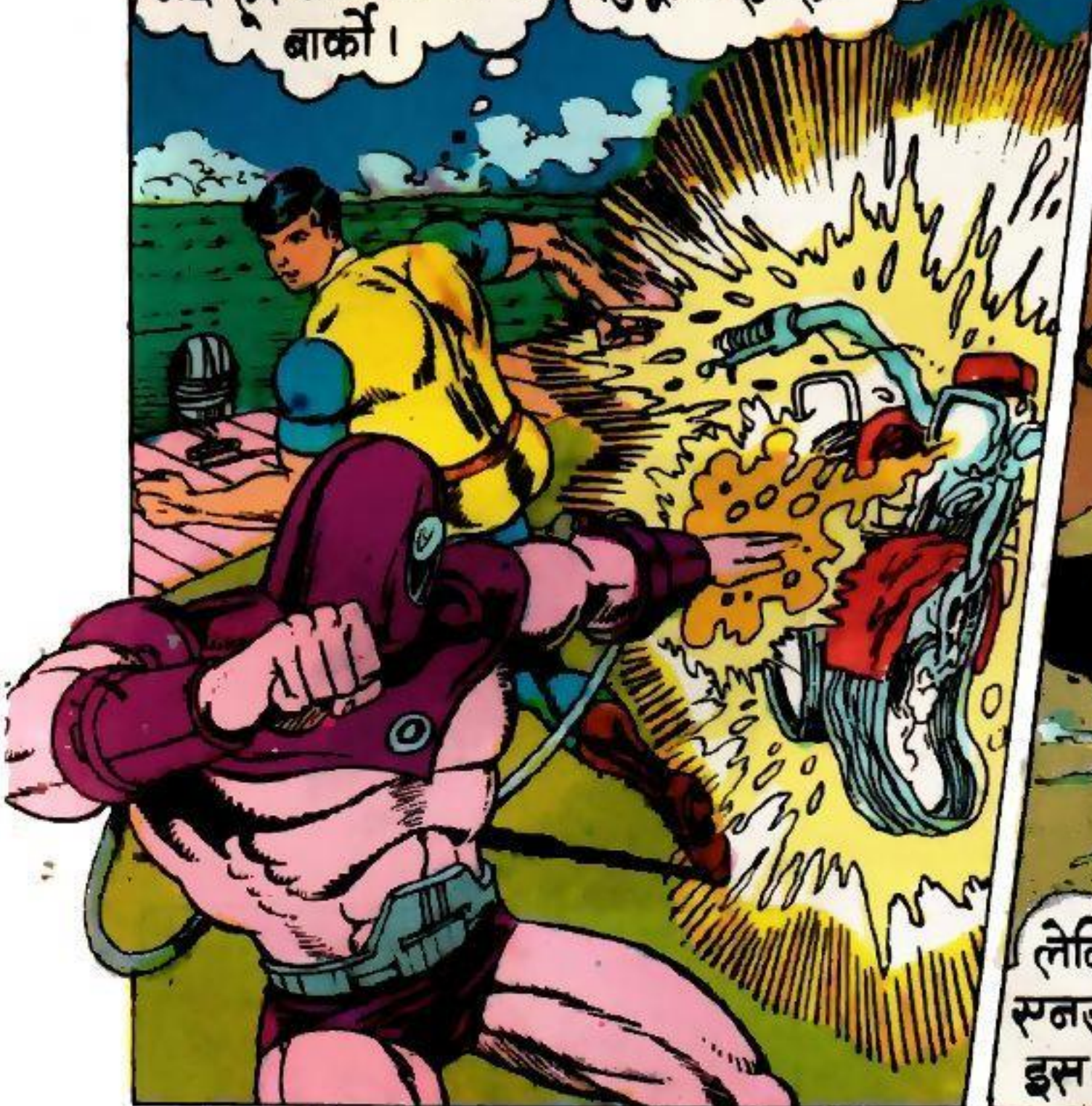
धड़ााक
तड़ाक
आह्ह!
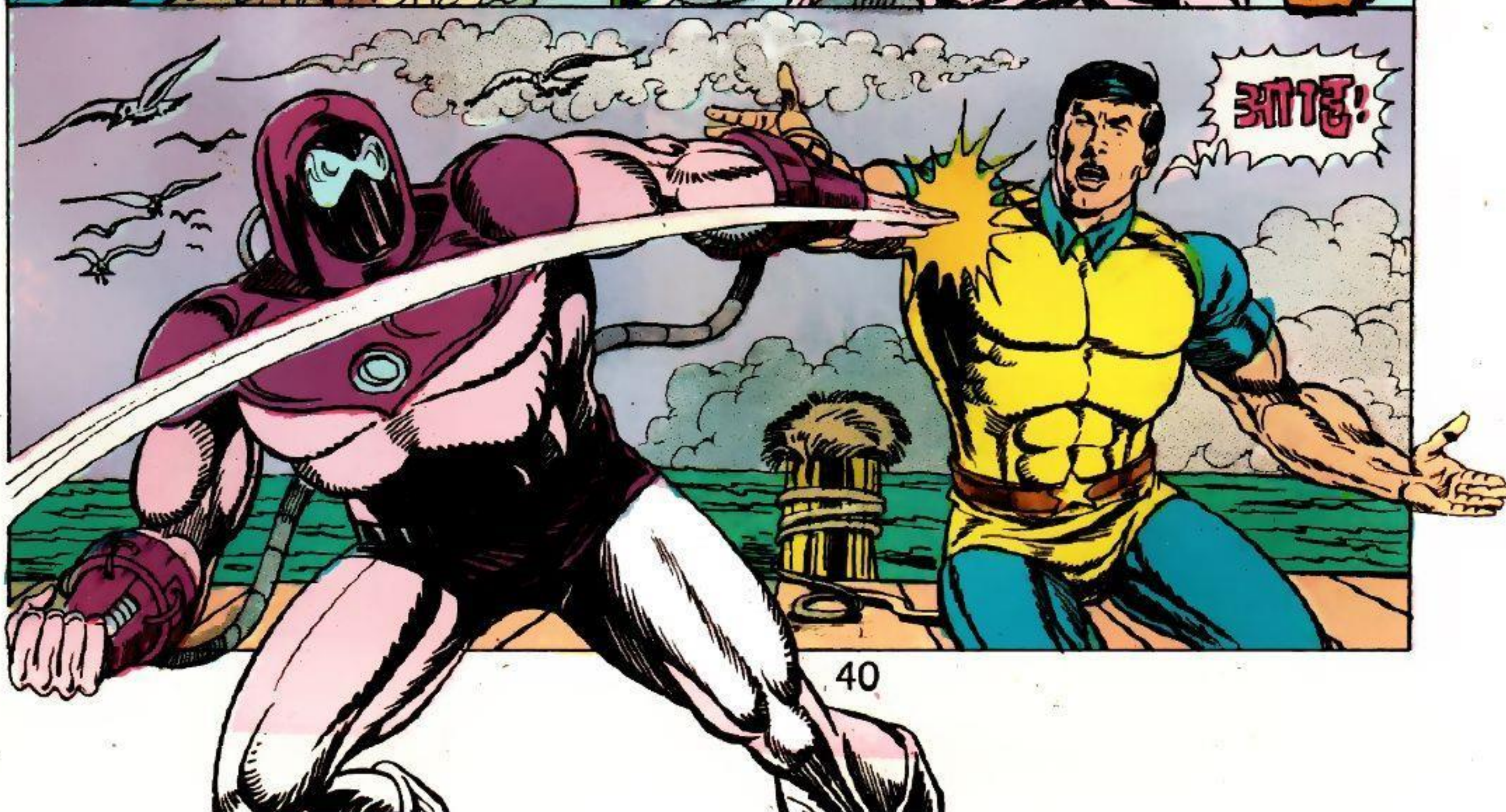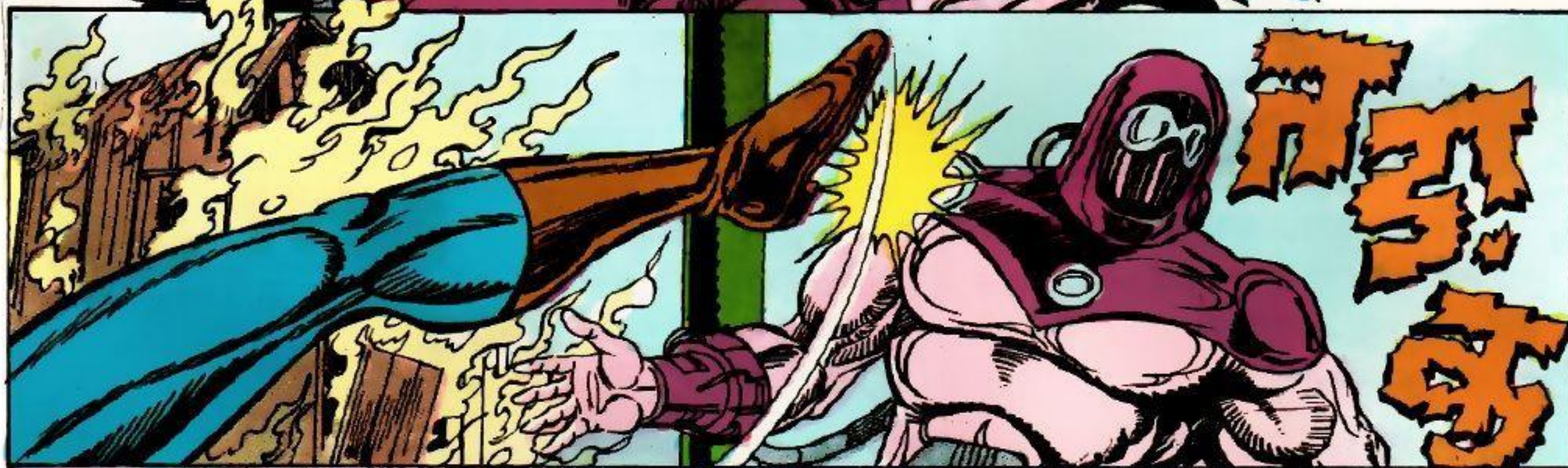
इस वार से ध्रुव पूरी तरह संभल पाता, उससे पहले ही निशाना तन चुका था-
ऊर्जा की एक प्रचंड लहर ध्रुव की तरफ बढ़ी-
लेकिन ध्रुव को छू न पाई-
कड़ाक
रिचा! तुम यहां पर कैसे?
बताती हूं! लेकिन पहले जरा इस व्यवधान को दूर करलूं।
ईस्स्स
स्स्स
हाहाहा! तू कुछ नहीं कर सकती लड़की! मैंने अपने सूट को हाई-पॉवर की एनर्जी के कवच से घेर लिया है। अब मुझ तक कुछ नहीं पहुंच सकता। कुछ नहीं।
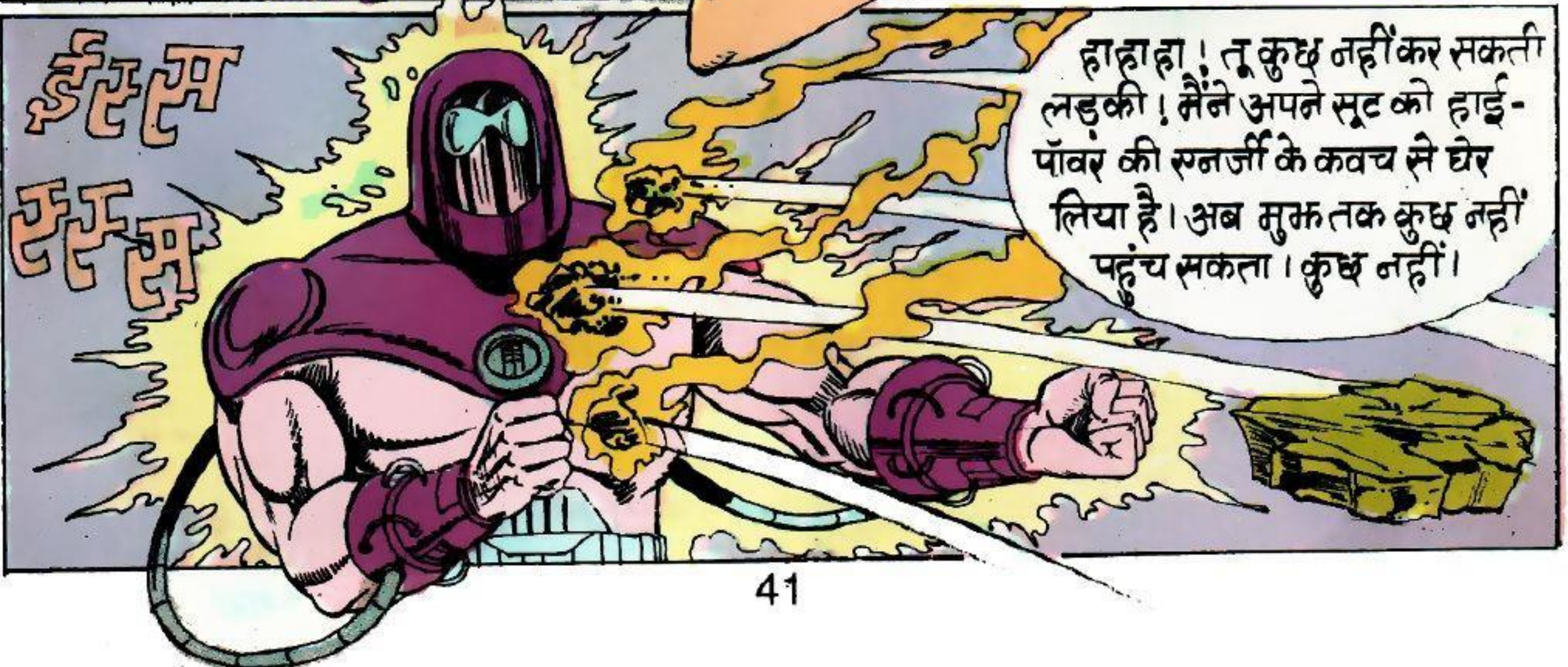
इस पर ये हथियार बेकार हैं, रिचा! यह एनर्जी का वार करता है। और एनर्जी को सिर्फ एनर्जी ही रोक सकती है।
एनर्जी! जैसे मैगनेटिक एनर्जी?
हां!
मेरे साथ आओ। जल्दी।

पर कहां, रिचा?
तुम आओ तो सही...
... मैं सब बताती हूं।
भाग रहे हो? पर भागोगे कहां?
मांटो तुम्हारा पीछा तभी छोड़ेगा, जब तुम लाश में बदल जाओगे।
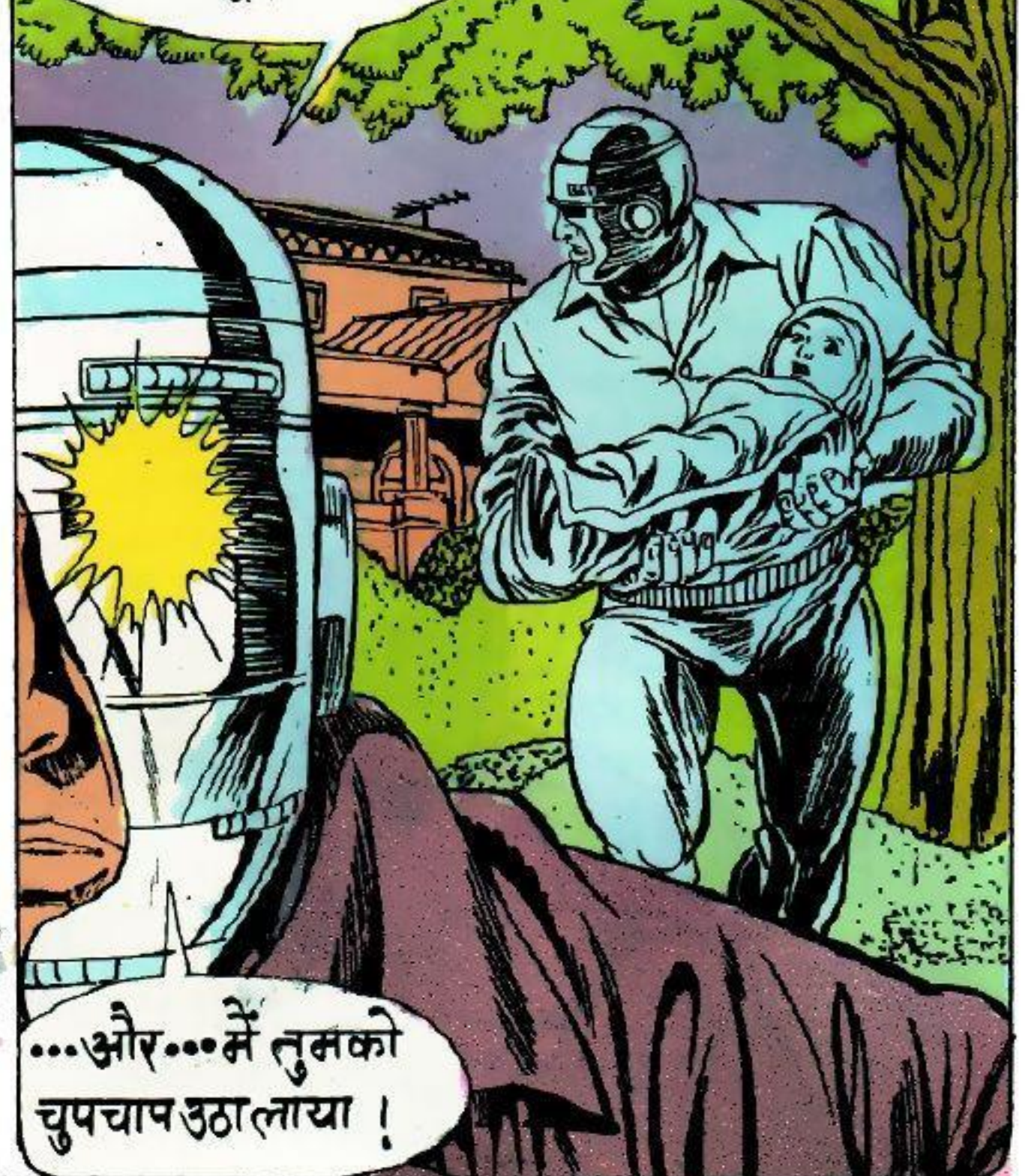
मैंने बदले की भावना में जलकर तुमको तुम्हारी मां से दूर तो कर दिया था, लेकिन तुमसे मैं शायद मेरियन से भी ज्यादा प्यार करता था –
दुनिया मुझे अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी ग्रेंडमास्टर रोबो के नाम से जानती थी। लेकिन तुम्हारे लिए मैं एक इंसान था। तुम्हारा ...
... पापा!
तुमको मैं उसी लाड़-प्यार से एक नाज़ुक, कोमल लड़की की तरह पाल-रहा था जैसे शायद तुम्हारी मां तुमको पालती। एक फूल की तरह ...
... लेकिन तभी, मुझको पेरिस जाना पड़ा। बाईं आंख में लेसर-आई फिट करवाने के लिए।
मेरी गैर हाज़िरी में, मेरे डिप्टी चीफ ने मेरे आतंकवादी साम्राज्य पर कब्जा करने की कोशिश की, और उसने अपना मोहरा बनाया- तुमको। मेरी बेटी को –
मैंने अपनी नई लेसर आई के जरिए तुमको बचा तो लिया, लेकिन इस घटना ने मुझे सोच में डाल दिया –
आ ा ा ा ा ा ईsss
मेरे कारण तुम्हारी जान कभी भी खतरे में पड़ सकती थी। और मैं हर वक्त तुम्हारे पास नहीं रह सकता था –

एक ही रास्ता था। तुमको आत्मरक्षा के गुर सिखाने का। तुम्हारी उम्र भी सीखने लायक हो रही थी—
और मेरे पास, अलग-अलग तरह की लड़ाईयों के दांव-पेंच सिखाने वाले कई उस्ताद मौजूद थे—
हा ऽऽ ह।
हा ऽऽ ह।
तुम्हारी ट्रेनिंग शुरू हो गई—
वैसे तो यह ट्रेनिंग सिर्फ तुमको आत्मरक्षा सिखाने के लिए थी...
...लेकिन समय बीतने के साथ-साथ तुम्हारी खूबियां सामने आने लगीं—
तड़ाक
तुम युद्ध की सभी कलाओं में इतनी तेज निकली, कि तुमने अपने उस्तादों को ही मात देनी शुरू कर दी—
तुम्हारे किशोरावस्था में आते-आते मेरे गैंग में एक भी एक्सपर्ट ऐसा नहीं बचा था जिसने तुमसे मात न खाई हो—
गैंग में सब तुम्हारी इज्जत करने लगे थे, और मेरे बाद सिर्फ तुम्हारा ही हुक्म मानने को तैयार थे—
मेरे सामने और कोई रास्ता नहीं था—
सबकी मर्जी के आगे मुझे झुकना ही पड़ा—
और तुम नताशा से बन गई...
कमांडर नताशा—

ये आपने मुझे कभी नहीं बताया!
लेकिन अगर आप और मां इतने सालों तक नहीं मिले, तो एकाएक मां यहां पर कैसे आ गई? आप यहां पर कैसे आ गए?
और... और मां की ये हालत कैसे हो गई?

PRIVATE DO NOT ENTER

ये सब मुझे भी यहीं पर आकर पता चला...
...जब डॉक्टर शिल्डर ने मुझे यहां पर बुलाया था। सुनो...

और दूसरी तरफ- डॉ॰ भंडारी के क्लिनिक में-
इस 'कैट स्कैन' मशीन को जरा अच्छी तरह से एडजस्ट कर लूं...

...कल रिचा के 'नर्वस-सिस्टम' का एक गहन चेकअप...
अरे...
कड़ंक

इससे पहले कि अगला वार, डॉक्टर भंडारी की खोपड़ी ले उड़ता...
डॉक्टर साहब! नीचे!
व्हूश

अब तू मुझसे नहीं बचेगा, ध्रुव ! तुझे तो मैं तड़पा-तड़पाकर मारूंगा ! ले... मैंने अपनी 'एनर्जी-शील्ड' को बंद कर दिया है । अब आ ।
आकर मार... मुझे ! उफ !
तूने यह 'शील्ड' बंद करके बहुत बड़ी गलती की है, मांटो !
धाड़.
कोई गलती नहीं की है ! यह 'स्पेस-सूट' है। वैक्यूम तक को सह सकता है।
फिर तुम्हारे घूंसों की बिसात ही क्या है, कमांडो !
हम जो करना चाहते हैं, वह तू नहीं समझ पाएगा, मांटो !
ऐसे स्पेस-सूट ताकत तो दे सकते हैं, लेकिन दिमाग नहीं दे सकते ।
धम
डॉक्टर भंडारी अचानक कुछ देखकर परेशान हो उठे—
ANALYSIS
य... यह क्या ?
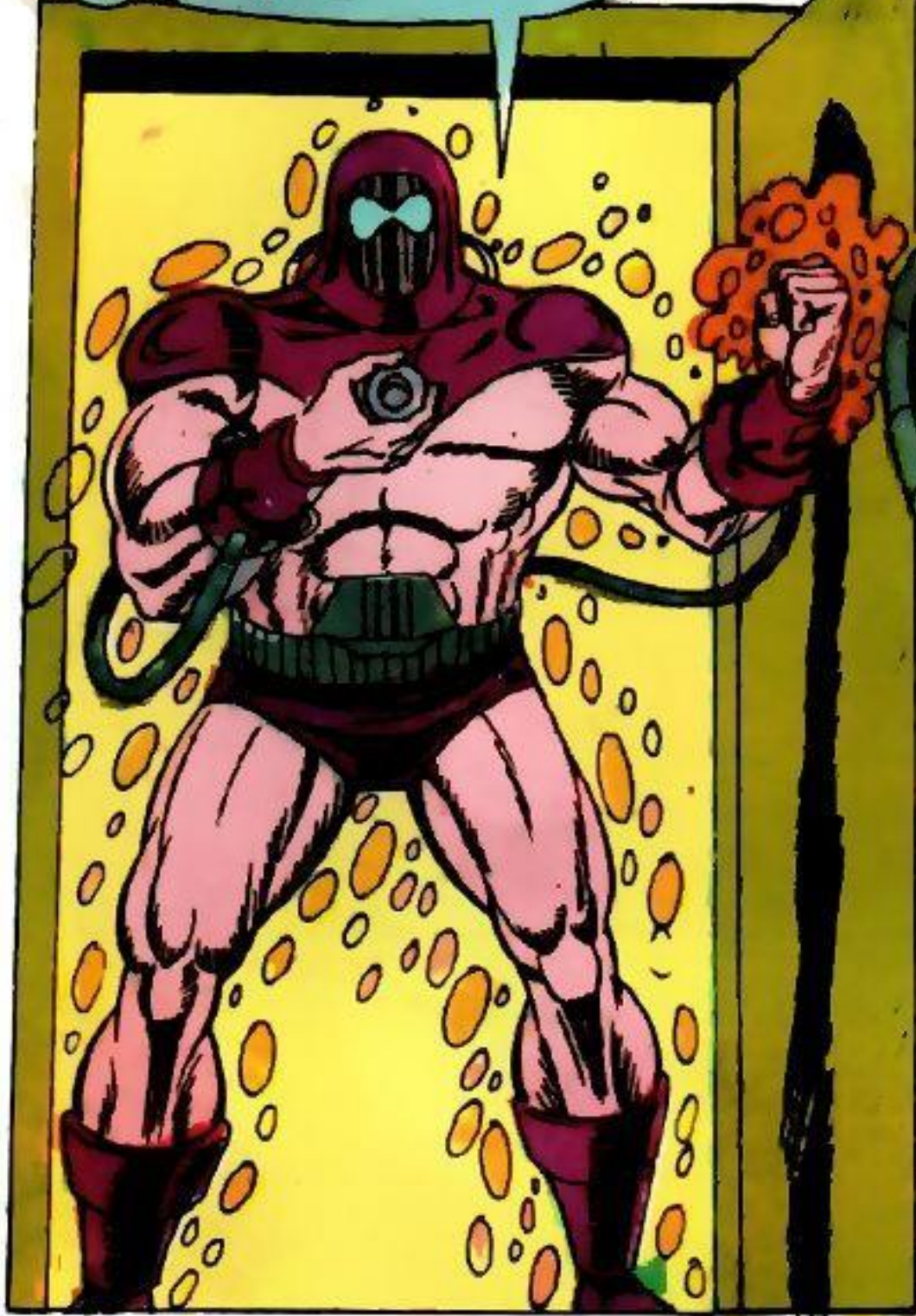
मास एनर्जी कन्वर्टर: द्रव्य को ऊर्जा में बदलने वाला
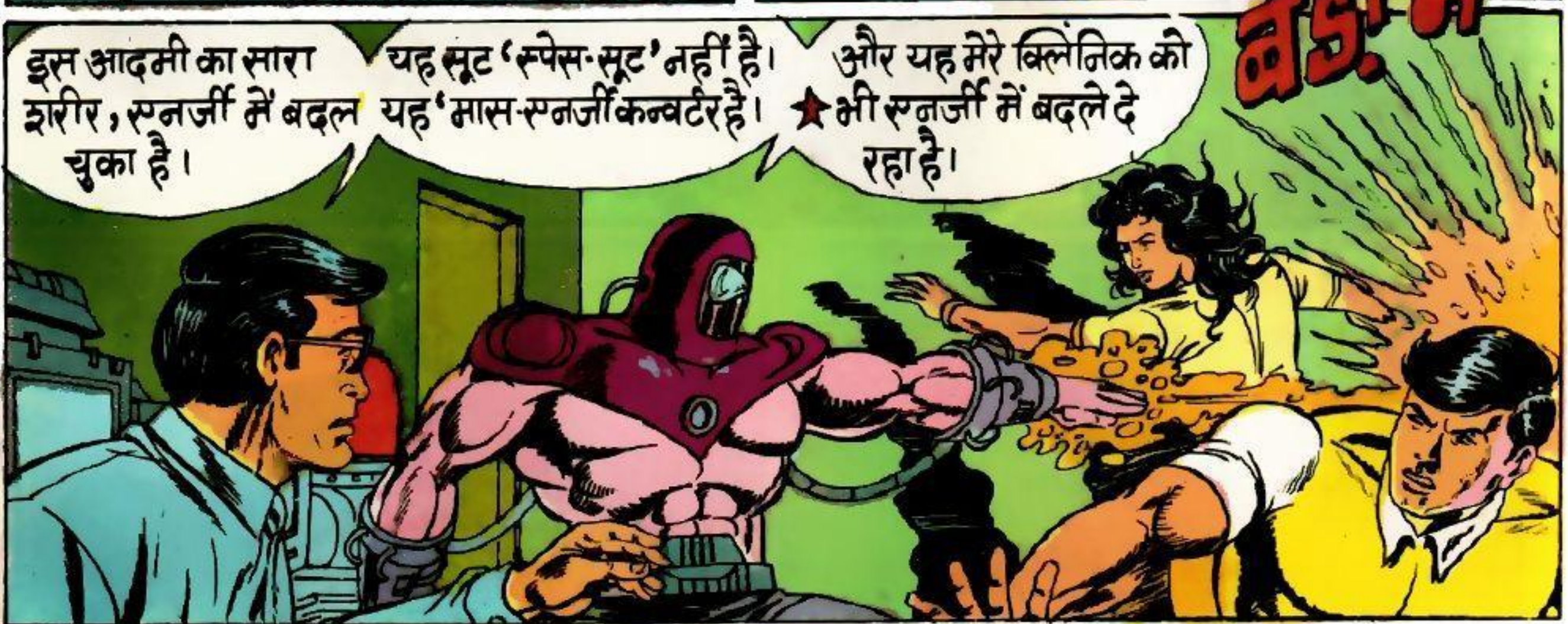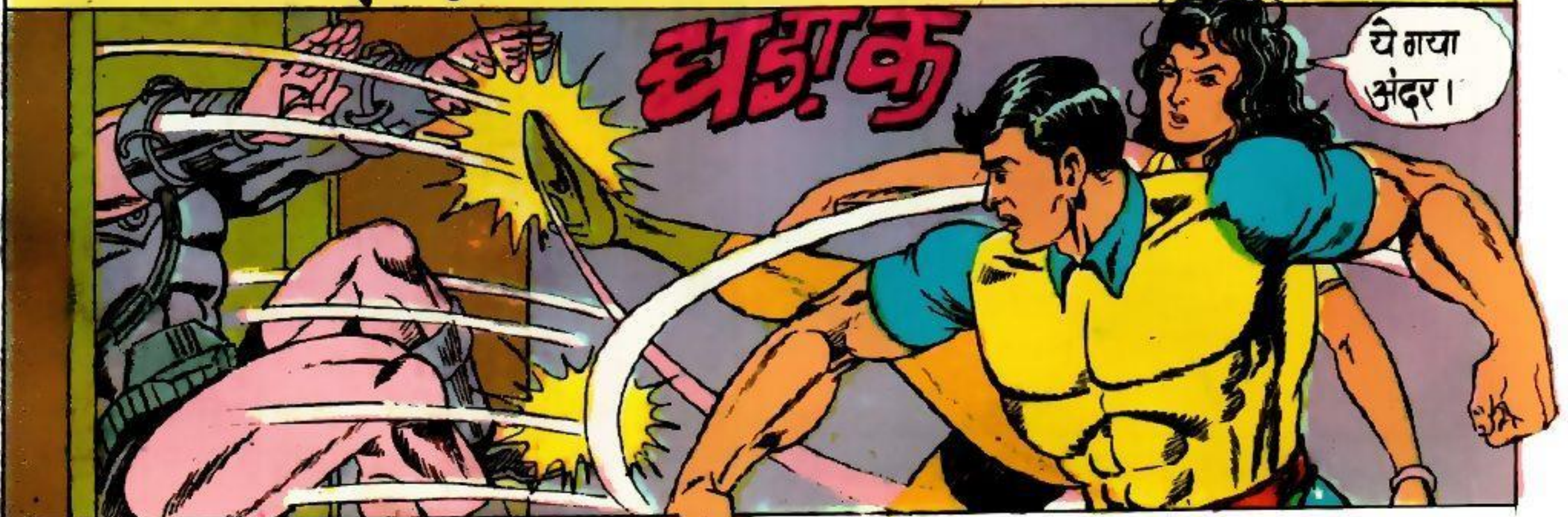
और कुछ समझ पाने से पहले ही मांटो, उस जाल में फंस चुका था, जो ध्रुव और रिचा ने उसके लिए बिछाया था–
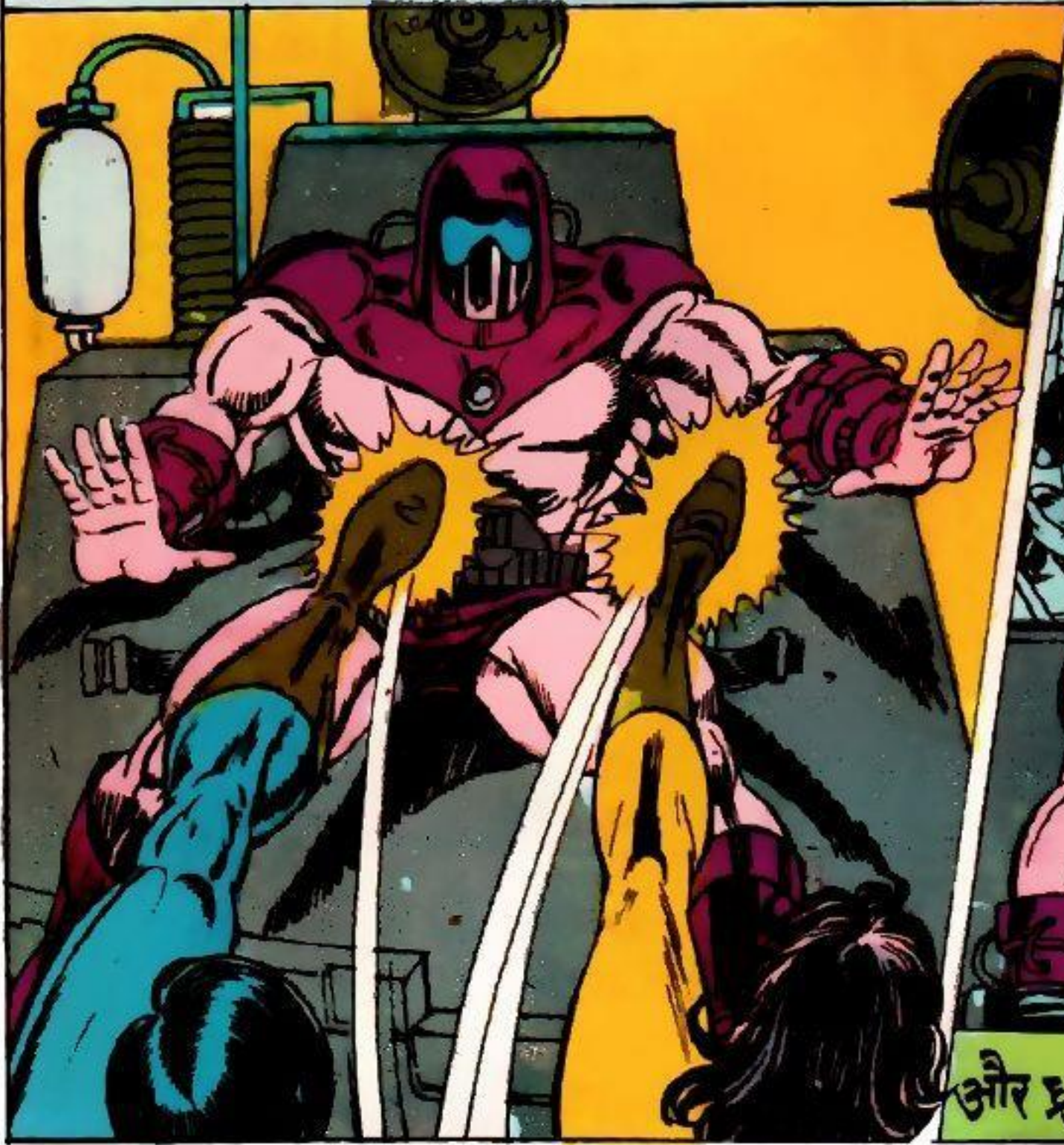
कुछ समझ पाने से पहले ही रिचा ने मांटो के बदन को 'प्लेट' पर कस दिया–
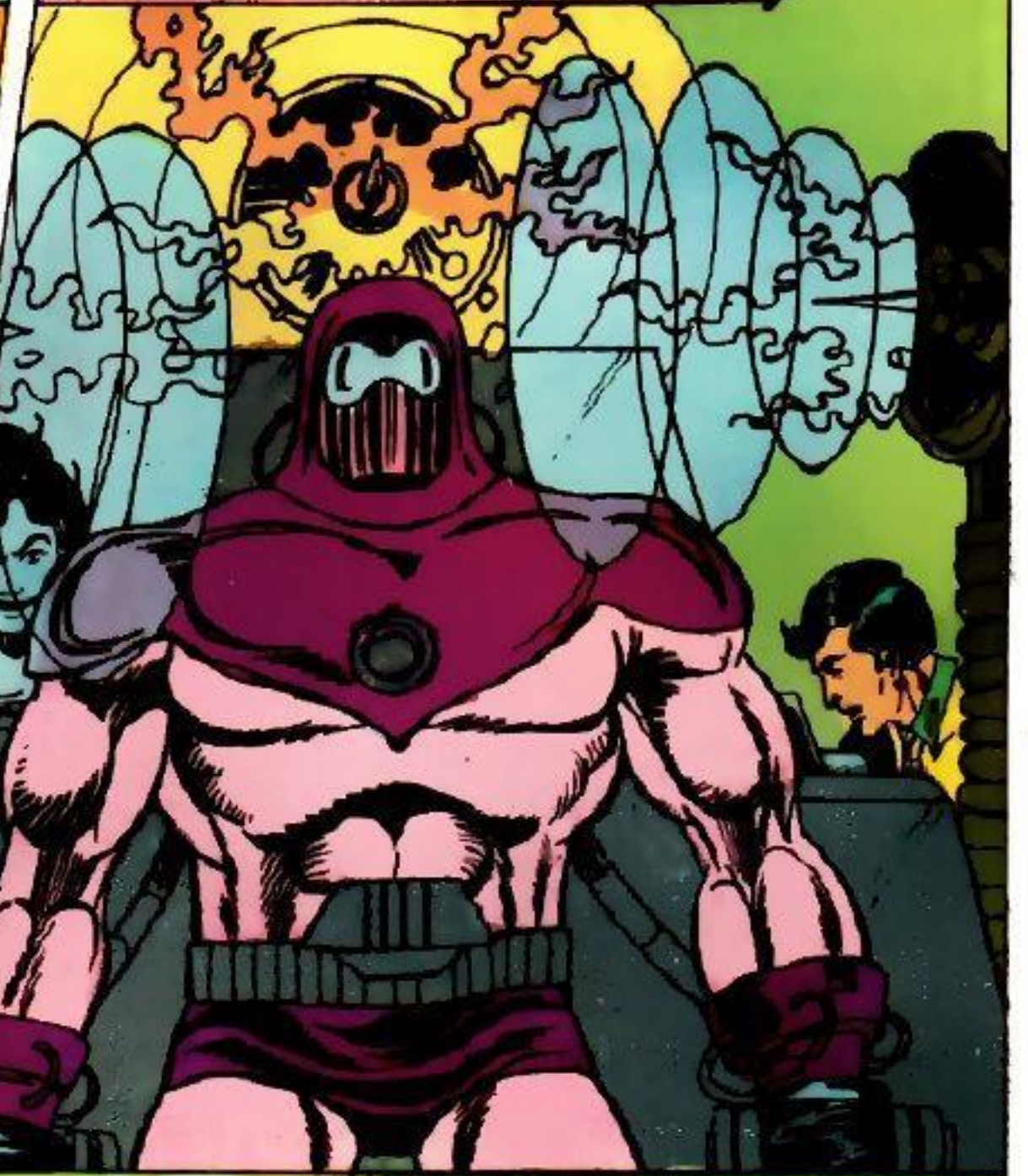
और ध्रुव ने 'मैगनेटिक-रिसोनेटर' को ऑन कर दिया–

ओह! यानी ...अरे! मेरे 'स्टार-ट्रांसमीटर पर कोई मैसेज़ आ रहा है।
हैलो! ध्रुव हियर।
केप्टेन! मैं कैडेट करीम! पुलिस अस्पताल में भर्ती उस लड़के को होश आ गया है। उसने अपना बयान भी दे दिया है। उसके अनुसार...
करीम से उस लड़के का बयान सुनकर ध्रुव की आंखें फैलती चली गईं—
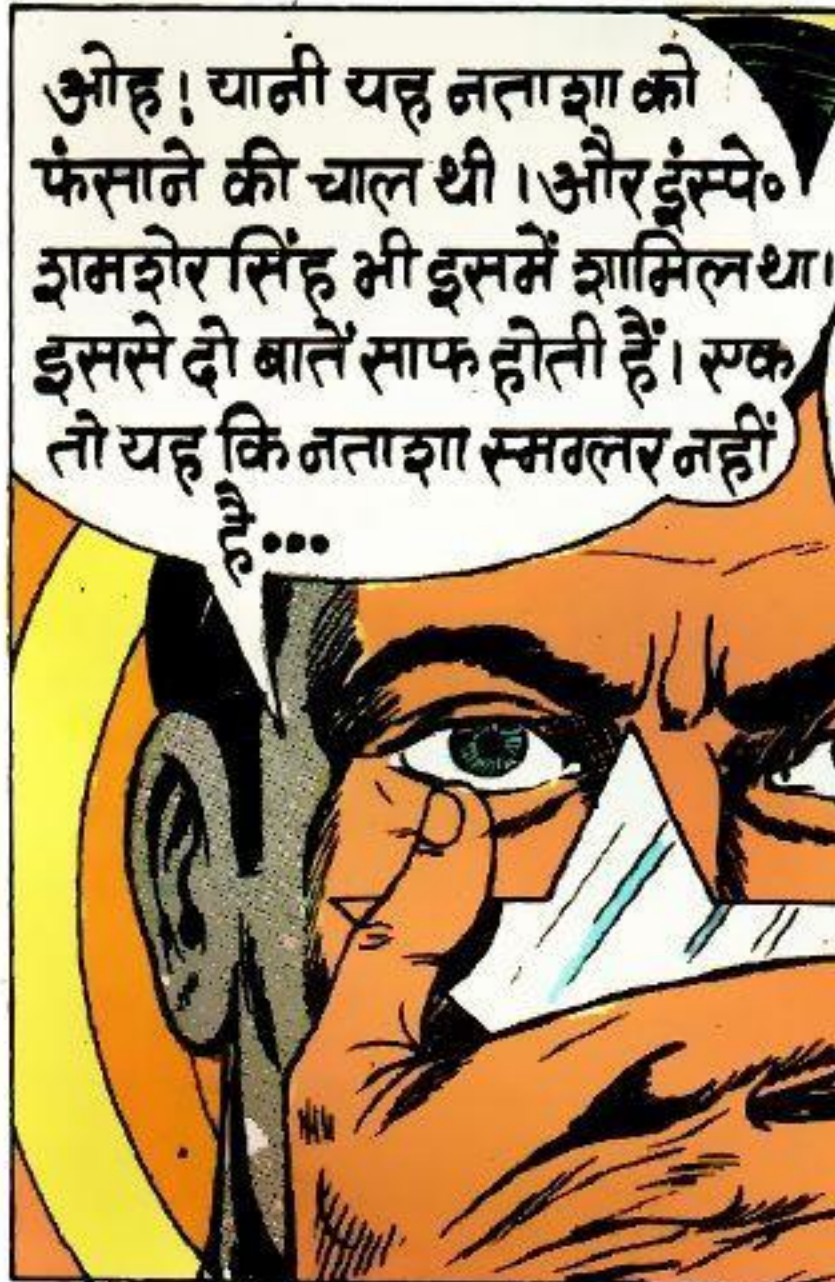
ओह! यानी यह नताशा को फंसाने की चाल थी। और इंस्पे० शमशेर सिंह भी इसमें शामिल था। इससे दो बातें साफ होती हैं। एक तो यह कि नताशा स्मग्लर नहीं है...
...और दूसरी यह कि नताशा कातिल है। क्योंकि उस रात शमशेर सिंह उसी के फ्लैट पर गया होगा, नताशा को रंगे हाथों पकड़ने के लिए।
एक खबर और है, ध्रुव...
...पीटर का फोन आया था। फादर परेरा उसको देखने शिल्डर नर्सिंग होम गए थे। उन्होंने वहां पर नताशा को डॉक्टर शिल्डर के रूम में देखा है...
...उसके साथ एक खतरनाक सा आदमी भी था। फादर परेरा चेहरा तो नहीं देख पाए, पर उसका चेहरा मेटल जैसी चमक मार रहा था।

रोबो! यानी नताशा गैंगमास्टर रोबो के साथ डॉक्टर शिल्डर के नर्सिंग होम में है। पर क्यों? मुझे तुरन्त वहां पर जाना होगा।
रिचा! तुम यहीं पर रुककर मॉंटो पर नजर रखो। मैं थोड़ी देर में वापस आकर, इसको हिरासत में लेने का इंतज़ाम करता हूं।
ओ० के० ध्रुव!

☆ पढ़िए, 'मैंने मारा ध्रुव को' एवं 'हत्यारा कौन'
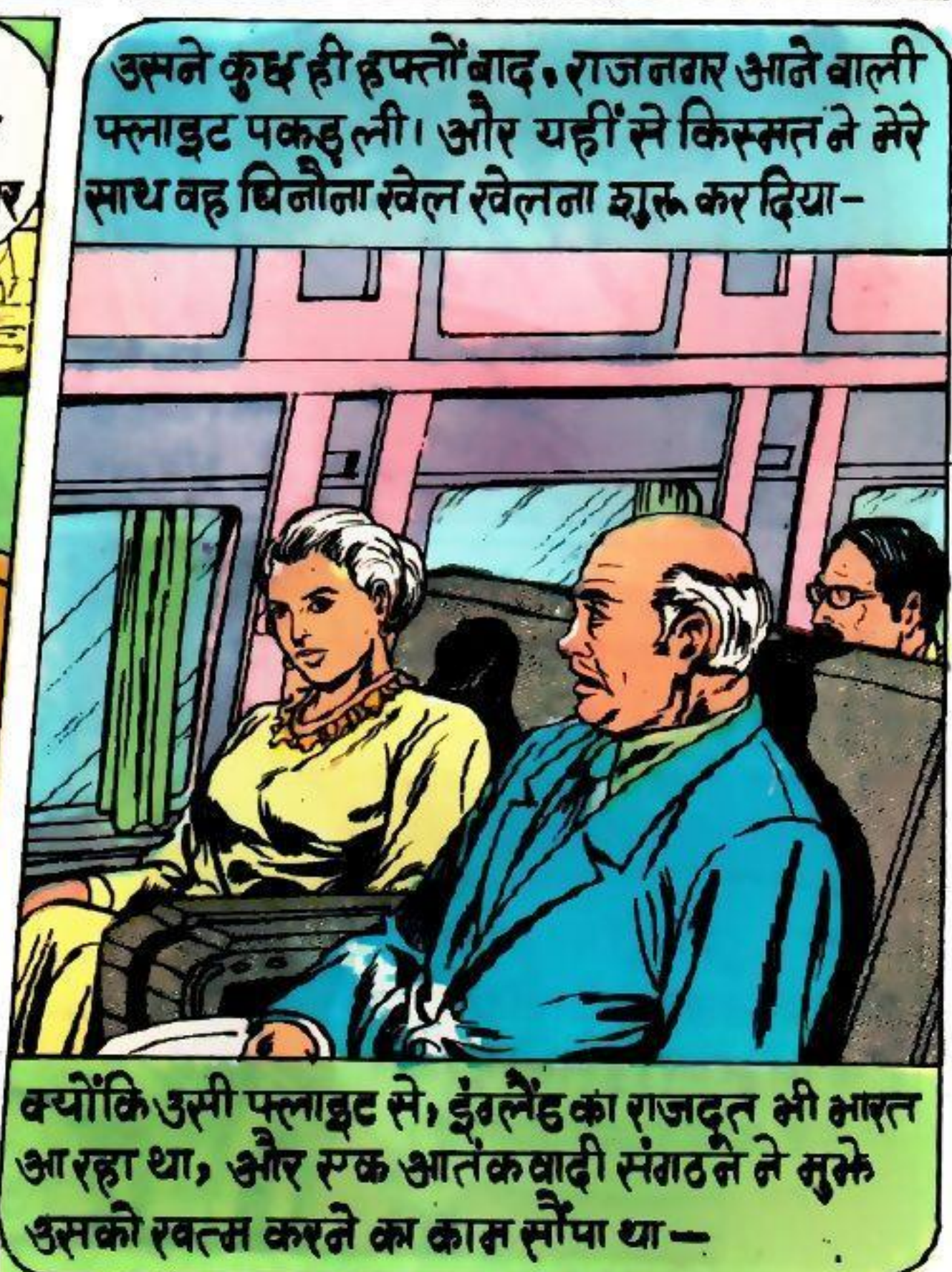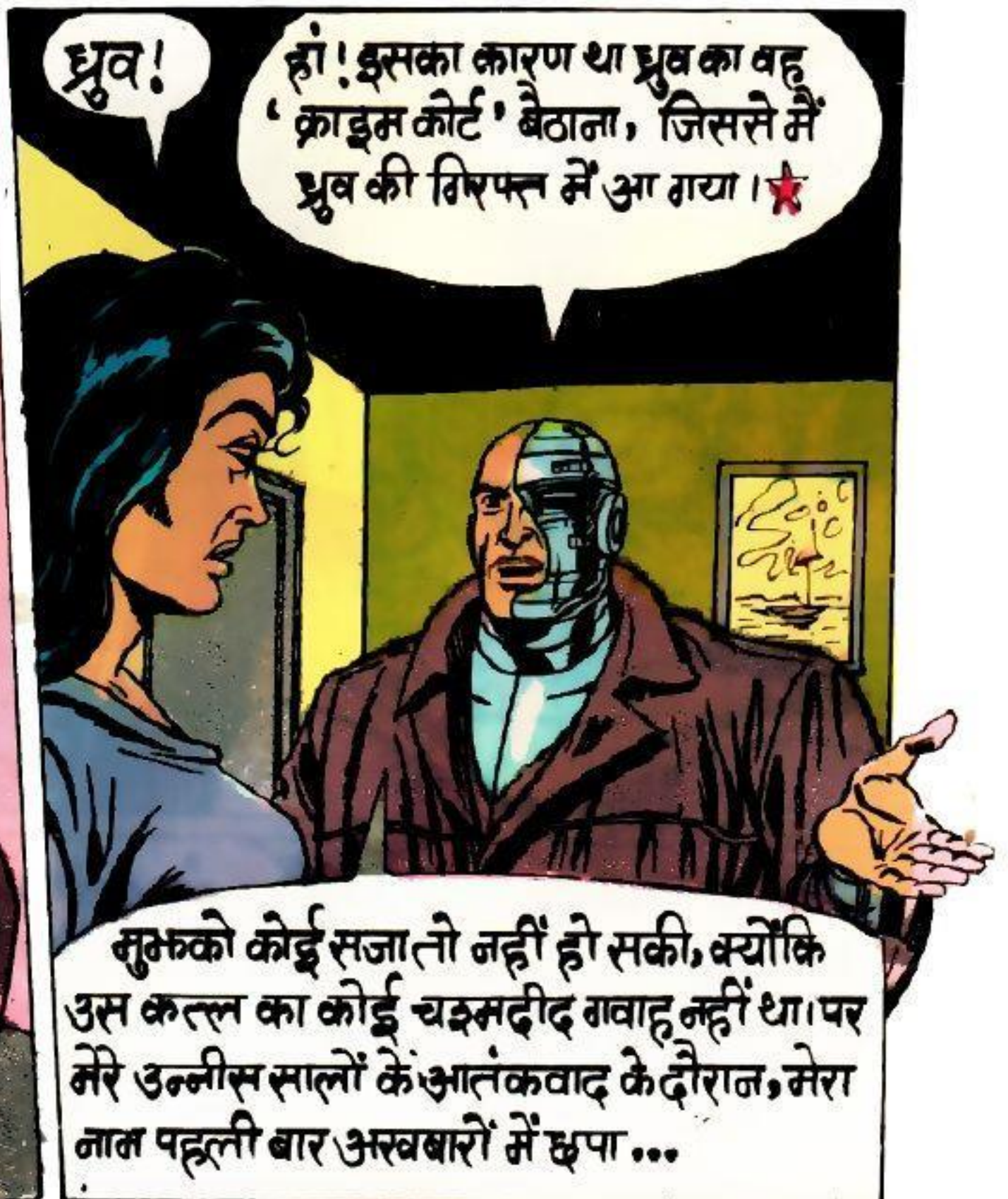
मुझे न तो ये पता था कि मेरियन आ रही है...
...और न ही ये पता था कि रास्ते में, मेरियन और राजदूत में अच्छी जान-पहचान हो गई थी–
और वह स्यरपोर्ट से, राजदूत की गाड़ी में ही बैठकर राजनगर आ रही थी–
LUGGAGE
CONVEYER BELT
TELEPHONE
रास्ते में बम लगाया जा चुका था–
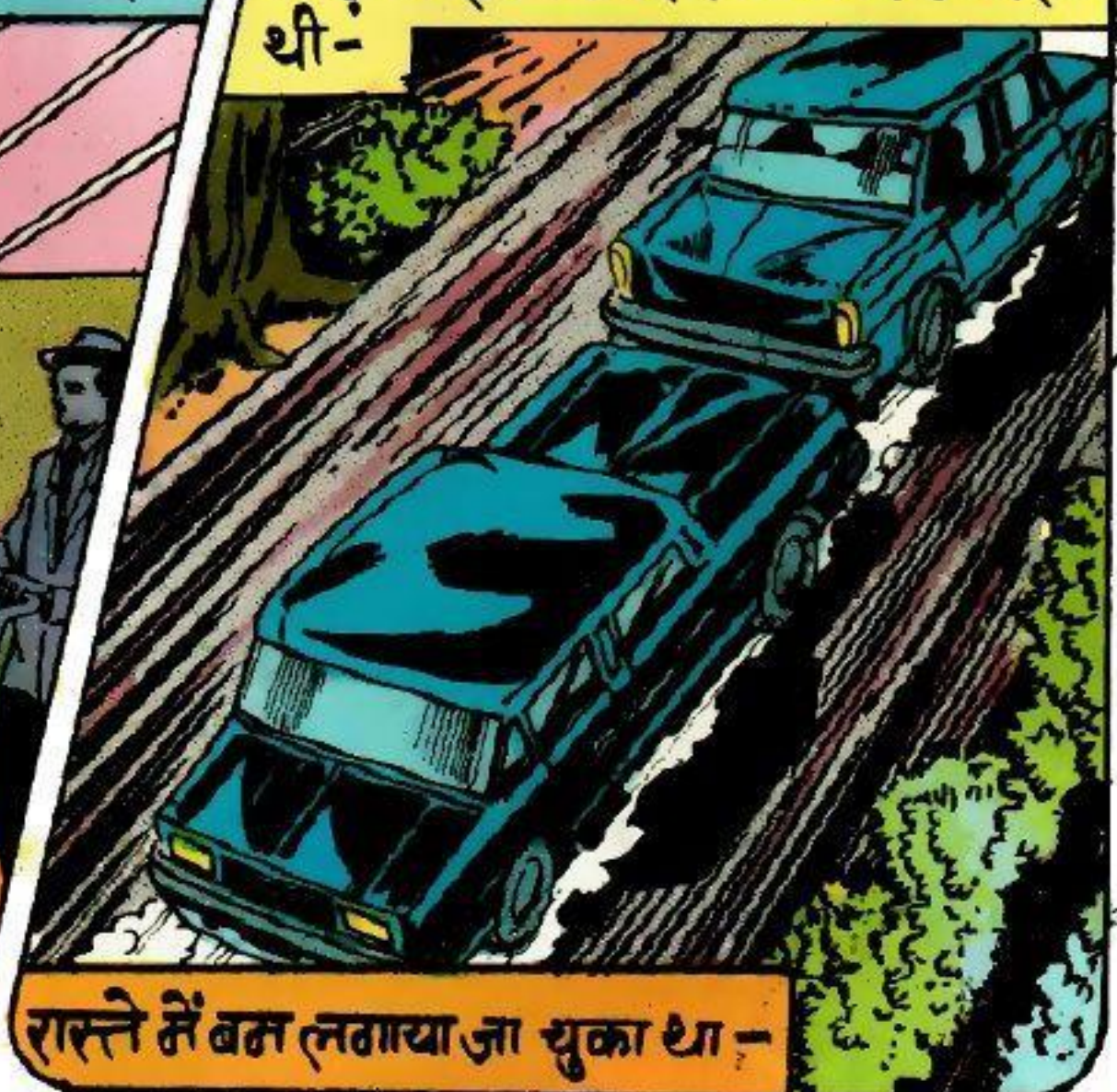
जिसको इंतज़ार था, राजदूत की कार का–
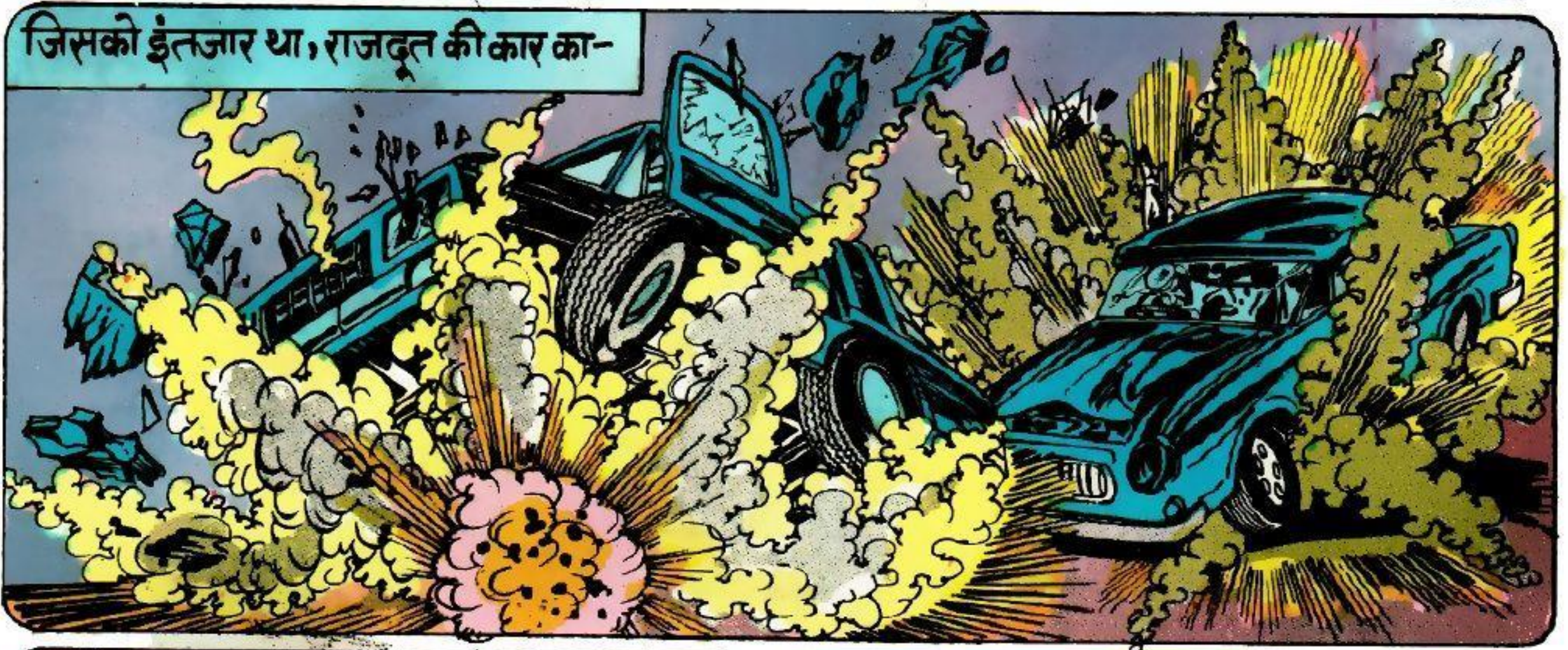
मैंने मेरियन को तब देखा, जब मैं कार के पास यह पक्का करने गया कि काम हो गया है–

कुछ पलों के लिए मैं इतना स्तब्ध रह गया कि मुझे पता ही नहीं रहा कि मैं कितनी खतरनाक जगह पर खड़ा हूं, और कभी भी पकड़ा जा सकता हूं–

कहानी, समाप्ति की ओर बढ़ रही थी -
अच्छा हुआ मांटो ने मेरी मोटरसाइकल का कचूमर बना दिया। वर्ना उससे अस्पताल तक पहुंचने में देर हो सकती थी... ये तरीका ज्यादा फिट है।
मुझे बैटमैन से मिलकर ये तरीका ईजाद करने के लिए, शुक्रिया अदा करना चाहिए।
मांटो ने अभी तक हार नहीं मानी थी-
ये 'मैगनेटिक-फील्ड' मेरी ऊर्जा को बाहर निकलने नहीं दे रही है। मुझे इस 'मैगनेटिक-फील्ड' को तोड़ना होगा...
...और उसके लिए मुझे अपने 'एनर्जी-लेवल' को बढ़ाना होगा। इस फील्ड को तोड़ना होगा...
तोड़ना होगा।
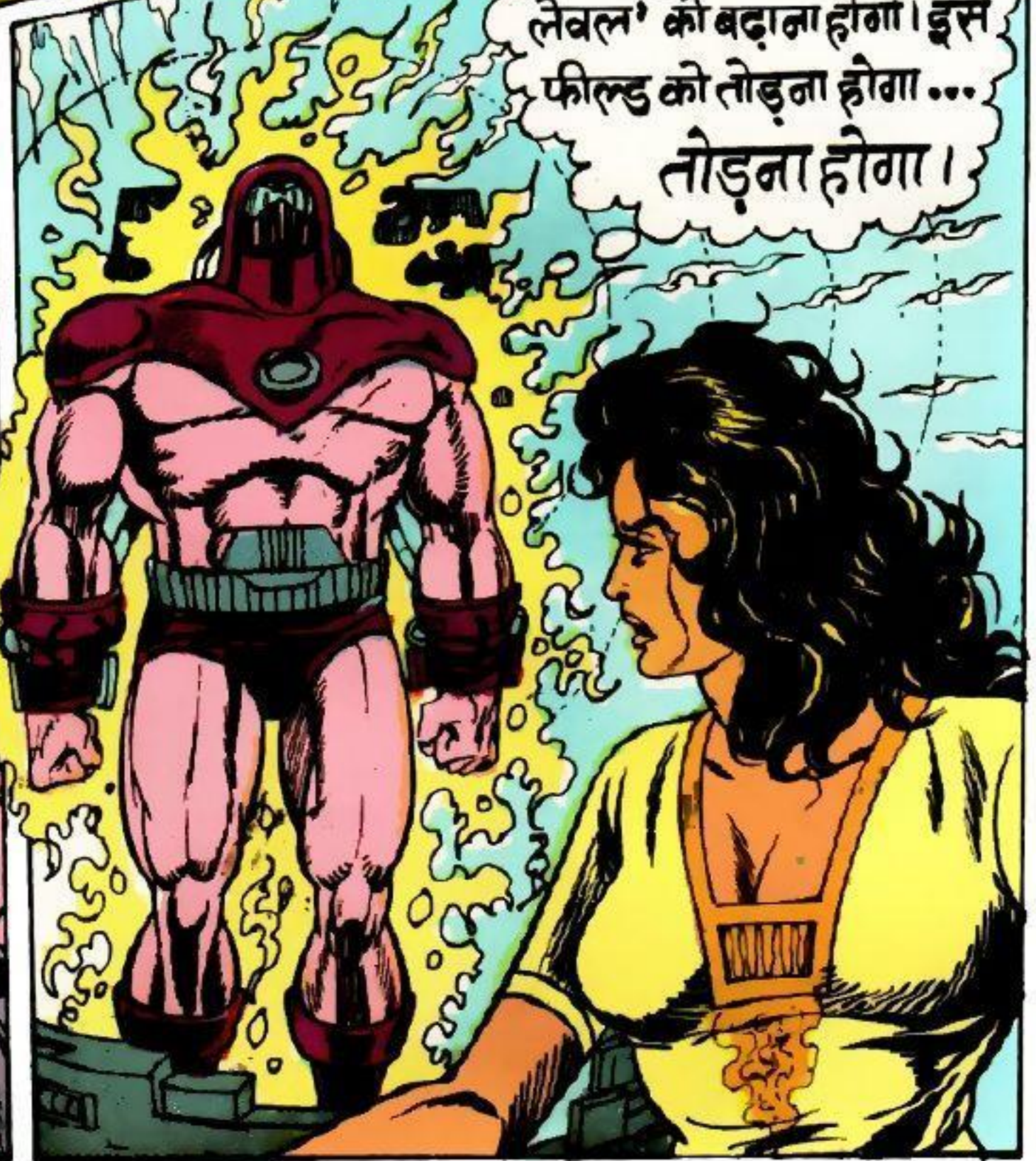
...तोड़ना होगा!
वह डॉक्टर शिल्डर के नर्सिंग-होम में गया है। अब उसी नर्सिंग-होम में कब्र बनेगी...
...सुपर कमांडो ध्रुव की-
आ गया शिल्डर नर्सिंग-होम।

कहानी जारी थी-

ज्यादा समय नहीं था। मेरियन अभी जिंदा थी। मैंने उसको गाड़ी से बाहर खींचा।

दुःख और पछतावे से मेरे हाथ कांप रहे थे...

...आतंकवाद की वह आग, जो मैं दुनियाभर में लगाता फिर रहा था, आज मेरे ही घर को जला रही थी।

मेरियन की हालत बहुत खराब थी।

उसको दुनिया का सिर्फ एक ही डॉक्टर बचा सकता था...

...डॉ० शिल्वर।

और वह संयोग से राजनगर में ही था।

मैं मेरियन को यहां ले आया। और फिर तुमको बुलवा भेजा।

ताकि मैं अपनी मां से मिल सकूं?

हां। और तुमको एक खबर और देनी थी। इस घटना ने मेरी विचार-धारा को बदल दिया है...

...मैं आत्मसमर्पण करना चाहता हूं। इस अपराध की दुनिया को छोड़ देना चाहता हूं...

...मैं फिर से राबर्ट शीन बनना चाहता हूं।

?

अगर तुम सचमुच ऐसा चाहते हो रोबो, तो कदम-कदम पर तुम्हारे साथ हैं...

सुपर कमांडो ध्रुव !
तुम यहां पर कैसे ?
कैसे नहीं, 'क्यों' पूछो नताशा !
मैं तुमसे यहां पर शमशेर सिंह की हत्या के बारे में पूछने आया हूं।
ओह ! लेकिन मुझे तो इस हत्या के बारे में कुछ नहीं पता !
झूठ मत बोलो, नताशा !
मेरे पास इस बात का ठोस सबूत है कि शमशेर सिंह तुम्हारे फ्लैट में ही गया था।
मैं बस ये जानना चाहता हूं कि उस हत्या में तुम कहां तक शरीक...
आह !
यह क्या है ?
एक मामूली सा 'एनर्जी-ब्लास्ट' था नताशा जी।
मांटो ! तुम आजाद हो गए ?

तुमको खत्म किए बगैर मैं स्वर्ग में भी रहना पसन्द न करूं, सुपर कमांडो ध्रुव!
गुडबॉय।
वड़ाऽऽऽऽऽऽऽऽऽम
रुक जाओ! ये क्या कर रहे हो?
मरीजों की जान खतरे में पड़ जाएगी।
तुम जानों की कब से परवाह करने लगे, ग्रैंडमास्टर रोबो!
ये मामला मेरे और ध्रुव के बीच का है। तुम टांग मत अड़ाओ।
अगर मैं बीच में नहीं पड़ा तो मेरियन की जान को खतरा हो सकता है। शिल्डर को हो सकता है...
...और शायद मैं ध्रुव की भी जान बचाना चाहता हूं।
ये 'स्पेस-सूट' है रोबो! इस पर तुम्हारी 'लेसर-आई' का कोई असर नहीं होगा।

लेकिन इसका असर तो होगा न, मोंटी ?
तुम लोग मुझ पर मिलकर हमला कर रहे हो !
यहां तक उड़कर आने में मेरी बहुत ऊर्जा, खर्च हो गई है।
इसलिए मैं ऊर्जा कवच नहीं पहन पा रहा हूं...
...लेकिन फिर भी मैं एक नया काम कर सकता हूं...
... अपने 'स्पेस-सूट' को जब चाहे ऊर्जा में बदल सकता हूं ...
... और जब चाहे, वापस अपने असली रूप में आ सकता हूं।
धड़ाक
कोई फायदा नहीं है, ग्रैंडमास्टर रोबो !
तुम्हारा लेजर ब्लास्ट भी इस रूप में मेरे आर-पार हो जाएगा।
लेकिन मेरे एक तगड़े वार से तुम्हारी जिन्दगी आर-पार हो सकती है।
इसलिए दूर रहो।

नताशा। तुम चुपचाप क्यों खड़ी हो? हमारा साथ क्यों नहीं देती?
तुम जानती हो कि इससे तुम्हारी... मेरा मतलब मरीज को खतरा हो सकता है।
जब होगा, तब मैं बीच में जरूर पड़ूंगी। फिल-हाल यह लड़ाई ध्रुव की है। मेरी नहीं।
मैं उस समय का इंतजार नहीं करूंगा। मैं इसको रोककर ही रहूंगा। अभी!
मगर कैसे?
धाड़
इसके 'स्पेस-सूट' पर तुम्हारा लेसर बेअसर है, रोबो। लेकिन इसके चेहरे पर लगा 'वाईजर-शीशा' इतना मजबूत नहीं लगता...
...अगर तुम उस वाईजर को तोड़ सको तो एनर्जी का बना इसका शरीर, बाहर हवा में उड़ जाएगा।
लेकिन ऐसा मैं कैसे कर सकता हूं?
मेरे वार करते ही यह अपना सूट एनर्जी का बना लेता है। और मेरा लेसर ब्लास्ट आर-पार हो जाता है।
अब ऐसा नहीं होगा।
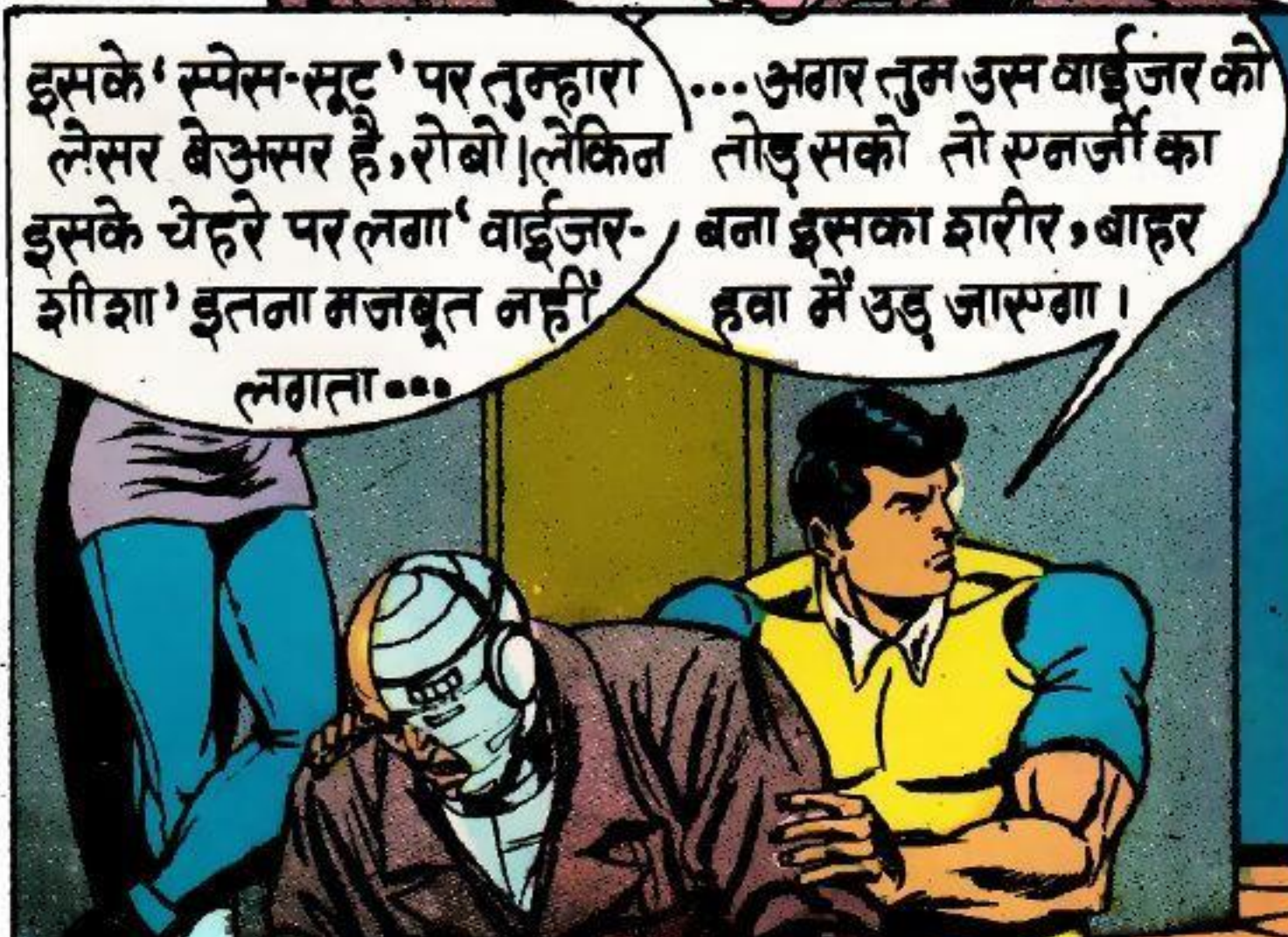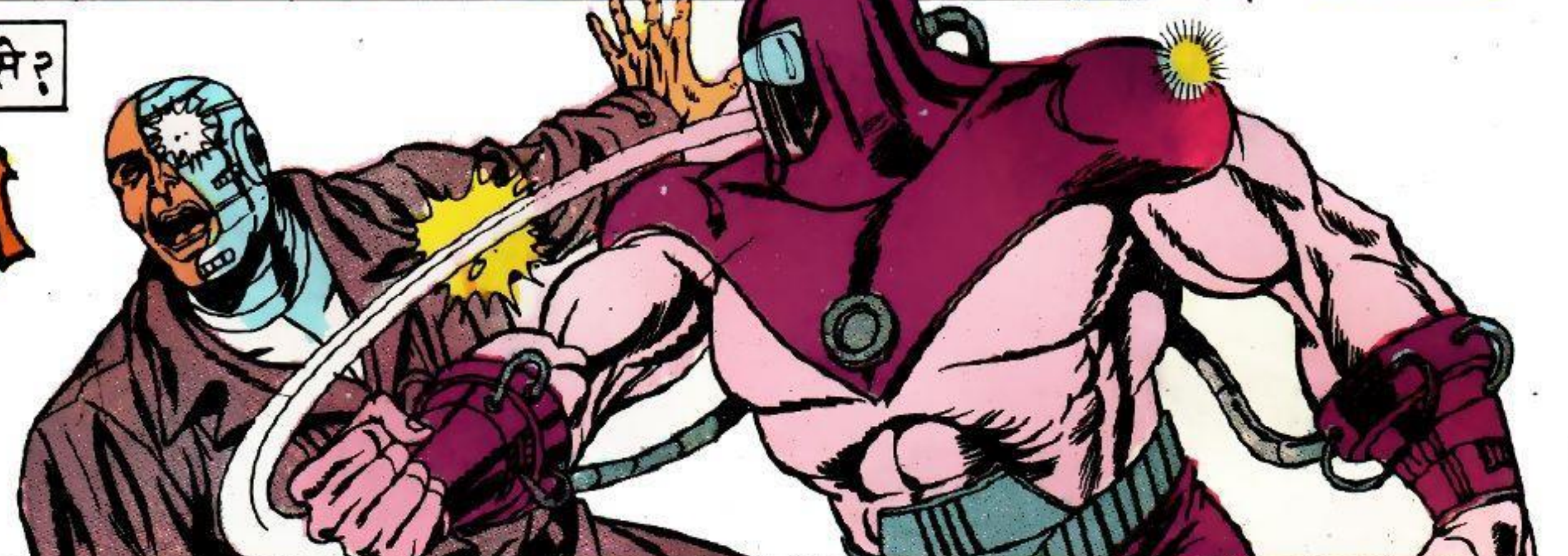
... तुम सिर्फ इसके 'स्पेस-सूट' के ठोस होने का इन्तजार करो।
ओह! तू बार-बार मेरे ऊपर हमला करके मुझे तंग क्यों कर रहा है?
स्लॉप
जानता नहीं कि एनर्जी से मैटर और मैटर से वापस एनर्जी में बदलना कितनी मेहनत का काम है?
आह!
रोबो, स्टैक!
फ्लह

धन्यवाद रोबो! मांटो को खत्म करने में मेरी मदद करके तुमने अपने इरादों को साफ कर दिया है।
कानून की दुनिया तुम्हारा स्वागत करती है, रोबो!
नहीं, पापा! मैं आपको कानून की दुनिया में नहीं जाने दूंगी...
...हमारी अपराध की दुनिया, उस कानून की भ्रष्टाचार, झूठ, छल और लालच से भरी दुनिया से कहीं ज्यादा अच्छी है।
हम अपराध की दुनिया में वापस जाएंगे पापा।
और उस दुनिया में आतंकवाद के बादशाह ग्रैंडमास्टर रोबो को लेकर जाएगी उसकी आर्मी चीफ...
...कमांडर नताशा!
?
समाप्त.
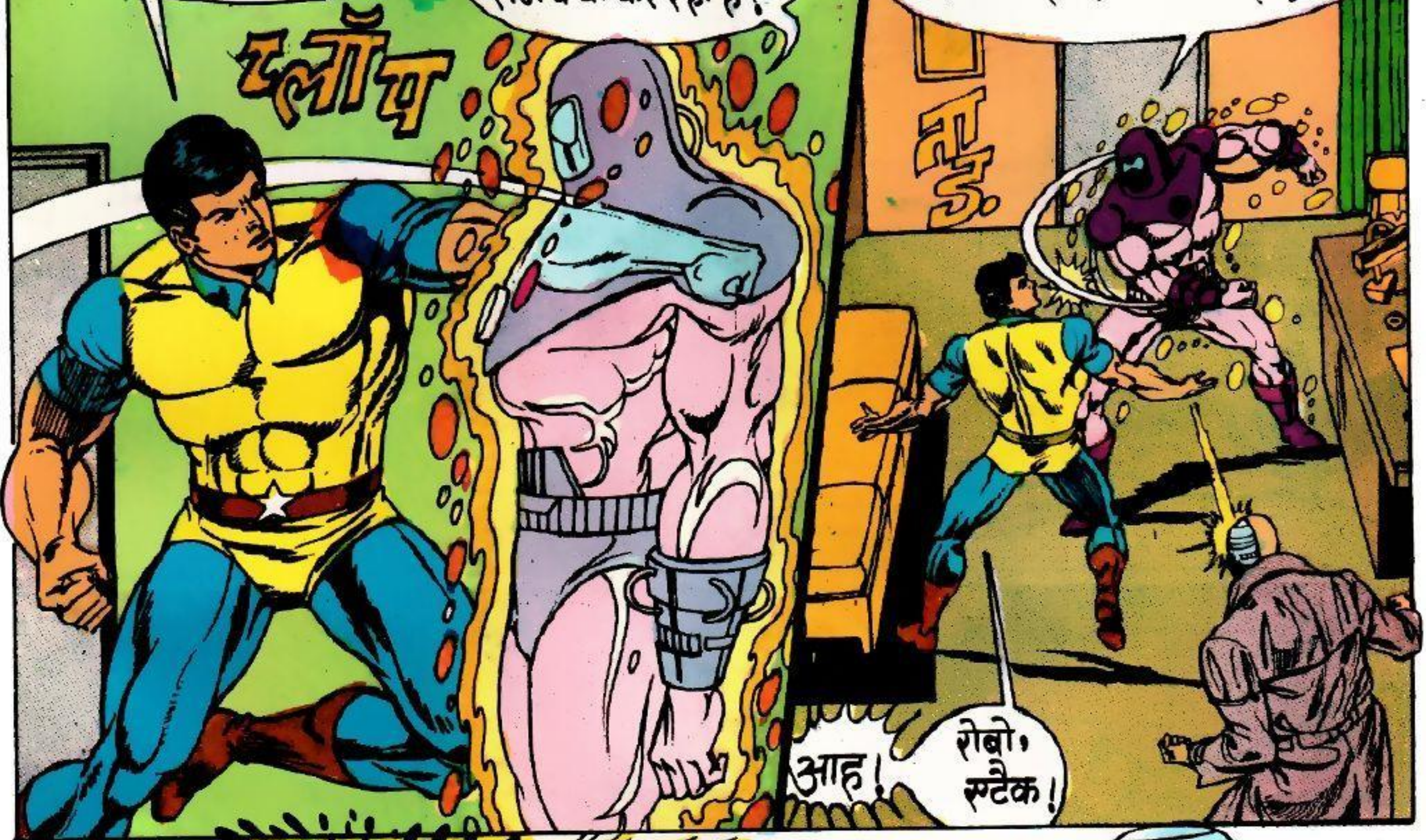
राष्ट्रभक्ति की मशाल से षड़यंत्रों के जाल को खाक कर देगा... ...विराट
राज कॉमिक्स में भीष्म पितामह व शक्तिमान की भूमिका निबाहने वाले मुकेश खन्ना का मेगा टी.वी.सीरीयल
विराट-3
तू सितारों की डगर से झूम के निकल, यह जमीन क्या विराट आसमां पे चल
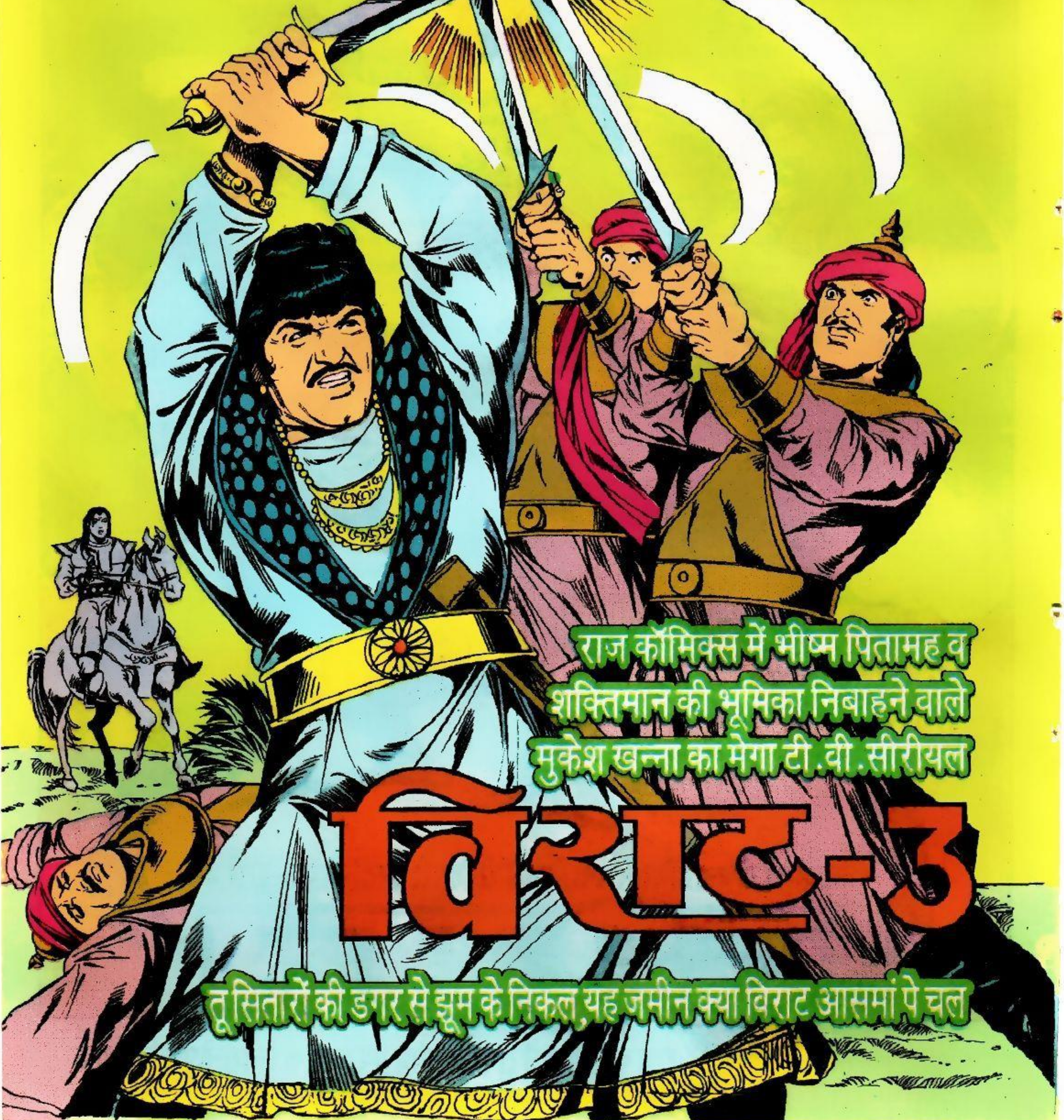
कभी-कभी इंसान की मजबूरी फर्ज पर हावी हो जाती है और तब सब कुछ उसके विरुद्ध हो जाता है। परिस्थितियां, सगे-संबंधी और पक्के दोस्त भी।
मेरे रास्ते से हट जाओ, चंडिका, वरना अपने हाथ-पैर तुड़वा बैठोगी। श्वेता के बदन पर लिपटे बम को निष्क्रिय करने की तरकीब मुझे इस अनमोल तस्वीर को देकर ही मिलेगी और मैं अपनी बहन को मरने नहीं दूंगा...
तुम भटक गए हो, ध्रुव! मैं तुमको एक अपराध करके अपराधी बनने नहीं दूंगी। चाहे इसके लिए मुझे तुम्हारे हाथ-पैर ही क्यों न तोड़ने पड़ें।
ध्रुव मेरी योजना समझ ही नहीं रहा है।...
चंडिका मेरी योजना समझ ही नहीं रही है और मैं इसे समझा भी नहीं सकता।
अनुपम
क्या है यह योजना? जिसने बना दिया है दो जिगरी दोस्तों को एक-दूसरे का...
दुश्मन
राज कॉमिक्स में सुपर कमांडो ध्रुव का एक सनसनीपूर्ण विशेषांक

कनपटी पर एक गोली!...और तेरा भेजा मेरा कुत्ता चाट जाएगा।
ध्रुव का भेजा तुझ जैसे कमीनों की जिंदगी चाट जाता है। तू ट्रिगर दबा और अंजाम देख।
पृष्ठ संख्या 96
मूल्य 25/-
यह विशेषांक मई 1999 में प्रकाशित होगा।
उठेगा तूफान जब टकरायेंगे दो चट्टानी इंसान...
पर हारे कोई... जीतेगा तो सिर्फ...
निशाचर
राज कॉमिक्स में सुपर कमांडो ध्रुव और डोगा का धमाकेदार विशेषांक

हर युग में मानवों ने देवताओं की मुसीबत में सहायता की है। त्रेता में दशरथ और कैकयी ने, द्वापर में अर्जुन ने! कलियुग में भी देवताओं के सामने एक भीषण संकट उत्पन्न हो गया है...
...और इस बार देवताओं ने अपनी मदद के लिए तुम दोनों को पुकारा है।...
...विनाश की इस घड़ी को अगर कोई टाल सकता है तो सिर्फ तुम दोनों मानव! वर्ना इस कलियुग के साथ सिर्फ एक 'कल्प' की नहीं बल्कि सृष्टि की ही समाप्ति हो जाएगी! और ब्रह्माण्ड में न रहेगा सतयुग न त्रेतायुग, न द्वापर युग! हमेशा के लिए ब्रह्माण्ड में व्याप्त हो जाएगा...
यह विशेषांक मई 1999 में प्रकाशित होगा
कलियुग
पृष्ठ संख्या : 96 मूल्य : 25
इस बार संघर्ष सिर्फ मानवता या पृथ्वी को बचाने के लिए नहीं, बल्कि देवताओं और सृष्टि को बचाने के लिए है। दुश्मन प्रचण्ड शक्तिशाली और भीषण राक्षसी शक्तियां हैं और दांव पर लगा है पूरे ब्रह्माण्ड का भविष्य!
राज कॉमिक्स का एक युग परिवर्तनकारी विशेषांक